राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

वर्ष : 05 अंक 34
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00/– रू.
UPHIN/2014/67765

लखनऊ
गुरूवार, 14 फरवरी 2019
www.crimereview.co.in
www.facebook.com/crimereview
@crimereview2012

वैचारिक जंग में भाजपा को हरा रही कांग्रेस, मोदी की अकड़ निकली : राहुल

नयी दिल्ली, । कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि राफेल मुद्दे पर 'ताजा खुलासों' के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास कहने के लिए कुछ नहीं बचा है और उनकी 'अकड़' निकल गई है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी भाजपा के खिलाफ 'वैचारिक लड़ाई' जीत रही है। कांग्रेस के संसदीय दल की आमसभा की बैठक को संबोधित करते हुए गांधी ने राफेल सौदे को भारतीय रक्षा बलों के साथ ''सुनियोजित लूट'' करार दिया और आरोप लगाया कि केवल लड़ाकू विमान करार नहीं बल्कि मोदी सरकार के तहत हर एक सौदे में यही किया गया।

गांधी ने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति को चुना गया और फिर पूरी प्रक्रिया को नजरअंदाज कर दिया गया। इस बैठक में कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, लोकसभा में कांग्रेसी नेता मल्लिकार्जुन खड़गे और राज्यसभा में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद सहित अन्य ने भाग लिया। राहुल गांधी ने कहा, 'राफेल पर एक के बाद एक खुलासे...आज का 'हिन्दू' अखबार

देखिए, नये सौदे की पूरी बात, इसके सस्ते होने की बात और विमानों की जल्दी जरूरत की बात, सब कुछ खत्म हो गई।'

उन्होंने अपनी पार्टी के सांसदों को संबोधित करते हुए कहा कि इसलिए, प्रधानमंत्री के पास कहने के लिए कुछ नहीं बचा है, आप यह उनके चेहरे को देखकर समझ सकते हैं, आप उनके हावभाव देख सकते हैं, आप देख सकते हैं कि (उनकी) अकड़ निकल गई।

गांधी ने आरोप लगाया कि सरकार का हमला सुनियोजित रहा है। उन्होंने कहा कि हम वैचारिक जंग में भाजपा को हरा रहे हैं। हम रोजाना समाचारों में भाजपा को हरा रहे हैं और अब कांग्रेस पार्टी जनता के मन और भावना में मजबूती से बस गई है। कांग्रेस प्रमुख ने कहा कि ऐसी केवल एक ही पार्टी है (कांग्रेस) जो पूरे देश की बात करती है। बाकी अन्य दल भारतीय समाज के एक वर्ग की बात करते हैं।

गांधी ने आरोप लगाया कि आरएसएस और भाजपा देश को विभाजित करती है और देश के केवल एक भाग की बात करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एकमात्र पार्टी है जो भारत के विचार की रक्षा करती है और इसलिए देश की संस्थाओं की रक्षा करने की जिम्मेदारी उसी की है। गांधी ने कहा कि आप 2019 में यह देखेंगे...आप देखेंगे कि आपके साथ खड़े लोगों की संख्या आपको आश्चर्यचकित कर देगी।

कांग्रेसी नेता ने सांसदों की सराहना करते हुए कहा, '2019 में जो होने जा रहा है उससे आप हैरान हो जाएंगे और अगर आपने संसद में अपना पक्ष मजबूती से नहीं रखा होता तो यह संभव नहीं हो पाता।' गांधी ने दावा किया कि भाजपा में वरिष्ठ नेताओं को बोलने नहीं दिया जाता और भाजपा की लोकसभा में केवल एक आवाज है जो नरेंद्र मोदी की है। उन्होंने आरोप लगाया, 'उनके बोलने से पहले वे सोचते हैं कि वह (मोदी) क्या बोलने वाले हैं, वह क्या सोचने वाले हैं और यही निरंतर किया जा रहा है।' उन्होंने दावा किया कि चुनाव आयोग और उच्चतम न्यायालय जैसी संस्थाओं को निशाना बनाया जा रहा है। गांधी ने कहा कि आम लोगों को अहसास हो गया है कि मोदी वह नहीं हैं जो वह दावा करते हैं और आरएसएस वह नहीं है जो वह दावा करता है। वे असल में भारत के विचार पर हमला कर रहे हैं और इस विचार की रक्षा एक ही बल कर सकता है वह कांग्रेस पार्टी है।

गांधी ने कहा कि लोकसभा में जब पार्टी को केवल 40 के करीब सीटें मिलीं तो सभी ने सोचा कि सरकार के 280 से अधिक सदस्यों के सामने उन्हें नहीं सुना जाएगा लेकिन कांग्रेस के सांसदों ने मजबूती से अपनी बात रखी और उन्होंने सदन में खुद को सुनने के लिए मजबूर किया।

अमेठी वालों को प्रियंका गांधी ने दिया जीत का मंत्र–''मै हूं ना''

लखनऊ, । उत्तर प्रदेश में संगठन को चुस्त करने की कवायद में जुटीं कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने अपने भाई एवं पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी के संसदीय निर्वाचन क्षेत्र अमेठी की समीक्षा की। प्रियंका ने लोकसभावार मैराथन बैठकों के सिलसिले में मंगलवार रात करीब साढ़े ग्यारह बजे अमेठी संसदीय क्षेत्र के नेताओं और कार्यकर्ताओं से बातचीत में हर समस्या के जवाब में कहा कि मैं हूं ना, अब मैं देखूंगी। प्रियंका से मुलाकात करने वालों में शामिल युवा कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव अशोक सिंह ने श्भाषाश को बताया कि प्रियंका ने कार्यकर्ताओं से पूछा कि प्रदेश में कांग्रेस को मजबूत करने के क्या रास्ते हैं। साथ ही कांग्रेस की प्रदेश इकाई, जिला इकाइयां, ब्लॉक और बूथ स्तर पर पार्टी संगठन कैसा काम कर रहे हैं। सिंह के मुताबिक प्रियंका ने कहा कि आप लोग नौजवानों, बुजुर्गों, महिलाओं समेत समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलें। अब मैं आयी हूं ना। मैं सबको एक साथ देखना चाहती हूं। सभी लोग 2019 के लिये तैयार रहिये। उन्होंने कहा कि प्रियंका को जब बताया गया कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के लोग अमेठी के

गांव–गांव जाकर तरह–तरह की अफवाहें फैलाकर गुमराह कर रहे हैं कि मोदी सरकार ने क्या–क्या काम किये हैं, तो उन्होंने कहा कि मैं हूं ना, आप लोग तटस्थ रहिये, अब कोई गुमराह नहीं कर पायेगा। अब मैं देखूंगी। सिंह ने बताया कि प्रियंका ने कहा कि मुझे पता चला था कि संगठन काफी समय से उतना सक्रिय नहीं है, जितना होना चाहिये। अब यह नहीं होगा, आपका बल मेरे साथ चलेगा। आप जहां चाहेंगे, मैं खड़ी मिलूंगी। गौरतलब है कि प्रियंका ने कल रात भर अपने प्रभार वाले लोकसभा क्षेत्रों के नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बातचीत का मैराथन सिलसिला जारी रखा, जो आज सुबह करीब पांच बजे खत्म हुआ। कांग्रेस महासचिव ने दोपहर करीब 12 बजे फिर बैठकों का दौर शुरू किया, जिसके देर रात तक जारी रहने की सम्भावना है।

वित्त वर्ष 2019–20 का अंतरिम बजट को मिली संसद की मंजूरी, पांच लाख रुपये तक की आमदनी टैक्स फ्री

नयी दिल्ली। नरेंद्र मोदी सरकार के छठे और अंतिम बजट को संसद ने बुधवार को मंजूरी दी. अंतरिम

बजट में पांच लाख रुपये तक आमदनी को पूरी तरह कर से छूट देने और छोटे किसानों को हर साल 6,000 रुपये की नकद सहायता देने का प्रावधान किया गया है. इसके साथ ही, असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों के लिए 3000 हर महीने की एक पेंशन योजना की भी इसमें घोषणा की गयी है.

इसे भी पढ़ें रू प्दजमतपउ ठनकहमज 2019 रू कर योग्य 5 लाख तक की आय पर टैक्स नहीं, छोटे किसानों को हर साल 6000 रुपये की मदद राज्यसभा ने बुधवार को सत्र के आखिरी दिन अंतरिम बजट को बिना चर्चा के ही मंजूरी देते हुए लोकसभा को लौटा दिया. इसी के साथ संसद में अंतरिम बजट को पारित करने की प्रक्रिया पूरी हो गयी. इससे पहले लोकसभा ने वित्त विधेयक–2019 को मंजूरी देते हुए 2019– 20 के अंतरिम बजट को पारित करने की प्रक्रिया मंगलवार को पूरी की थी. राज्यसभा में 13 दिन के बजट सत्र में काई कामकाज नहीं हुआ. इस दौरान विपक्षी दलों ने रोजाना किसी न किसी मुद्दे पर हंगामा करते हुए सदन की कार्यवाही को स्थगित किया. राफेल लड़ाकू विमान सौदे से लेकर नागरिकता विधेयक तक विभिन्न मुद्दों पर विपक्ष राज्यसभा की कार्यवाही को बाधित करता रहा. राज्यसभा में बजट सत्र के आखिरी दिन बुधवार को राजनीतिक दलों के बीच इस मुद्दे पर आम सहमति बन गयी कि राष्ट्रपति के दोनों सदनों के संयुक्त अधिवेशन को संबोधित करने पर धन्यवाद प्रस्ताव और अंतरिम बजट को बिना चर्चा के ही मंजूरी दे दी जाये. राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने आम सहमति के बारे में सदन को जानकारी दी. इससे पहले समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने विभिन्न मुद्दों को लेकर सदन में हंगामा किया, जिससे सदन की कार्यवाही 40 मिनट तक के लिए स्थगित करनी पड़ी थी. वित्त राज्य मंत्री शिवप्रताप शुक्ला ने विनियोग विधेयक और वित्त विधेयक राज्यसभा में पेश किया, जिसे बिना चर्चा के ही ध्वनिमत से पारित कर दिया गया. संसदीय कार्य मंत्री विजय गोयल ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव को बिना चर्चा के ही मंजूरी देने की सदन से अपील की और इसे भी सदन ने ध्वनिमत से मंजूरी दे दी. राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के दोनों सदनों को संबोधित करने पर उनका आभार व्यक्त करने वाले प्रस्ताव को विपक्ष के कई नेताओं द्वारा लाये गये संशोधनों को वापस लेने के बाद धन्यवाद प्रस्ताव को सदन की मंजूरी दे दी गयी.

उच्च सदन के काम में आई कमी चिंता का विषय, सदस्य कामकाज बढ़ाएं : नायडू

नयी दिल्ली, । राज्यसभा के सभापति एम वेंकैया नायडू ने बजट सत्र के दौरान अधिकांश समय हंगामे की भेंट चढ़ने पर क्षोभ प्रकट करते हुये सदस्यों से कामकाज बढ़ाने की अपील की है। नायडू ने बुधवार को बजट सत्र के अंतिम दिन अपने पारंपरिक संबोधन में पिछले पांच साल के दौरान उच्च सदन में हुये कामकाज का तुलनात्मक ब्योरा देते हुये कहा, ''एक और सत्र समाप्त होने जा रहा है। हमें विचार करना चाहिये कि इसमें हमने क्या खोया और क्या पाया। बेहद भारी मन से मुझे कहना पड़ रहा है कि राज्यसभा का यह संक्षिप्त किंतु अत्यंत महत्वपूर्ण बजट सत्र गंवाया

जा चुका एक और अवसर बन गया है। नायडू ने कहा कि जून 2014 से आज तक राज्यसभा के 18 सत्र और 329 बैठकें हुयी। इनमें 149 विधेयक पारित किये गये। उन्होंने कहा कि 2009 से 2014 तक उच्च सदन से 188 विधेयक पारित किये गये थे। सभापति ने इन आंकड़ों के हवाले से कहा कि 2009 से 2014 की तुलना में जून 2014 से आज तक पारित किये गये विधेयकों की संख्या में कमी आयी है। उन्होंने विधायी कार्य के तुलनात्मक विश्लेषण के आधार पर सदस्यों से कामकाज को बढ़ाने की अपील की। उन्होने कहा कि इस सत्र में भी कामकाज नहीं होने की पिछले कुछ वर्षों से लगातार दिख रही प्रवृत्ति फिर देखी गयी। उल्लेखनीय है कि यह पहला अवसर है जबकि सभापति ने उच्च सदन के पांच साल के कामकाज का ब्योरा देते हुये इसकी तुलनात्मक विवेचना की हो। उन्होंने दलील दी कि आसन्न आम चुनाव से पहले यह अंतिम सत्र था। हमें यह जानने की जरूरत है कि यह सदन अपनी भूमिका और जिम्मेदारी का किस हद तक निर्वाह कर पाया। एक नयी पहल के तहत मैं पिछले पांच साल में इस प्रतिष्ठित सदन के कामकाज का विस्तृत ब्योरा देना चाहूंगा। देश के जिम्मेदार मतदाता जल्द ही एक और फैसला देंगे। मेरे विचार से पिछले पांच साल के दौरान राज्यसभा के कामकाज के बारे में जनता के समक्ष एक रिपोर्ट पेश करना समुचित और जरूरी है। नायडू ने उच्च सदन के कामकाज में आ रही निरंतर कमी पर कहा कि यह चिंता का विषय है क्योंकि यह संसदीय लोकतंत्र के लिये गंभीर खतरा पेश करता है। सदन में सभी वर्गों के लिये यह सामूहिक जिम्मेदारी का भाव पैदा करने का समय है ताकि सदन के प्रभावी कामकाज को लेकर गहन आत्मचिंतन किया जाये। ऐसा करने पर इस प्रतिष्ठित सदन की गरिमा को किसी भी प्रकार के नुकसान से रोका जा सकेगा। उन्होंने कहा कि यह उच्च सदन कहलाता है और इस सदन में वरिष्ठों से दूसरों को रास्ता दिखाने की उम्मीद की जाती है। इस सत्र की शुरुआत में मुझे बहुत उम्मीदें थीं।

क्रिश्चियन मिशेल की जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित

नयी दिल्ली दिल्ली पटियाला हाउस अदालत ने अगस्ता वेस्टलैंड वीवीआईपी हेलिकाप्टर सौदे में आरोपी ब्रिटिश नागिरक क्रिश्चियन मिशेल की जमानत याचिका पर बुधवार को फैसला सुरक्षित रखा। विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार ने फैसला सुरक्षित रखते हुए कहा कि मिशेल की जमानत याचिका पर शनिवार को निर्णय सुनायेंगे। छत्तीस सौ करोड़ रुपए के इस सौदे में प्रत्यर्पित कर लाये गये मिशेल की जमानत याचिका का केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विरोध किया था। मंगलवार को दोनों एजेंसियों ने कहा कि रिहा किये जाने के बाद मिशेल भारत से फरार हो सकता है। मिशेल ने पिछले सप्ताह जमानत याचिका दाखिल की थी जिस पर अदालत ने दोनों एजेंसियों को नोटिस जारी कर 12 फरवरी तक जवाब देने को कहा था।

पूर्ण बहुमत की सरकार की वजह से भारत को सुनती है दुनिया : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज कहा कि 16वीं लोकसभा के समय दुनिया में भारत का मान बढ़ा तथा सदन ने भ्रष्टाचार और कालाधन के खिलाफ कानून बनाने के साथ 1400 से ज्यादा अप्रासंगिक हो चुके पुराने कानूनों को समाप्त भी किया। मोदी ने 16वीं लोकसभा की अंतिम बैठक में लोकसभा अध्यक्ष और सभी सदस्यों का धन्यवाद करते हुये कहा कि आज देश छठी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। देश 50 खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के दरवाजे पर है। देश का आत्मविश्वास बढ़ा है। इस सदन

ने जिस गति से निर्णय प्रक्रिया को आगे बढ़ाया उसकी इसमें बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने कहा कि करीब तीन दशक बाद देश में पूर्ण बहुमत की सरकार बनी है और आजादी के बाद पहली बार ऐसी सरकार बनी है जो "कांग्रेस गोत्र वाली" नहीं है। आज दुनिया में भारत का मान बढ़ा है और इसका कारण देश में पूर्ण बहुमत वाली सरकार का होना है। प्रधानमंत्री ने कहा "वैश्विक मंच पर भी भारत को सुना जाता है। वास्तविकता यह है कि दुनिया पूर्ण बहुमत वाली सरकार को मानती है। इसका पूरा यश 2014 के उस निर्णय को जाता है। पिछले 30 साल इसकी कमी खली थी।" उन्होंने कहा कि विदेशों में अनेक संस्थानों में भारत को आदरपूर्ण स्थान मिला है, उसे सुना जाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज लोकसभा में कहा की काले धन और भ्रष्टाचार पर बीते पांच साल में कड़े कानून बने है। साथ ही उन्होंने कहा की पूर्ण बहुमत की सरकार की वजह से दुनिया भारत को सुनती है और बीते पांच साल में बांग्लादेश का जमीन विवाद सुलझाया गया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा की 16वीं लोकसभा में सबसे ज्यादा महिला सदस्य हैं और इस पांच साल में 203 बिल पास कराए। मोदी ने कहा पहली बार गले मिलने और गले पड़ने का अंतर पता चला और पहली बार संसद में आंखों की गुस्ताखियां देखीं।

जम्मू-कश्मीरः बड़गाम मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने दो आतंकियों को मार गिराया

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर के बड़गाम जिले में बुधवार को सुरक्षाबलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गये. पुलिस ने बताया कि हथियार और गोला बारुद समेत संदेहास्पद सामग्री भी बरामद हुई है. पुलिस के एक प्रवक्ता ने कहा, बड़गाम जिले में चदूरा के गोपालपुरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की विश्वसनीय सूचना के आधार पर मंगलवार और बुधवार की मध्यरात्रि को घेराबंदी की गई और खोज अभियान चलाया गया. उन्होंने बताया कि जब खोज अभियान चल रहा था तो आतंकवादियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चला दी. खोज दल ने भी जवाबी कार्रवाई की और इसके बाद मुठभेड़ शुरू हो गई जिसमें दो आतंकवादी ढेर हो गये. उन्होंने बताया कि आतंकवादियों और उनके संगठन की पहचान की जा रही है. प्रवक्ता ने कहा, मुठभेड़ स्थल

से हथियार और गोला बारुद समेत संदेहास्पद सामग्री बरामद की गई है. पुलिस ने मामला दर्ज किया है और मामले की छानबीन कर रही है. गौरतलब हो दक्षिण कश्मीर के पुलवामा जिले में मंगलवार को सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ के दौरान बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए सुरक्षा बलों ने खतरनाक हिज्बुल आतंकवादी हिलाल अहमद राठेर को मार गिराया. राठेर ने पिछले साल लश्कर–ए–तैयबा के खतरनाक आतंकवादी नवीद जट को भगाने में मदद की थी. मुठभेड़ में सेना का एक जवान भी शहीद हो गया. अधिकारियों ने यह जानकारी दी. अधिकारियों ने बताया कि आतंकवादियों के हमलों से अत्यंत प्रभावित पुलवामा जिले के रतनीपुरा में मुठभेड़ के दौरान राठेर (21) को मार गिराया गया. इससे पहले जम्मू कश्मीर पुलिस को वहां आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिली थी. पुलिस के प्रवक्ता ने बताया कि सूचना के आधार पर सेना और सीआरपीएफ के साथ मिलकर पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया. तलाश अभियान चल ही रहा था कि आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी. सुरक्षा बलों ने भी इसका मुंहतोड़ जवाब दिया, जो बाद में मुठभेड़ में तब्दील हो गयी. उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में एक आतंकवादी मारा गया, जिसका शव मौके से बरामद कर लिया गया. पुलिस महानिरीक्षक (कश्मीर संभाग) स्वयं प्रकाश पाणि ने कहा, राठेर, लश्कर–ए–तैयबा के आतंकवादी नवीद जट को श्रीनगर के अस्पताल से भगाने की साजिश का मुख्य आरोपी था. सभी कानूनी औपचारिकताओं को पूरा करने के बाद उसके शव को परिजन के सुपुर्द कर दिया गया. 12वीं पास राठेर का नाम सबसे पहले उस वक्त उजागर हुआ जब फरार जट को पकड़ने के लिये गठित विशेष जांच दल को यह पता चला कि राठेर ही इसका मुख्य साजिशकर्ता है. पिछले साल फरवरी में नियमित जांच के लिये एसएमएचएस अस्पताल गये जट को सुरक्षित छुड़ाने के लिये उसने अन्य आतंकवादियों के साथ मिलकर साजिश रची थी. जट पिछले साल 28 नवंबर को मध्य कश्मीर के बडगाम जिले में पुलिस के साथ मुठभेड़ में मारा गया था. प्रवक्ता ने बताया कि राठेर प्रतिबंधित हिज्बुल मुजाहिदीन से जुड़ा था और आतंकवादी हमलों का उसका लंबा इतिहास रहा है. इनमें सुरक्षा प्रतिष्ठानों पर हमला और आम नागरिकों पर अत्याचार के मामले शामिल हैं. उन्होंने बताया कि मुठभेड़ स्थल से गोला बारुद सहित अन्य सामग्री बरामद हुई है. उन्होंने कहा, जांच के मकसद से इन सभी चीजों को रिकॉर्ड में ले लिया गया है. प्रवक्ता ने बताया कि मुठभेड़ के दौरान गोली लगने से दो सुरक्षाकर्मी भी घायल हो गये जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है. इनमें से एक जवान बलजीत सिंह ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया. अन्य सैनिक का उपचार चल रहा है.

कार्ड क्लोनिंग कर महिला के खाते से 18 हजार रुपए निकाले

लखनऊ, । साइबर जालसाजों ने कार्ड क्लोनिंग कर महिला के खाते से 18 हजार रुपए निकाल लिए। वहीं, सरोजनीनगर में युवक के क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर ऑनलाइन शापिंग की गई। आरडीएसओ कालोनी निवासी कमला का एसबीआई मानकनगर ब्रांच में अकाउंट है। उन्होंने इंडसइंड बैंक के एटीएम से 10 फरवरी को सात हजार रुपए निकाले थे। कमला के मुताबिक घर लौटने पर उन्होंने मोबाइल चेक किया तो उसमें खाते से 18 हजार रुपए निकाले जाने का मैसेज पड़ा था। बैंक के कस्टमर केयर नम्बर पर शिकायत की तो उन्हें एफआईआर दर्ज कराने की सलाह दी गई। इंस्पेक्टर मानकनगर धीरेन्द्र कुशवाहा ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर छानबीन की जा रही है। वहीं, शांतिनगर निवासी पंकज तिवारी परिवार के साथ रहते है। 10 फरवरी को उनके पास क्रेडिट कार्ड से 43 हजार रुपए निकाले जाने का मैसेज आया। पंकज ने कार्ड ब्लॉक कराते हुए सरोजनीनगर थाने पहुंच कर एफआईआर दर्ज कराई है।

सैन्यकर्मी का बैग काट युवती ने उड़ाए दो लाख

लखनऊ, । बैंक में रुपए निकालने पहुंचे सैन्यकर्मी के बैग से युवती ने दो लाख रुपए पार कर दिए। उन्होंने कैन्ट कोतवाली में एफआईआर दर्ज कराई है। मूलतः बिहार निवासी कौशल किशोर सेना में तैनात हैं। सोमवार दोपहर वह एसबीआई कैन्ट ब्रांच गए थे। कौशल के मुताबिक उन्होंने होम लोन लिया था। कैश काउंटर से दो लाख रुपए लेने के बाद उन्होंने बैग में रखे थे। फिर वह पासबुक में इंट्री कराने के लिए लाइन में लग गए। उनके पीछे लाइन में एक युवती भी खड़ी थी। कौशल के मुताबिक नम्बर आने पर पासबुक निकालने के लिए उन्होंने बैग खोला तो उसमें रखे दो लाख रुपए नजर नहीं आए। वह हड़बड़ा गए। काफी तलाश करने के बाद भी उन्हें संदिग्ध युवती नजर नहीं आई। छानबीन के दौरान कौशल को बैग का ऊपरी हिस्सा कटा मिला। इंस्पेक्टर कैन्ट ने बताया कि बैंक में लगे सीसी कैमरों की फुटेज खंगाल कर संदिग्ध युवती की तलाश की जा रही है।

कानून–व्यवस्था बिगाड़ने वालों पर होगी कार्रवाई : आईजी एल.ओ

लखनऊ, । प्रदेश के विभिन्न जिलों में सपाइयों के प्रदर्शन के बारे में पूछे जाने पर आईजी कानून–व्यवस्था प्रवीण कुमार ने कहा कि जहां कहीं भी कानून को हाथ में लेने की कोशिश होगी, वहां पुलिस कड़ी कार्रवाई करेगी। उन्होंने कहा कि सपा के प्रदर्शन में पुलिसकर्मियों या प्रशासनिक अधिकारियों के साथ दुर्व्यवहार की शिकायतें मिलने पर वीडियो फुटेज देखकर कार्रवाई होगी। लखनऊ के अमौसी एयरपोर्ट पर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के सुरक्षाकर्मी द्वारा एडीएम के साथ दुर्व्यवहार किए जाने की घटना के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि लखनऊ का जिला प्रशासन इस घटना का वीडियो फुटेज देखकर आगे की कार्रवाई के बारे में फैसला करेगा।

व्यापारियों ने जिलाधिकारी से गुहार लगाई

लखनऊ, । कपूरथला और पुरनिया में अक्सर जाम लगने और कोई भी स्थाई पार्किंग न होने की समस्या से परेशान हो रहे व्यापारियों ने जिलाधिकारी से गुहार लगाई है। व्यापारियों को सुरक्षा और अन्य परेशानियों से निजात दिलाने के लिए जिलाधिकारी का व्यापारियों ने सम्मान भी किया। मंगलवार को सर्वोदय व्यापार मंडल के अध्यक्ष अतुल कुमार शुक्ला के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी कौशलराज शर्मा से मिला। उन्होंने जिलाधिकारी से बताया कि कपूरथला और पुरनिया ट्रांसगोमती के मुख्य बाजारों में गिने जाते हैं। लेकिन ट्रैफिक व्यवस्था ठीक न होने और अतिक्रमण की वजह से अक्सर जाम जैसी परिस्थितयों से कारोबारियों को सामना करना पड़ता है। वहीं इन बाजारों में पार्किंग स्थल की भारी कमी को दूर करने की भी मांग की। जिलाधिकारी ने इन समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए व्यापारियों को आश्वासन दिया कि इन समस्याओं का समाधान कराने की जल्द ही कोशिश की जाएगी। प्रतिनिधिमंडल में उपाध्यक्ष रमेश बाजपेयी, महामंत्री विपिन वर्मा, सचिव रवी अग्रवाल, विधि सलाहकार रवी बाजपेयी और नगर अध्यक्ष आलोकित सेठ मौजूद रहे।

विभिन्न मांगों को लेकर वकीलों ने किया प्रदर्शन

लखनऊ, । वकीलों के लिए बजट जारी करने व नए वकीलों को पांच वर्ष तक 10 हजार रुपए मानदेय दिए जाने समेत विभिन्न मांगों को लेकर वकीलों ने राज्यपाल आवास के सामने प्रदर्शन कर विरोध जताया। सभी ने सरकार विरोधी जमकर नारेबाजी की। इससे पहले प्रदर्शनकारियों ने स्वास्थ्य भवन से जीपीओ तक मार्च निकाला। सभी लोग सेन्ट्रल बार एसोसिएशन के बैनर तले एकजुट हुए। सुबह करीब 11.30 बजे सेन्ट्रल बार एसोसिएशन लखनऊ के अध्यक्ष आदेश कुमार सिंह के नेतृत्व में जौनपुर, आजमगढ़, गोरखुपर, बहराइच समेत विभिन्न जिलों के अधिवक्ता संघ के सदस्य बड़ी संख्या में स्वास्थ्य भवन चौराहे पर एकजुट हो गए। इसके बाद नारेबाजी करते हुए सभी जीपीओ स्थित गांधी प्रतिमा पार्क पहुंचकर धरने पर बैठ गए। सभी लोग सरकार पर वकीलों के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए नारेबाजी करते रहे।

अधिवक्तावों ने एकजुट होकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन किया

लखनऊ, । देश मे आम बजट में कल्याणकारी योजनाओं का प्रावधान न किए जाने के विरोध में मंगलवार को हजारों की संख्या में अधिवक्तावों ने एकजुट होकर राष्ट्रव्यापी आंदोलन किया, अधिवक्ता कल्याण की मांगो के समर्थन में लखनऊ की समस्त बार एसोसियेशन के साथ "टैक्स लायर्स एसोसिएशन" व सेल्स टैक्स बार एसोसिएशन का संयुक्त शांतिपूर्ण विरोध मार्च ग्लोब पार्क से गांधी प्रतिमा हजरतगंज तक किया। आंदोलन में राजधानी के सभी अधिवक्ताओं ने भाग लिया। मांगो को लेकर बुलंद आवाज करते हुए अधिवक्ताओं ने जमकर प्रदर्शन भी किया। वहीं, एसोसिएशन के अध्यक्ष जय राम श्रीवास्तव अपनी मांगों को दुहराते हुए ने कहा कि देश के सभी अधिवक्तावों एवं उनके परिवार हेतु जीवन बीमा, असामयिक मृत्यु पर कम से कम पचास लाख रूपये की व्यवस्था कराई जाए। साथ ही वकीलों व परिजनों की किसी भी बीमारी की स्थिति में बेहतर मुफ्त चिकित्सा की व्यवस्था हो। एसोसिएशन के महासचिव संतोष श्रीवास्तव ने अधिवक्ता एवं पक्षकारों के कल्याण के लिए पांच हजार करोड़ वार्षिक बजटीय प्रावधान की मांग की है, इस दौरान उमेश चंद्र शुक्ला वरिष्ठ कार्यकारणी सदस्य, आशीष कुमार त्रिपाठी सचिव, आशीष गोयल उपाध्यक्ष, महेश राम सक्सेना संयुक्त सचिव सहित अन्य पदाधिकारी व सदस्य उपिस्थित रहे।

अखिलेश को रोके जाने पर कार्यकर्ताओं में जबरदस्त आक्रोश, कई जिलों में सपाइयों का प्रदर्शन

लखनऊ, । पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के प्रयागराज आगमन से पूर्व लखनऊ में रोके जाने और सांसद धर्मेंद्र यादव पर लाठीचार्ज से सपाई में जबरदस्त आक्रोश है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत कई जिलों में सपा कार्यकर्ता सड़क पर उतर आए हैं और जाम लगा कर धरना–प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रयागराज में सांसद धर्मेंद्र यादव इलाहाबाद यूनिवर्सिटी की छात्र नेता रिचा समेत सैकड़ों कार्यकर्ता बालसन की ओर जा रहे थे। बालसन चौराहे पर महात्मा गांधी की मूर्ति पर माल्यार्पण के बाद कुछ लोग यही धरने पर बैठ गए। पुलिस ने विरोध किया तो बखेड़ा शुरू हो गया। पुलिस ने भीड़ को हटाने के की कोशिश की तो उग्र लोगों ने पथराव कर दिया। जमकर तोड़फोड़ करने लगे जिसके बाद पुलिस ने भी लाठी चार्ज कर दिया। इस हमले में सांसद धर्मेंद्र का सिर फुट गया। रिचा समेत कई लोग जख्मी हो गए। डीएम एसएसपी मौके पर हैं। लखनऊ में राजभवन के गेट पर सपा कार्यकर्ताओं ने राजभवन जाकर प्रदर्शन किया और नारेबाजी की। सपाइयों ने आरोप लगाया कि सरकार तानाशाही पर उतर आई है और सपा मुखिया को युवाओं से नहीं मिलने देना चाहती। लोकसभा चुनाव के मुद्दे नजर अब सपा व सरकार आमने सामने आ गये लगते हैं। अखिलेश यादव अपना विरोध जताने के लिए बुधवार को दस बजे राज्यपाल रामनाईक से मिलने जाएंगे। अखिलेश यादव को इस मामले में सहयोगी बसपा सुप्रीमो मायावती का भी पूरा साथ मिला है। श्रावस्ती के सपा कार्यकर्ता भड़क गए और ईदगाह तिराहे पर जाम लगा कर धरना– प्रदर्शन किया। सपा कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम भिनगा को सौंपा। धरने की अगुवाई करते हुए समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष जीतेन्द्र यादव ने कहा कि मंगलवार को पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव लखनऊ से प्रयागराज जा रहे थे। जिन्हें प्रदेश सरकार के कहने पर अधिकारियों ने जबरन रोक दिया। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार की इस गुण्डागर्दी को सपा कार्यकर्ता स्वीकार नहीं करेंगे और सरकार के खिलाफ आंदोलन किया जाएगा। वहीं पूर्व विधायक हाजी मोहम्मद रमजान ने कहा कि जब से भाजपा सरकार आयी है तब से प्रदेश की जनता परेशान होती जा रही है। इसलिए भाजपा सरकार को उखाड़ फेकना होगा। भिनगा के ईदगाह तिराहे पर हुए विरोध प्रदर्शन के बाद समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन किया। सपा के प्रदर्शन के कारण करीब एक घंटे तक जाम लगा रहा। मौके पर पहुंचे एसडीएम भिनगा चंद्रमोहन गर्ग को सपाइयों ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में प्रदेश की भाजपा सरकार को बर्खास्त करने की मांग की गई है। इस मौके पर पूर्व विधायक इंद्राणी वर्मा, राम अधार सोनकर, डा इकबाल अहमद मंसूरी, राधेश्याम यादव,धनंजय यादव, राम कुमार यादव, सत्यपाल पटेल, चांदबाबू, ज्ञान प्रकाश कैराती आदि मौजूद रहे। कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को सदर व उतरौला तहसील गेट के सामने धरना प्रदर्शन किया। गुस्साए कार्यकर्ताओं ने सरकार विरोधी नारेबाजी की। बलरामपुर में कार्यकर्ताओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को दिया है। पूर्व राज्यमंत्री डा. एसपी यादव ने कहा कि अखिलेश यादव इलाहाबाद विश्वविद्यालय छात्र संघ शपथ ग्रहण कार्यक्रम में जा रहे थे। छात्र संघ चुनाव में सपा को सफलता मिलने से भाजपा डर गई है। जिलाध्यक्ष ओंकारनाथ पटेल बोले कि सरकार अब गिरी हुई हरकतों पर उतर आई है। सपा जिला महासचिव इकबाल जावेद फ्लावर ने कहा कि सपा को रोकना अब भाजपा के वश की बात नहीं है युवजन सभा जिलाध्यक्ष राकेश यादव ने कहा कि सपा की बढ़ती लोकप्रियता से भाजपा घबराई है। जिला उपाध्यक्ष हाजी मोहम्मद निजामुल्लाह खान बोले कि मोदी के झूठ की कलई खुल गई है। सभा को गुरदास सरोज, नरसिंह पाल यादव, शानू खान, दिनेश प्रताप सिंह मोनू, काजी नूरूल हुदा, सैयद इंजीनियर मुशीर खान, रामकुमार यादव, आरके गुप्ता, महादेव प्रसाद साहू, संजय यादव आदि ने संबोधित किया। सपाइयों के आक्रोश को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात की गई।

कार्यकर्ताओं ने चौ. अजित सिंह का जन्मदिन मनाया

लखनऊ, । राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौ. अजित सिंह का 81वें जन्मदिन पर मंगलवार प्रदेश कार्यालय में कार्यकर्ताओं ने मिठाई खिलाकर एक दूसरे को बधाई दी। इसके साथ ही झलकारी बाई अस्पताल में भर्ती मरीजों के बीच फल, दूध, ब्रेड वितरित किया गया। प्रदेश अध्यक्ष डा. मसूद अहमद ने कहा कि किसानों और उनकी खेती को शिखर तक पहुंचाने की क्षमता चौ. अजित सिंह में है। उनके सत्ता में रहते हुए किसानों की अनदेखी नईं होने पाई है।

पुलिस की गाड़ी के हूटर की आवाज सुन कर नदी मे कूदे जुआंरी एक की मौत

लखनऊ, । गोमती नदी के किनारे बन्धे के पास जुआं खेल रहे आधा दर्जन जुआरियो ने मंगलवार की शाम उस समय नदी मे छलांग लगा दी जब जुआ खेल रहे लोगो ने बन्धे से गुजर रहे दो सिपाहियो को देखा। पकड़े जाने के डर से नदी मे छलाग लगाने वाले लोगो मे से एक व्यक्ति ऐसा था जिसे तैरना नही आता था वो पुलिस से बचने के लिए नदी मे तो कूद गया लेकिन मौत की नदी से अपने आपको नही बचा पाया। नदी मे डूब रहे व्यक्ति को देख कर नदी से बच कर दूसरी तरफ निकले लोगो ने शोर मचाया तो सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पहुँची ठाकुरगंज पुलिस ने गोता खोरो की मदद से नदी मे डूबे व्यक्ति को बाहर निकाल कर ट्रामा सेन्टर पहुँचाया जहा डाक्टरो ने उसे मृत घोषित कर दिया। इन्स्पेक्टर ठाकुरगंज अन्जनी पाडेण्य का कहना है कि बन्धे के नीचे जुआ खेल रहे लोग डर कर भागे थे और नदी मे कूद गए। एएसपी पश्चिम विकास चन्द त्रिपाठी का कहना है कि जुआ खेल रहे लोगो ने पुलिस की गाड़ी के हूटर की आवाज सुन कर` नदी मे छलांग लगाई थी पूरे मामले की जॉच की जाएगी। जानकारी के अनुसार डीपी बोरा प्लाट मोहनी पुरवा हुसैनाबाद ठाकुरगंज मे अपनी पत्नी सामिया दो बेटे रजा और असद के साथ रहने वाला 30 वर्षीय शादाब ई रिक्शा चलाता था। शादाब के तीन भाई शब्बू, महताब और सरताज है। बताया जा रहा है कि शादाब मंगलवार की शाम गऊघाट के पास गोमती नदी के किनारे झाड़ियो के पास कुछ लोगो के साथ बैठ कर जुआ खेल रहा था तभी बन्धे के उपर से पुलिस की मोटर साईकिन हूटर बजाती हुई गुजरी । पुलिस की गाड़ी के हूटर की आवाज सुन कर जुआ खेल रहे लोगो मे हड़कम्प मच गया गिरफ्तारी के डर से जुआ खेल रहे लोग बेतहाशा भागे और गोमती नदी मे छलांग लगा दी। नदी मे कूदे कई लोग तो तैर कर पानी से बाहर निकल आए लेकिन शादाब तैरना नही जानता था गोमती नदी से निकले लोगो ने शोर मचाया तो मल्लाहो ने नदी मे छलांग लगाई लेकिन शादाब नही मिला । सूचना पुलिस को दी गई तो ठाकुरगंज इन्स्पेक्टर अन्जनी पाडेण्य मौके पर पहुँचे और गोता खोरो को लगा कर शादाब की तलाश शुरू करवाई। काफी मशक्कत के बाद गोता खोरो ने नदी मे डूबे शादाब को बाहर निकाला और पुलिस ने उसे ट्रामा सेन्टर पहुँचाया जहां डाक्टरो ने शादाब को मृत घोषित कर दिया। इन्स्पेक्टर अन्जनी पाडेण्य का कहना है कि पुलिस किसी को पकड़ने के इरादे से वहां नही गई थी उन्होने बताया कि बन्धे के उपर से गुजरे दो सिपाहियो को जुआ खेल रहे लोगो ने देख कर गिरफ्तारी के डर से खुद ही नदी मे छलांग लगाई थी । एएसपी विकास चन्द त्रिपाठी का कहना है कि पुलिस किसी सूचना पर वहा नही गई थी डियूटी के दौरान पुलिस बन्धे के उपर से हूटर बजाती हुई गुजरी तो जुआरियो मे भय उत्पन्न हो गया उन्होने कहा कि मामले की जॉच की जाएगी। स्थानीय लोगो का आरोप है कि पुलिस ने जुआ खेल रहे लोगो को दौड़ाया था पुलिस से बच कर भाग रहा शादाब नदी मे गिर गया जिससे उसकी मौत हो गई। स्थानीय लोगो का कहना था कि शादाब की मौत के बाद उसके परिवार के भरण पोष्ण मे कठनाई आएगी सरकार को शादाब के परिवार को मुआवजा देना चाहिए।

डम्पर स्कूटी की टक्कर मे तीन छात्राएं घायल एक की हालत नाजुक

लखनऊ, । नियम के विरूध एक स्कूटी पर बिना हेल्मेट तेज रफ्तार से ट्रिपलिंग कर रही ला कालेज की तीन छात्राओ की स्कूटी को पारा के रिंग रोड पर एक तेज रफ्तार डम्पर ने टक्कर मार दी। डम्पर से टकराई तीन युवतियो मे से एक युवती गम्भीर रूप से घायल हो गई जबकि दो युवतियो को हल्की चोटे आई है। हादसे मे गम्भीर रूप से घायल हुई एक युवती का एक हाथ परूी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। युवती को पुलिस ने ट्रामा सेन्टर मे भर्ती कराया है। हादसे के बाद डम्पर का चालक डम्पर मौके पर छोड़ कर फरार हो गया । पुलिस ने डम्पर को अपने कब्जे मे ले लिया है। जानकारी अनुसार आलमनगर तालकटोरा के रहने वाले महफूज अली की 23 वर्षीय बेटी ऐमन फरीद राजाजी पुरम तालकटोरा के रहने वाले सतेन्द्र सिंह की 22 वर्षीय बेटी रितू सिंह और तुलसी पुरम तालकटोरा के रहने वाले बाबूराम की 22 वर्षीय बेटी रिचिका दुबग्गा के पास एक ला कालेज की छात्राएं है तीनो छात्राए आज एक स्कूटी पर सवार होकर कालेज से अपने घर लौट रही थी तभी पारा थाना क्षेत्र अन्तर्गत रिंग रोड पर बुद्धेश्वर चौराहे और दुबग्गा के बीच बने एमएम लान के पास एक तेज रफ्तार डम्पर से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कूटी पर सवार ऐमन फरीद का एक हाथ पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। हादसे के बाद डम्पर का चालक डम्पर छोड़ कर फरार हो गया।

डम्पर और स्कूटी की टक्कर मे तीन छात्राओ के घायल होने के बाद आसपास के लोग एकत्र हुए और सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पहुँची पारा पुलिस ने घायल युवतियो को अस्पताल पहुँचाया। इन्स्पेक्टर पारा का कहना है कि डम्पर और स्कूटी की टक्कर मे स्कूटी पर सवार ऐमन नाम की युवती का एक हाथ पूरी तरह से क्षति ग्रस्त हो गया उसे ट्रामा सेन्टर मे भर्ती कराया गया है। हादसे मे घायल दो युवतियो को कम चोटे आई है। प्रत्यक्ष दर्शियों का कहना था कि एक स्कूटी पर सवार तीन युवतियो की स्कूटी की रफ्तार बहोत ज्यादा था दोनो गाड़िया एक ही दिशा से आ रही थी स्कूटी की गति ज्यादा होने और एक स्कूटी पर तीन सवारियो के सवार होने की वजह से स्कूटी चला रही छात्रा ने स्कूटी से अपना नियन्त्रण खो दिया और स्कूटर डम्पर की जद मे आ गई। दर्दनाक हादसे की खबर सुन कर तीनो छात्राओ के परिजन भी अस्पताल पहुँचे। हादसे के बाद पुलिस ने डम्पर को अपने कब्जे मे ले लिया है पुलिस अब डम्पर के चालक की तलाश कर रही है। स्कूटी चलाने वाली युवतियो को इस हादसे से सबक लेने की जरूरत है स्कूटी चलाने वाली युवतियो को चाहिए कि वो अपनी स्कूटी को तय मानको के तहत बति मे चलाए क्षमता से ज्यादा सवारी न बैठे और स्कूटी चलाते समय हेलमेट जरूर लगाए । नियम कायदे कानून जनता की सुरक्षा के लिए बनाए गए है नियम को तोड़ कर हादसे का शिकार होने से बेहतर है कि हमस ब नियमो का पालन करे और सुरक्षित सुखद यात्रा का आनन्द उठाए।

शिक्षक के घर का ताला तोड़ कर चोरी

लखनऊ, । जानकीपुरम में चोरों ने शिक्षक के घर का ताला तोड़ कर लाखों रुपए के जेवर व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। वहीं, इन्दिरानगर में शादी समारोह में शामिल होकर लौटे परिवार ने ताले टूटे देख पुलिस को चोरी की सूचना दी। जानकीपुरम सेक्टर–दो निवासी शैलेश गुप्ता शिक्षक हैं। सोमवार की रात वह परिवार के साथ आलमबाग गए थे। देर रात वह वापस लौटे तो मेनगेट का ताला टूटा मिला। उनके मुताबिक चोर बाउंड्रीवॉल फांद कर मकान में घुसे थे। शैलेश ने बताया कि चोरों ने अलमारी के लॉकर खोल कर उसमें रखे चार लाख रुपए के जेवर व 42 हजार रुपए चोरी किए है। वारदात की सूचना मिलने पर जानकीपुरम पुलिस मौके पर पहुंची। छानबीन के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली। वहीं, शैलेश ने आरोप लगाया कि कई बार कहने के बाद भी डॉग स्क्वॉड को पड़ताल के लिए नहीं बुलाया गया। वहीं, तकरोही निवासी निशान्त पाण्डेय परिवार संग रहते हैं।

कुछ दिन पहले वह परिवार संग शादी में शामिल होने के लिए मेघालय गए थे। शादी में शामिल होकर निशान्त वापस लौटे तो घर के ताले टूटे मिले। उनके मुताबिक लाखों रुपए के जेवर चोरी हुए है। इसके अलावा इन्दिरनगर सेक्टर–12 निवासी राजेश कुमार पाण्डेय वैवाहिक समारोह के लिए गोण्डा गए थे। इसी बीच चोरों ने 40 हजार रुपए की नकदी व जेवर पर हाथ साफ कर दिया। सोमवार को वापस लौटने पर उन्होंने चोरी की सूचना इन्दिरानगर पुलिस को दी।

हरियाणा को रोमांचक मुकाबले में मात देकर दिल्ली फाइनल में

लखनऊ, । पिछली उपविजेता दिल्ली ने 35वीं राष्ट्रीय सब जूनियर बालिका हैण्डबॉल चौंपियनशिप में आज खेले गए पहले सेमीफाइनल में हरियाणा को मात्र एक गोल (16–15) से पराजित कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं मेजबान यूपी की टीम क्वार्टर फाइनल में घरेलू मैदान और स्थानीय दर्शकों के भारी समर्थन के बावजूद पिछली चौंपियन साई से 17 के मुकाबले 29 गोलों से हारकर बाहर हो गई। अब बुधवार को दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में साई की टीम हिमाचल प्रदेश से खेलकर आगे का रास्ता तय करेगी। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में आज हुए एक समारोह में हैण्डबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष डा.प्रदीप बालामुची ने एशियन चौंपियनशिप और एशियन गेम्स में भारतीय हैण्डबॉल टीम का प्रतिनिधित्व करने वाली उत्तर प्रदेश की खिलाड़ियों इंदु गुप्ता, सृष्टि अग्रवाल, ज्योति शुक्ला, सुप्रिया जायसवाल, मंजुला पाठक, शिवा सिंह, स्वर्णिमा जायसवाल, तेजस्विनी सिंह और राहुल दुबे आदि प्रत्येक खिलाड़ी को स्मृति चिन्ह और 5100 रूपए नगद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर हैण्डबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव आनन्देश्वर पाण्डेय के अलावा जितेंद्र सिंह बब्लू, विनय सिंह व अन्य मौजूद थे। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में ही मंगलवार को सायंकालीन सत्र में साई बनाम उत्तर प्रदेश के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में यूपी की लड़कियां शुरूआत में कुछ संघर्ष करती दिखी लेकिन साई की लड़कियों ने दबदबा बनाते हुए आसान जीत दर्ज की। मध्यांतर तक साई की टीम यूपी से मात्र 6 गोलों की (17–7) ही बढ़त हासिल कर सकी थी लेकिन दूसरे हॉफ में अपनी पूरी पकड़ और दबदबा कायम रखते हुए मैच को एकतरफा बनाते हुए 29–17 से आसान जीत के साथ एक बार फिर खिताब बचाने की होड़ में पहुंच गयी। साई के लिए तनु ने सर्वाधिक 12 गोलों का योगदान किया जबकि पूजा और आरती ने छह–छह और किरनज्योत ने तीन गोल दागे।

कार्यकर्ता के घर से योगी ने की मेरा परिवार भाजपा परिवार अभियान की शुरुआत

लखनऊ, । बीजेपी नेता अभिषेक बाल्मीकि के घर पहुंच कर सीएम ने मंगलवार को मेरा परिवार भाजपा परिवार अभियान की शुरुआत की। मोहन मिकिन्स इरादत नगर स्थित अभिषेक के घर सीएम ने बीजेपी का झंडा लगाया। स्टीकर चिपकाया। परिवार के साथ बैठकर चाय पी। बच्चों से उनकी पढ़ाई लिखाई के बारे में पूछा। सीएम को अपने पास पाकर परिवार के लोग खुशी से फूले नहीं समा रहे थे। अभिषेक के घर में मंगलवार को उत्सव जैसा माहौल था। बच्चे से लेकर बड़े, महिलाएं सभी ने नए कपड़े पहन रखे थे। सुबह से ही लोग तैयारियों में जुटे थे। सीएम से मिलने के लिए पूरा परिवार आतुर था। करीब 12.15 बजे जब मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अभिषेक बाल्मीकि व राम नरेंद्र दीवान के घर पहुंचे तो लोगों ने जिंदाबाद के नारे के साथ मुख्यमंत्री का स्वागत किया। सीएम सीधे घर के अंदर चले गए। वहां परिवार के लोगों के बीच बैठ गए। परिवार के सदस्यों के बारे में उन्होंने पूछना शुरू किया। राम नरेंद्र की पत्नी निर्मला देवी, बच्चे स्वेता, सोनम, देवेंद्र, करण दीवान, चंदन तथा ऋषि वाल्मीकि सहित सभी से मुख्यमंत्री मिले। उनके साथ फोटो भी खिंचवाई। मुख्यमंत्री ने मिठाई खाई तथा चाय भी पी। इसके बाद वह मकान की पहली मंजिल पर गए। वहां बीजेपी का झंडा लगाया। नीचे उतर कर आए। बाहर दरवाजे के पास मेरा परिवार भाजपा परिवार का स्टीकर लगाया। इसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की फोटो लगी हुई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने परिवार के सबसे छोटे बच्चे सक्षम को अपने पास बुलाया। 4 वर्ष का सक्षम मुख्यमंत्री के बगल में जाकर खड़ा हो गया।

मुख्यमंत्री ने बड़े प्यार से उसके कंधे पर हाथ रखा और दुलारा। फिर उन्होंने सक्षम से पूछा कि स्कूल पढ़ने जाते हो। मुख्यमंत्री ने पूछा कि कहां पढ़ते हो। इसके बाद उन्होंने उसकी क्लास पूछी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बीजेपी नेता अभिषेक वाल्मीकि के पिता व परिवार के मुखिया राम नरेंद्र दीवान से पूछा कि वह कब से भाजपा में हैं। दीवान ने बताया कि वह 30 सालों से बीजेपी से जुड़े हैं। उन्होंने सीएम को बताया कि उनके बड़े भाई राम प्रसाद बाल्मीकि जनसंघ के समय से जुड़े थे। राम नरेंद्र ने बताया कि उन्होंने मुख्यमंत्री से सफाई कर्मचारियों की समस्याओं के बारे में बात की। ठेकेदारी प्रथा खत्म कर सफाई कर्मचारियों को स्थाई नौकरी देने की मांग की। मुख्यमंत्री ने उन्हें इस संबंध में नगर विकास मंत्री से बात कर जल्दी ही कोई फैसला लेने की बात कही है।

सही प्रतिपूर्ति आर.टी.ई. एक्ट के अनुसार न मिलने की दशा में निजी स्कूल नहीं लेंगे आर.टी.ई. में दाखिला

लखनऊ, । अनएडेड प्राइवेट स्कूल्स एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने बताया कि बीएसए कार्यालय ने 260 स्कूलों को शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 के तहत 450–रूपये प्रति माह देने का निर्णय लिया है जो कि आर.टी.ई. अधिनियम 2009 की धारा 12(2) एवं सुप्रीम कोर्ट के 12 अप्रैल 2012 के निर्णय के खिलाफ है एवं देश के कानून का खुला उल्लंघन है। अनिल अग्रवाल ने बताया कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 12(2) एवं सुप्रीम कोर्ट के 12 अप्रैल 2012 के निर्णय में साफ तौर पर वर्णित है कि सरकारी स्कूलों में प्रति छात्र व्यय एवं निजी स्कूलों की प्रति छात्र फीस में जो भी धनराशि कम होगी, उसी धनराशि का भुगतान शिक्षा विभाग निजी स्कूलों को प्रतिपूर्ति के रूप में देगा, अन्यथा यह सुप्रीम कोर्ट के 12 अप्रैल 2012 के निर्णय के अनुसार संविधान के अनुछेद 19(जी) के अंतर्गत निजी स्कूलों के मौलिक अधिकारों का हनन होगा । अनिल अग्रवाल ने बताया कि उत्तर प्रदेश शिक्षा के अधिकार नियमावली 2011 में सरकारी स्कूलों में प्रति छात्र व्यय की गणना का फार्मूला भी दिया गया है। जिसके अनुसार शासन को हर वर्ष 30 सितम्बर को सरकारी स्कूलों में हो रहे प्रति–छात्र व्यय को घोषित करना होता है। लेकिन यह आश्चर्य की बात है कि आज तक शिक्षा विभाग ने पिछले 6 वर्षों में किसी भी वर्ष की 30 सितम्बर (1) 30 सितम्बर 2013, (2) 30 सितम्बर 2014, (3) 30 सितम्बर 2015, (4) 30 सितम्बर 2016, 30 सितम्बर 2017 तथा (6) 30 सितम्बर 2018 को सरकारी स्कूलों में हो रहे प्रति छात्र व्यय को घोषित ही नहीं किया जबकि निजी स्कूल हर वर्ष अपने प्रॉस्प्रेक्टस में अपनी फीस का ब्योरा छपवाते हैं एवं उसी आधार पर स्कूल अपने यहां दाखिला लेते हैं। लेकिन जब तक शासन सरकारी स्कूलों में हो रहे प्रति–छात्र व्यय को घोषित नहीं करेगा, तब तक यह निर्णय कैसे होगा की निजी स्कूलों की फीस एवं सरकारी स्कूलों के प्रति–छात्र व्यय में से कौन सी धनराशि कम है? जिससे की उस धनराशि का भुगतान निजी स्कूलों को प्रतिपूर्ति के रूप में शिक्षा विभाग द्वारा किया जा सके? किन्तु यह समझ में नहीं आ रहा है कि शासन द्वारा शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 की किस धारा के अंतर्गत 450– रूपये प्रतिमाह की प्रतिपूर्ति, वर्ष 2013 के लिए निर्धारित की थी। तथा उसके उपरान्त शासन ने किसी भी वर्ष के लिए प्रतिपूर्ति की घोषणा ही नही की है।अनिल अग्रवाल ने बताया कि बेसिक शिक्षा विभाग के अधिकारी मौखिक रूप से पिछले 6 वर्षों से आश्वासन देते रहें हैं कि इस वर्ष आप वर्तमान प्रतिपूर्ति धनराशि प्रति बच्चा प्रतिमाह 450– रूपये स्वीकार कर लीजिए एवं प्रतिपूर्ति की बकाया धनराशि शिक्षा विभाग अधिनियम की धारा 12(2) के अनुसार निर्धारित करके अगले वर्ष में निजी स्कूलों को पूरी पुरानी बकाया धनराशि दे देगा। और आगे से आर.टी.ई. एक्ट की धारा 12(2) के अनुसार ही प्रतिपूर्ति की धनराशि का भुगतान करेगा। किन्तु अभी तक पिछले 6 वर्षों कि बकाया धनराशि का भुगतान अधिनियम की धारा 12(2) के अनुसार नहीं हुआ है। इस वर्ष निजी स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों के कोरे आश्वासन पर दाखिला नहीं देंगे। जब तक कि पिछले 6 वर्षों की पूरी बकाया धनराशि का भुगतान अधिनियम की धारा 12(2) के अनुसार नहीं हो जाता।

कुल 90 युवक–युवतियों को रोजगार के लिए चुना गया

लखनऊ, । क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय में सोमवारक को आयोजित रोजगार मेला में कुल 90 युवक–युवतियों को रोजगार के लिए चुना गया। सहायक निदेशक (सेवायोजन) सुधा पांडे ने बताया कि नोयड स्थित सैमसंग इंडिया इलेक्ट्रानिक्स प्राइवेट लिमिटेड ने अप्रेंटिस के लिए विभिन्न ट्रेड से आईटीआई उत्तीर्ण 36 युवक–युवतियो का चयन किया है। जिला सेवायोजन अधिकारी और मेला प्रभारी प्रीति चन्द्रा ने बताया कि मेले में कुल 165 युवक–युवतियां आए थे। सैमसंग कम्पनी ने शाम तक सभी को नियुक्त पत्र भी जारी कर दिए हैं। इसके अलावा दि इंडिया थर्मिट कम्पनी लि. ने साइट इंचार्ज व वेल्डर पद के लिए कुल 54 युवक–युवतियों को चुना है। उन्होंने बताया कि मेला शातिपूर्वक सम्पन्न हुआ।

गैस सिलेण्डर में लगी आग,मचा हड़कम्प,

लखनऊ, । कृष्णानगर के कृष्णापल्ली में दरोगा बनवारी लाल के घर गैस रिसाव से सिलेण्डर में आग लग गई। कुछ ही देर में लपटें तेज हो गई। पड़ोसियों ने सिलेण्डर पर बालू और कम्बल की मदद से आग बुझा ली। इसी बीच दमकल पहुंची और पानी की बौछार से सिलेण्डर को ठण्डा कर दिया। सब–इंस्पेक्टर बनवारी लाल अयोध्या में तैनात है। वह पत्नी चंदावती, बेटी सूर्या और सास रहते हैं। सोमवार सुबह चंदावती रसोइघर में पानी गर्म कर रही थी। इसी बीच गैस रिसाव से रेग्युलेटर में आग लग गई। उनके शोर मचाने पर पड़ोसी जुट गए और बाग बुझा ली।

तालाब में बुजुर्ग का शव उतराता मिला

लखनऊ, । परेहटा गांव में रविवार रात से लापता बाबादीन (50)का शव सोमवार को गांव के तालाब में उतराता मिला। परिवारीजनों की जानकारी पर पुलिस ने शव को बाहर निकाला। इस मामले में परिवारीजनों ने कोई तहरीर नहीं दी है। एसओ अजय प्रकाश त्रिपाठी के मुताबिक बाबादीन परिवार के साथ परेहटा गांव में रहते थे। रविवार शाम को वह शौच के लिए घर से निकले थे। लेकिन काफी देर तक वह नहीं लौटे। इस पर परिवारीजनों ने उनकी तलाश शुरू कर दी। सुबह उनका शव तालाब में उतराता मिला। पड़ताल के बाद पुलिस ने बताया कि बाबादीन शराब के लती थी। रात में वह नशे की हालत में घर से निकले थे। फिलहाल, पुलिस मामले की पड़ताल कर रही है।

जलनिगम को शासकीय विभाग बनाए जाने की मांग

लखनऊ, । उप्र जलनिगम समन्वय समिति के आह्वान पर सातवें वेतनमान समेत अन्य मांगों को लेकर जलनिगम कर्मियों ने सोमवार से निगम मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन क्रमिक धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। धरने के पहले दिन वाईएन उपाध्याय, राम अचल सिंह, दयाराम मौर्य, सतीश कुमार तिवारी, प्रदीप कुमार तिवारी, चेतन जायसवाल, मंजीत वर्मा, शकेब अहमद, मो. शम्स व महंत सिंह धरने पर बैठे। इस मौके पर हुई ध्यानाकर्षण सभा हुई। जिसमें जलनिगम कर्मियों को सातवां वेतनमान दिए जाने व उप्र जलनिगम को पूर्व की भांति शासकीय विभाग बनाए जाने की मांग की गई। इसके साथ ही शासकीय विभाग बनाए जाने की प्रक्रिया तक कर्मियों का वेतन व पेंशन ट्रेजरी से दिए जाने और एक जनवरी 2006 से 11 मार्च 2010 तक छठवें वेतनमान का अवशेष प्रदान करने जैसी मांगों को तत्काल पूरा करने की भी मांग रखी गई। प्रवक्ता इंजीनियर केके पटेल ने बताया कि आज लखनऊ क्षेत्र के सीतापुर, लखीमपुर, हरदोई, रायबरेली, उन्नाव और लखनऊ के कर्मी भारी संख्या में शामिल हुए। उन्होंने बताया कि क्रमिक धरना मांगों के पूरा होने तक जारी रहेगा।

देश भर से उलमाओं का समर्थन पीस पार्टी को मिल रहा : डॉ मोहम्मद अय्यूब

लखनऊ, । पीस पार्टी की ओर से चारबाग स्थित रविंद्रालय में उलमा कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इसमें प्रदेश से आए कार्यकर्ताओं और उलमा ने लोकसभा चुनाव की तैयारी को लेकर अपनी बात रखी। पीस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ मोहम्मद अय्यूब ने कहा कि अब वक्त आ गया कि मुसलमान एकजुट होकर अपनी आवाज बुलंद करें। उन्होंने कहा कि देश भर से उलमाओं का समर्थन उनकी पार्टी को मिल रहा है। डॉ मोहम्मद अय्यूब ने कहा कि इस्लाम धर्म का मूलमंत्र कलमा और तौहीद है। इसे सभी मुसलमान मनाते हैं। देश भर में मुसलमानों की समस्याएं भी एक ही जैसी है। चाहे वह समस्याएं आस्थ, विश्वास और सांस्कृति की हो। उन्होंने जब समस्याएं एक है तो फिर मुसलमानों को एक होकर अपनी आवाज उठाना होगी। उलमा कांफ्रेंस में मुफ्ती हारून ने कहा कि मुसलमानों के अंदरूनी मामले चाहे व निकाह हो या फिर तलाक अब इस पर दूसरी कौमें उनको सलाह दे रही है। उन्होंने कहा कि ऐसे ही हालात रहे तो मुसलमानों का वजूद खतरे में पड़ जाएगा। इसके लिए मुसलमान खुद ही जिम्मेदार होगा। जलसे और कांफ्रेंस का समय बीत चुका है। इसलिए अब मुसलमानों को एकजुट होकर सामने आना होगा। जब मुसलमानों की समस्याएं एक है तो उनकी राय भी एक ही होना चाहिए। इससे पहले जलसे को महासचिव अफरोज बादल समेत अन्य उलमा ने खिताब किया। जलसे की शुरूआत तिलावत कुरान ए पाक से हुई। कार्यक्रम में दूर दराज से आए कार्यकर्ताओं से सवाल जवाब का सेशन भी आयोजित किया गया।

बैलेट पेपर पर उम्मीदवारों की फोटो लगाई जानी चाहिए

लखनऊ, । राजनीतिक पार्टियों के घोषणा पत्र जनता द्वारा जारी किए जाएं। तभी भारत की चुनाव प्रणाली व संविधान प्रभावशाली बनाया जा सकता है। राजनैतिक पार्टियां व स्वतंत्र उम्मीदवार उसी के अनुसार चुनाव लड़ें। पार्टियों को व्हिप जारी करने का अधिकार न हो। जीता हुआ उम्मीदवार पार्टी के प्रति नहीं बल्कि जनता के प्रति जिम्मेदार हो। यह विचार अलग दुनिया की ओर से दारुलशफा में आयोजित विचार गोष्ठी 'तय करो किस ओर हो तुम में वक्ताओं ने व्यक्त किए। लोकतंत्र मुक्ति मोर्चा के संयोजक प्रताप चंद्रा ने कहा कि उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह नहीं मिलना चाहिए। बल्कि बैलेट पेपर पर उम्मीदवारों की फोटो लगाई जानी चाहिए। बड़ी– बड़ी पार्टियों ने अपने चुनाव चिन्हों को व्यापार का माध्यम बना रखा है। दिल्ली से आए लोकेश 'मास्टर जी ने कहा कि उम्मीदवारों को चुनाव आयोग से मांग करनी चाहिए कि उन्हें चुनाव चिन्ह के रूप में उनका फोटो मिलना चहिए। अलग दुनिया के उपाध्यक्ष पदम चन्द्र गुप्ता ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों की तानाशाही के कारण भी हमारा संविधान आज तक ठीक से प्रभावशाली नहीं हो सका है।

यूपी की लड़कियों की चुनौती क्वार्टर फाइनल में पहुंची

लखनऊ, । मेजबान उत्तर प्रदेश सहित पिछली विजेता साई और उपविजेता दिल्ली के अलावा गुजरात, हरियाणा, पंजाब, महाराष्ट्र और हिमाचल प्रदेश की टीमें 35वीं राष्ट्रीय सब जूनियर बालिका हैण्डबॉल चौंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने में कामयाब रहीं। क्वार्टर फाइनल में उत्तर प्रदेश का मुकाबला साई से होगा। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में चल रही चौंपियनशिप में आज लीग मुकाबलों की समाप्ति के बाद बिहार की मधु और असम की प्रीति तेलंगा ने अपनी–अपनी टीम के लिए सर्वाधिक 16–16 गोल किए। अन्य शीर्ष स्कोरर सुखप्रीत कौर (पंजाब–15 गोल), मीरा कृष्णा (केरल–14 गोल) और निक्की (यूपी–14 गोल) रही। इन शीर्ष स्कोरर को आज के मैचों के अतिथि डा.प्रदीप बालामुची (वरिष्ठ उपाध्यक्ष, हैण्डबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया) ने पुरस्कार वितरित किए। उनका स्वागत आनन्देश्वर पाण्डेय (महासचिव हैण्डबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया) ने किया। इस अवसर पर टीपी हवेलिया और जितेंद्र सिंह बब्लू भी मौजूद थे। चौंपियनशिप के तीसरे दिन सोमवार को उत्तर प्रदेश की लड़कियों को भले ही आज दो मैच खेलने पड़े लेकिन दोनों ही मैचों में शानदार जीत के साथ उत्तर प्रदेश दावेदारी में अपने को बनाए हुए है। आज लीग के अंतिम मुकाबले में उत्तर प्रदेश ने छत्तीसगढ़ को 19–7 गोलों से हराते हुए अपने ग्रुप एच में शीर्ष पर रहते हुए पहले जहां प्री क्वार्टर फाइनल में कदम रखा। वही प्री क्वार्टर फाइनल में यूपी ने चंडीगढ़ को 10 के मुकाबले 18 गोलों से पराजित कर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बनाई। निक्की और आराधना के पांच–पांच, कनीज फातिमा, मुस्कान, काजल और अर्पिता पाल के दो–दो गोलों की सहायता से यूपी ने चंडीगढ़ को आसानी से पराजित कर दिया। मध्यांतर तक यूपी 10–4 गोलों से आगे थी। इससे पहले लीग मुकाबलो में छत्तीसगढ़ के खिलाफ यूपी की जीत में मुस्कान चौहान ने चार गोल और ए.पाल, मुस्कान और आराधना ने तीन–तीन गोल कर अपनी टीम को जीत दिलाई।

आज प्री क्वार्टर फाइनल के सभी मुकाबले न केवल एकतरफा ही निकले बल्कि हरियाणा बनाम मध्य प्रदेश के मैच को छोड़कर कम स्कोर वाले मैच साबित हुए। इन प्री क्वार्टर फाइनल में पिछली विजेता साई ने चौंपियनों की तरह खेलते हुए राजस्थान को 14–6 गोलों से पराजित कर अगले दौर में प्रवेश किया। मध्यांतर तक साई की टीम 7–3 की बढ़त हासिल कर चुकी थी। साई के लिए आरतीने सर्वाधिक पांच गोल दागे जबकि तनु और पूजा ने तीन–तीन गोल किए। राजस्थान से आरती ने तीन और वर्षा ने दो गोल किए।

हरियाणा बनाम मध्य प्रदेश के मैच में हरियाणा ने प्रियंका के सात, मोनिका के छह, गौरव के चार और मुस्कान के तीन गोलों की सहायता से मध्य प्रदेश को 24–3 गोलों के भारी अंतर से विजयी बनाने में कामयाबी हासिल की। पिछली उपविजेता दिल्ली ने आंध्र प्रदेश को अंततः 13–10 गोलों से हराने में सफल रही लेकिन मध्यांतर तक वह आंध्र प्रदेश से दो गोलों से (6–8) से पिछड़ी हुई थी। दिल्ली की विजय की सूत्रधार खुशबू (5), अंजली और हर्षिता (2–2) रही। प्री क्वार्टर फाइनल के अन्य मुकाबलों में हिमाचल प्रदेश ने उत्तराखंड को 18–2 से, महाराष्ट्र ने बिहार को 11–9 से, गुजरात ने मुंबई हैण्डबॉल अकादमी को 9–2 से और पंजाब ने केरल को 10–4 गोलों से हराया। कल उत्तर प्रदेश बनाम साई का क्वार्टर फाइनल मैच शाम तीन बजे खेला जाएगा जबकि अन्य क्वार्टर फाइनल मुकाबले सुबह के सत्र में होंगे।

पं.दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर राज्यपाल ने की पुष्पांजलि

लखनऊ, । भारतीय जनता पार्टी लखनऊ महानगर द्वारा पं. दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर पं.दीनदयाल स्मृतिका केकेसी के पास चारबाग में पुष्पांजलि कार्यक्रम रखा गया जिसमें प्रमुख रूप से राज्यपाल राम नाईक पहुंचकर पं.दीनदयाल की मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की उनके साथ महानगर अध्यक्ष मुकेश शर्मा एवं उ.प्र. सरकार के मंत्री डा. महेन्द्र सिंह ने भी पुष्पाजंलि अर्पित की। राज्यपाल राम नाईक ने पं. दीनदयाल उपाध्याय की स्मृतियों को ताजा करते हुये कहा कि पंडित जी की विचार धारा समाज के अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति के स्तर को ऊपर उठाकर उसे बराबरी पर लाना था। आज केन्द्र और प्रदेश की सरकार उन्ही की विचार धारा को ध्यान में रखकर नीचे पायदान पर बैठे व्यक्तियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के प्रयास कर रही है।

अपना दल की ''न्याय रैली'' में उमड़ा जनसैलाब

लखनऊ, । आज आईटीआई मैदान, प्रतापगढ़ में आयोजित अपना दल की '' न्याय रैली'' में प्रदेश के हजारों किसानों ने अपना दल के साथ मिलकर बीजेपी सत्ता को चुनौती दी। इस ''न्याय रैली'' में शिवपाल सिंह यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रसपा, पंकज निरंजन, प्रो0 गंगाराम यादव, प्रेमचन्द्र मौर्य, राष्ट्रीय महासचिव अपना दल, एवं अपना दल की प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती पल्लवी पटेल जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। ''न्याय रैली'' की अध्यक्षता अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पटेल जी ने की और संचालन युवामंच के प्रदेश अध्यक्ष गगन प्रकाश यादव ने किया।

न्याय रैली में पधारे बतौर अतिथि प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव जी ने कहा कि आलू का किसान आज सरकार की खराब नीतियों के कारण बेबस और लाचार है सरकार चाहे तो इन नीतियों में तब्दीली करके किसानों को बेहतर दाम दिला सकती है मगर बीजेपी ने ऐसा नहीं किया। शिक्षामित्रों के साथ बीजेपी ने सबसे बड़ा धोखा किया है इन बीजेपी के बेईमानों ने एक आदेश में उनके सपनों को तोड़ दिया, वो बोले थे अच्छे दिन आएँगे क्या अच्छे दिन आये? नोटबन्दी ने देश की कमर तोड़ दी है। प्रधानमंत्री विदेश तो बहुत घूमते हैं लेकिन देश को भूल जाते हैं।

इस न्याय रैली में अपना दल प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती पल्लवी पटेल जी ने देश के युवा बेरोजगारों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी लड़ाई बेरोजगारी के खिलाफ है, क्योंकि ये बेरोजगारी आदमी से उसके सम्मान से जीने का अधिकार भी छीन लेती है जब रोजगार मिल जाएगा तो हमें संम्मान से जीने का अधिकार भी मिल जाएगा। देश में वर्तमान समय में लगभग 18 करोड़ से अधिक युवा बेरोजगार है जो अभी भी रोजगार की तलाश में भटक रहे हैं और अपने भविष्य को अंधेरे में तलाश रहे हैं, रोजगार की बेबसी का आलम ये है कि लगभग 40 करोड़ से अधिक लोग भारत में लगभग 5500 रुपये प्रतिमाह की नौकरी करने को मजबूर हैं ऐसे में सोचिये कि वो क्या खाएंगे और अपने बच्चों को क्या पढ़ाएंगे? तो इसलिए अपना दल की मूल लड़ाई है कि हमें बेरोजगारी के खिलाफ लड़ना है और बहुत जल्द ही अपना दल ''युवा चेतना यात्रा'' लेकर उत्तर प्रदेश के गाँव–गांव में जायेगा और ये बताएगा कि कैसे केन्द्र सरकार और प्रदेश सरकारों ने युवाओं के साथ धोखा किया, दलितों के साथ धोखा किया किसानों के साथ किया और हमारी उन्नति और तरक्की के अवसरों को बेंच दिया विदेशी कम्पनियों के हाथों में और हम इसी धोखे का न्याय चाहते हैं। इस ''न्याय रैली'' की अध्यक्षता कर रही अपना दल की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पटेल ने कार्यकर्ताओं का हौसला अफजाई करते हुए कहा कि हमारी आबादी गांव में रहती है खेतिहर है यहां हमारी ग्रामीण शिक्षा व्यवस्था हमारे गांव की स्वास्थ्य की सुविधाओं पर कोई गंभीर और ठोस काम नहीं दिखता हैं लेकिन हाँ, बड़े फ्लाईओवर बनाने का अरबों खरबों रुपयों का बजट पास हुआ, बड़ी सड़कें बनाने की योजनाएं बनी ऐसे फ्लाईओवर और सड़कें हम गरीबों और किसानों के किस काम की और उस पर चलने का भी किराया हमें देना पड़ता है और अब फिर चुनाव का समय आ गया है कुछ महीनों में देश में आम चुनाव घोषित होंगें। देश अपने लिए नई सरकार और नया प्रधानमंत्री चुनेगा और इसको लेकर तरह तरह के बंधन गठबंधन हो रहे हैं। पहले भी हुए लेकिन सवाल गठबंधन का नहीं है सवाल हम कमेरों का हम वंचितों का है हमारी जिंदगी की कठिनाईयों से निजात पाने का है ये कौन लोग हैं जो वोटों के गणित में उलझा देना चाहते हैं हमारी माँगों को लेकर हमें बहुत सतर्क रहने की जरूरत है उन लोगों से जिन लोगों का इतिहास पिछड़ों किसानों के दमन से भरा पड़ा है जो लोग कुख्यात रहे हैं दलितों और पिछड़ों के नाम पर जातीय वर्चस्व कायम करने के लिए हमें ऐसे लोगों से बहुत सतर्क रहने की जरूरत है हमारे लिए किसी की हार किसी की जीत का कोई मोल नहीं है हमारे लिए कीमत है इस बात की कि हमारी मांगें कौन सी सरकार पूरी करेगी। और ध्यान रखना कि जो भी आपकी मूल जरूरतों से अलग आपसे बात करें समझ जाइये वो आपको भटका रहे हैं। और शिवपाल जी आज इस मंच पर आए मुझे यहां समर्थन देने में उनकी आभारी हूँ। ये न्याय रैली है इसमें सबको न्याय मिलेगा। इस न्याय रैली में सर्वश्री आनन्द हीराराम पटेल, चौधरी देवी सिंह, आर0बी0 सिंह पटेल, बाबा रामाधार सिंह पटेल, विक्की मौर्य, अशोक पटेल रैली प्रभारी, उदल राजभर, राजवन सिंह पटेल, महेन्द्र मास्टर, दिलीप पटेल, आनन्द श्रीवास्तव, डा0 सी0एल0 पटेल, बांकेलाल पटेल और मंण्डल एवं जिलाध्यक्षों सहित आदि लोगों ने अपने विचार व्यक्त किये।

कांग्रेस पार्टी ने जगह– जगह एलईडी स्क्रीन लगवाई

लखनऊ, । कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और ज्योतिरादित्य सिंधिया के रोड शो की झलक हर आदमी तक पहुंचाने के लिए कांग्रेस पार्टी ने जगह– जगह एलईडी स्क्रीन लगवाई। रोड शो में शामिल न हो पाने वाले कई लोगों ने स्क्रीन पर ही रोड शो देखा। हजरतगंज स्थित मल्टीलेवल पार्किंग के सामने, नूर मंजिल रोड और केकेसी समेत तमाम जगहों पर लगी एलईडी स्क्रीन पर बड़ी संख्या में लोगों ने अपने पसंदीदा नेता को देखकर खुशी का इजहार किया। इस दौरान बीच– बीच में चह रहे देश भक्ति गीतों ने कार्यकर्ताओं में जोश भर दिया।

अक्षयपात्र योजना समाजवादी सरकार ने शुरू की थी उसे भगवा रंग देना अनैतिकता : अखिलेश

लखनऊ, । समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि विडम्बना है कि देश को आजाद हुए सत्तर वर्ष हो गए हैं लेकिन आज भी देश के अन्नदाता किसान और देश के भविष्य नौजवान की समस्याओं के स्थायी समाधान का कोई रास्ता प्रशस्त नहीं हो सका है। कृषि अर्थव्यवस्था और अवस्थापना क्षेत्र के विकास के लिएकोई सुनियोजित व्यवस्था नहीं बन सकी है। सामाजिक न्याय की दिशा में ठोस प्रयास नहीं हो रहे हैं। स्वतंत्रता आंदोलन के जिन मूल्यों के साथ हमने भारत के संविधान को आत्मार्पित किया था उनको भुलायें जाने की साजिश की जा रही है। समाजवादी पार्टी की मान्यता है कि नीति के साथ नीयत भी साफ होनी चाहिए। जनहित की जो तमाम योजनाएं समाजवादी सरकार में लागू की गई थीं उनमें भेदभाव की दृष्टि नहीं थी। नीयत दुःखी के आंसू पोंछने और अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं उपलब्ध कराने की थी। समाजवादी सरकार की नीतियां बेसहारा का सहारा बनने और बेजुबान की आवाज बनने की थी। समाजवादी पार्टी–बहुजन समाज पार्टी का गठबंधन इसलिए बना है कि वह राजनीति को रचनात्मक और विकास परक दिशा दे सकें। आज जहर घोलने वाले मनमानी कर रहे हैं। इन पर बंदिश लगना चाहिए। भारत ने गतवर्षों में राजनीति को कुछ निहित स्वार्थो का बंधक बनते हुए पाया है। अवसरवादिता को विस्तार मिला है। केन्द्र और राज्य में भाजपा सरकारों ने अब तक एक ही बात सीखी है कि समाजवादी पार्टी के कार्यों पर अपना ठप्पा लगाकर उसका श्रेय ले लो।

अक्षयपात्र योजना समाजवादी सरकार ने शुरू की थी उसे भगवा रंग देना अनैतिकता की हद है। कुम्भ की जो व्यवस्था समाजवादी सरकार में हुई थी उसकी प्रशंसा विदेशों तक में हुई थी। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के शोधार्थी उसका अध्ययन करने आए थे। भाजपा सरकार द्वारा उसके बारे में तथ्यहीन और अपने कार्यकाल का अतिरंजित विवरण देना स्वस्थ परम्परा नहीं है। अब इन जनविरोधी और लोकशाही को कुंठित करने वाली प्रवृत्तियों के प्रतिरोध की जरूरत है। वैसे भी जीत अंततः जनता की ही होती है उसकी आशा–आकांक्षाओं से जो खिलवाड़ करेगा, जनता उसे माफ नहीं करेगी। भाजपा को सत्ता से बेदखल करना भारत के हित में सर्वोपरि है।

भाजपा महिला मोर्चा की कमल शक्ति अभियान शुरू

लखनऊ, । भाजपा की महिलाएं क्षेत्रवार द्वार–द्वार जाकर केंद्र और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दें। देश की तरक्की के लिए नारी का अभूतपूर्व योगदान रहा है। महिला कार्यकर्ता किट्टी पार्टी व परिवार का हिस्सा बनकर महिला शक्ति को जन प्रचार से आगे बढ़ाये। सोमवार को यें बातें भारतीय जनता महिला मोर्चा (कैंट विधानसभा)के महिला कमल शक्ति अभियान में बतौर मुख्य अतिथि परिवार कल्याण व पर्यटन मंत्री डॉ. रीता बहुगुणा जोशी ने कहीं। विशिष्ट अतिथि संयुक्ता भाटिया उपस्थित थीं। आलमबाग के नवयुग पब्लिक स्कूल सभागार में हुए कार्यक्रम में श्री जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में शौचालय, उज्ज्वला, सौभाग्य, जननी,आयुष्मान योजना, आवास, विधवा– पेंशन जैसी सर्वाधिक योजनाओ की सौगात महिलाओ को दी है। जल्द ही शहर में जलनिकासी की समस्या से निपटने के लिएसीवर प्लांट की योजना का शिलान्यास गृहमंत्री करेंगे।

झलकारीबाई में प्रसूता की मौत, परिजनों का हंगामा

लखनऊ, । झलकारी बाई महिला अस्पताल में इलाज के इंतजार में दर्द से तड़पती प्रसूता ने सोमवार को दम तोड़ दिया। तीमारदार इस बात से और नाराज हो गए, जब उन लोगों को कर्मचारियों, गार्डों ने धक्का मारकर अस्पताल परिसर से बाहर निकाल दिया। मरीज की मौत के बाद अभद्रता से तीमारदार उग्र हो गए। इस पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए तीमारदारों ने खूब हंगामा किया। बाद में पहुंची पुलिस ने तीमारदारों को शांत कराया। तीमारदारों ने कानूनी प्रक्रिया अपनाने की बात कही है। रायबरेली के बछरावां निवासी आकाश ने पत्नी रजनी चौरसिया (23) को आठ फरवरी को हजरतगंज स्थित झलकारी बाई अस्पताल में प्रसव पीड़ा होने पर भर्ती कराया था। आकाश के मुताबिक रविवार को ऑपरेशन से गर्भवती ने एक स्वस्थ बच्ची को जन्म दिया। प्रसूता की हालत भी ठीक थी। सोमवार सुबह अचानक प्रसूता की हालत बिगड़ने लगी। आकाश का आरोप है कि रजनी की तबियत बिगड़ने पर तुरंत ही नर्स से बताकर डॉक्टर को बुलावाने को कहा। आरोप है कि आधे घंटे तक डॉक्टर और नर्स कोई भी नहीं पहुंचा। प्रसूता से दर्द से तड़पती रही। सांस लेने में तकलीफ के साथ उल्टी भी हुई। बाद में डॉक्टर पहुंची तो उन्होंने बताया कि मरीज की दिल की धड़कन बंद हो चुकी है। इस पर तीमारदार गुस्सा करने लगे। मरीज की मौत के बाद नर्स, डॉक्टर पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए तीमारदार शोर–शराबा करने लगे। इस पर वहां मौजूद कर्मचारियों, गार्डों ने तीमारदारों को धक्का देकर अस्पताल परिसर के मुख्य गेट से बाहर कर दिया। इस दुर्रव्यवहार से तीमारदार काफी आक्रोशित हो गए। सड़क पर ही उन्होंने हंगामा शुरू कर दिया। मुख्य गेट के अंदर जाने को लेकर गार्डों से धक्का–मुक्की भी की।

समर्पण दिवस के रूप मर मना पंडित दीनदयाल उपाध्याय का बलिदान दिवस

लखनऊ, । आज भारतीय जनता पार्टी जिलाध्य रामनिवास यादव ने बताया कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय के बलिदान दिवस के दिन 11 फरवरी से भारतीय जनता पार्टी समर्पण दिवस के रूप मर मना रही है। यह समर्पण दिवस 11 फरवरी से 15 फरवरी तक हर बूथ पर आयोजित होंगे जिसमें भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता 5 रूपय से लेकर अपनी क्षमता अनुरूप अंशदान करेंगे। लखनऊ जिले में कार्यक्रम की शुरुआत विधानसभा मलिहाबाद के डाक बंगला में सोमवार को गुजरात राज्य के पूर्व गृह राज्य मंत्री व उत्तर प्रदेश लोकसभा सर प्रभारी गोवर्धन झाड़पिया ने शुरुआत की उनके साथ मोहनलालगंज के सांसद कौशल किशोर व जिला अध्यक्ष रामनिवास यादव सहित विधानसभा मलिहाबाद व जिले के वरिष्ठ कार्यकर्ता पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत जिला अध्यक्ष रामनिवास यादव ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा पंडित दीनदयाल उपाध्याय का जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति की भलाई व उनके उत्थान के संघर्ष में व्यतीत हुआ । उनका दर्शन अंत्योदय है जिसमें समाज के हर वर्ग के पिछड़े और गरीब व्यक्ति का विकास है उनके बलिदान दिवस के दिन 11 फरवरी से समर्पण दिवस कार्यक्रम की शुरुआत की जा रही है। यह कार्यक्रम 15 फरवरी तक 5 दिन तक चलेगा जो हर बूथ पर आयोजित किया जाएगा ।

उन्होंने कहा कि आगामी कार्यक्रम भी पार्टी वृहद स्तर पर मनाएगी। मुख्य अतिथि गोवर्धन झड़पिया ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि इतिहास में कुछ महापुरुष आते हैं जो कुछ विचार दे जाते हैं जिनमें पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी का जीवन हमारे लिए आदर्श है। श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी ने एक राष्ट्र के लिए अपना जीवन कश्मीर में बलिदान कर दिया। सरकार ने जो योजनाएं दी है उसके पीछे पंडित दीनदयाल जी का दर्शन ही है। सभी को बिना भेदभाव के सारी योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है । भारतीय जनता पार्टी व उसके पूर्वजों ने जो समाज के अंतिम व्यक्ति के विकास व उसके उत्थान का सपना देखा था वह आज पूरा हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी से पहले जनसंघ को 11 लोगों ने बनाया था आज उस पार्टी के 11 करोड़ से अधिक सदस्य हो गए हैं। आज उत्तरपूर्वी भारत नागालैंड, त्रिपुरा,असम में भी भाजपा की सरकार है। आज मलिहाबाद के इस प्रांगण में जो समर्पण कार्यक्रम की शुरुआत की जा रही है वह कोई धन एकत्रित करने का नहीं है बल्कि राष्ट्र के विकास में हम सभी लोगों का अंशदान है। नरेंद्र मोदी जी ने जो योजनाएं बनाई हैं वह गरीबों के दर्द से निकली हैं। भारतीय जनता पार्टी व उसके लोग गरीबों का दर्द समझते हैं वर्तमान समय में भारत बदल रहा है मोदी जी के नेतृत्व में देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है। तीन दशक तक इस देश में अस्थिरता का दौर चला है जिसके बाद मोदी जी की सरकार आई है। उन्होंने कहा कि आजाद भारत में सभी जातियों को जोड़ना होगा तभी राष्ट्र सुंदर दिखेगा। मोदी जी ने जो गरीबों के कल्याण की योजनाएं चलाई हैं गरीबों को जो दे रहे हैं वह कोई उन पर एहसान नहीं कर रहे बल्कि यह उन गरीब व समाज में पिछड़े लोगों का अधिकार है। जिसे कांग्रेस ने पूरा नहीं किया मोदी जी पूरा कर रहे हैं। देश में 132 करोड़ की जनता के 264 करोड़ हाथ भारत की तस्वीर बदलने का काम कर रहे हैं। इससे पहले मोहनलालगंज के सांसद कौशल किशोर ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार अंत्योदय पर काम कर रही है 17 रुपए किलो गेहूं खरीद कर दो रुपए किलो गरीबों को दे रही है। बिजली, शौचालय, आवास, सड़कें सहित कई योजनाएं गरीबों को दी जा रही है उन्होंने कहा कि सपा, बसपा गठबंधन जरूर कर रही है लेकिन सरकार द्वारा लाभ प्राप्त गरीब लोग नारा दे रहे हैं अबकी बार फिर मोदी सरकार। जिससे इनकी नींद उड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि सपा बसपा का सांसद चुनाव के बाद कांग्रेस के हाथों बिकेगा यह लोग कांग्रेस को मजबूत करेंगे राहुल गांधी को मजबूत करेंगे। मोदी जी जो गरीबों की कल्याण की योजनाएं चला रहे हैं कांग्रेस के आने से वह बंद हो सकती हैं। उन्होंने कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर, पंडित दीनदयाल उपाध्याय,लोहिया जी के विचारों पर चल कर सिर्फ भारतीय जनता पार्टी की सरकार मोदी जी के नेतृत्व में गरीबों के कल्याण कारी काम कर रही है। इससे पहले क्षेत्रीय मंत्री श्री कृष्ण लोधी पूर्व चेयरमैन सुशील कुमार पूर्व सांसद पूर्णिमा वर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से मिथिलेश यादव, विधानसभा प्रभारी राजेंद्र सिंह राजू, संयोजक मूलचंद यादव, सैयद खलील अहमद,आदित्य अवस्थी, निर्मल गुप्ता, जिला मीडिया प्रभारी अरविंद यादव, जिला मंत्री हंसराज लोधी, जिला सह मीडिया प्रभारी विजय मौर्य, मंडल अध्यक्ष मलिहाबाद अरविंद शर्मा, मंडल अध्यक्ष काकोरी रविराज लोधी, अंजना त्रिपाठी,ज्योति श्रीवास्तव, धीरेंद्र मौर्य धीरू, जानकी प्रसाद विमल, शिव शरण सिंह, शिव हरि द्विवेदी, विपिन राजपूत, विनय निगम, ब्लाक प्रमुख काकोरी कुंवर राम विलास सहित सैकड़ों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे

सम्पादकीय

कला पर न लगे अनावश्यक प्रतिबंध

नामचीन अभिनेता, निर्देशक तथा निर्माता अमोल पालेकर एक मृदुभाषी वक्ता हैं, पर वे एक दमदार बात रख सकते हैं. पिछले सप्ताह वे मुंबई के नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट में स्वर्गीय कलाकार प्रभाकर बर्वे की एक अरसे के दौरान विकासशील कलाकृतियों की प्रदर्शनी में अतिथि वक्ता के रूप में आमंत्रित थे. पालेकर ने इस मौके पर केंद्र सरकार के संस्कृति मंत्रालय के तौर–तरीकों के विरुद्ध अपनी असहजता को अभिव्यक्त किया. उन्होंने कोई भी क्रांतिकारी बात नहीं कही, फिर भी उनके बोलने के दौरान व्यवधान डाले गये, उन्हें चुनौतियां दी गयीं और उन्हें बोलने नहीं दिया गया. उसके बाद जो विवाद पैदा हुआ, उससे निश्चित रूप से इस प्रदर्शनी को एक बड़ी सफलता मिलेगी, क्योंकि अगले सप्ताह या उसके बाद भी और अधिक दर्शक इस गैलरी में आयेंगे.

पर उसी परिमाण में इसे लेकर ये चिंताएं भी मुखर होंगी कि किस तरह वैसी जगहों पर भी विरोध की आवाजें दबा दी जाती हैं और मतभेद मार दिये जाते हैं, जहां दरअसल उन्हें न सिर्फ कला के लिए, बल्कि आवाजों की विविधता तथा अभिव्यक्ति की विधाओं के लिए भी जीवनपोषक रक्त तथा प्रेरणास्रोत होना चाहिए था. क्योंकि, यह प्रदर्शनी वस्तुतः इन्हीं मूल्यों का जश्न मना रही है और पालेकर की आवाज दबाते वक्त इन मूल्यों की हत्या के प्रयास किये गये. इसलिए पालेकर ने जब आयोजकों से इस पर विचार करने को कहा कि जिस कलाकार को लेकर यह प्रदर्शनी आयोजित है, उसने चुप कराने की इस कार्रवाई को लेकर क्या सोचा होता, तो वे बिल्कुल सही थे.पालेकर ने ऐसा क्या कहा, जो इस कदर उत्तेजित करनेवाला था? वीडियो रिकॉर्डिंग एवं रिपोर्टों के अनुसार उनकी बातें इस प्रकार थीं– 'आपमें से बहुतों को यह नहीं पता होगा कि यह प्रदर्शनी स्थानीय कलाकारों की सलाहकार समिति द्वारा– न कि किसी ऐसे नौकरशाह अथवा सरकारी एजेंट द्वारा जो नैतिक 'पुलिसिंग' अथवा किसी खास वैचारिक झुकाव के अनुरूप कला को बढ़ावा देने के एजेंडे पर चलता हो– निर्णीत अंतिम शो होगा.' पालेकर उस रिपोर्ट का संदर्भ ले रहे थे, जिसके अनुसार स्थानीय कलाकारों की सलाहकार समिति भंग कर दी गयी थी और आगे कैसी कलाकृतियां प्रदर्शित की जायें, इसका निर्णय सरकारी बाबुओं के द्वारा ही होनेवाला था. पालेकर से कहा गया कि वे विषयवस्तु तक ही सीमित रहें और उस कलाकार के विषय में ही बोलें, जिसकी कलाकृतियां प्रदर्शित हैं. यह विवाद जिस प्रदर्शनी में पैदा हुआ, उसका नाम 'इनसाइड दि एम्प्टी बॉक्स' है और यह प्रभाकर बर्वे की पहली प्रदर्शनी है, जिसका आयोजन नेशनल गैलरी ऑफ मॉडर्न आर्ट, मुंबई, ने 'बोधना आर्ट्स एंड रिसर्च फाउंडेशन' नामक एक संगठन के सहयोग से किया था. जैसा संस्कृति मंत्रालय ने इस अवसर पर स्वयं उल्लिखित किया– 'वर्ष 1995 में अपनी असामयिक मृत्यु के पश्चात प्रभाकर बर्वे आज भी अपनी खुद की शैली के साथ एक अनोखे कलाकार हैं और इस परियोजना का उद्देश्य इस कलाकार की कलाकृतियों तथा उनकी डायरी के अनकहे नोटों की एक शृंखला के माध्यम से उनके मस्तिष्क को पढ़ने का प्रयास करना है. इस प्रदर्शनी का नाम 1990 के दशक में इस कलाकार द्वारा सृजित कला शृंखला से लिया गया है, जिसमें बॉक्स का दोहरा अर्थ है. एक तो उसका शाब्दिक अर्थ है, जिसके अनुसार यह एक ऐसी जगह है, जिसमें अभिलेख, यादें एवं अहम चीजें बरसों तक अनछुई पड़ी रहती हैं. दूसरी ओर, यह बॉक्स एक तरह से इस कलाकार का मस्तिष्क भी है.' और यह एक विडंबना ही है कि इसका जश्न मनाते वक्त ही कलाकारों के इस समुदाय के एक सदस्य की आवाज दबा देने की कोशिशें की गयीं.

मामले का दिलचस्प पहलू यह है कि अपने भाषण के दौरान पालेकर ने यह भी कहा कि 'मैं वास्तविक स्थिति से अवगत नहीं हूं और केवल यह सुना है कि स्थानीय कमेटियां भंग करते हुए नियंत्रण संस्कृति मंत्रालय के बाबुओं के हाथों जा रहा है.' उन्होंने सिर्फ एक चिंता प्रकट की, फिर भी अपनी आलोचनाओं के प्रति हमारा तंत्र इतना संवेदनशील है कि उसने इसे एक ऐसी बात मान ली, जिसकी अनुमति नहीं दी जानी चाहिए. हमें यह नहीं मालूम कि ऐसा किये जाने का निर्देश मंत्रालय के किसी व्यक्ति ने दिया– संभवतः इसने ऐसा उन कई तरीकों में से किसी एक का इस्तेमाल करते हुए किया होगा, जिनमें वह अपने संकेत भेज सकता है कि क्या वांछनीय है और क्या नहीं. मुद्दे की बात यह है कि यह प्रवृत्ति कला एवं अभिव्यक्ति की हत्या कर देगी. एक जमाना वह भी था, जब उभरते कलाकार किसी सार्वजनिक स्थल पर घंटों बैठ अपने आसपास की दृश्यावलियां कैनवास पर समेटने की कोशिश करते दिख जाते थे. पर अब उन्हें भी सुरक्षा के नाम पर वहां से चले जाने को कहा जाता है. कला पर ऐसे अनावश्यक प्रतिबंध हमें कुछ ऐसी चीजों से वंचित कर देंगे, जो अत्यंत समृद्ध और उत्साहजनक होता है. ये एक उभरते कलाकार को हतोत्साहित कर सकते हैं, जो प्रोत्साहन और आदर के साथ आनेवाले भविष्य के लिए एक सुरक्षा बोध से संपन्न हो निखार पाता है. अभिव्यक्ति पर प्रतिबंध उस अवकाश को छीन लेते हैं, जो कला को विकसित होने की जगह मुहैया करता है.

बोल कि लब आजाद हैं तेरे..

ससर्वोच्च न्यायालय के आंकड़े 1 दिसम्बर 2018 तक और उच्च न्यायालय के आंकड़े 30 जनवरी 2019 तक के हैं

अदब की बगिया में यूं तो किस्म–किस्म के फूल खिले हैं, लेकिन इनमें फैज अहमद फैज का मुकाम जुदा है। एक पूरा दौर गुजर गया लेकिन फैज की शायरी आज भी भारतीय उपमहाद्वीप के करोड़ों लोगों के दिलोदिमाग पर छाई हुई है। अविभाजित भारत के सियालकोट जिले के गांव कालाकादिर में 13 फरवरी, 1911 को जन्मे फैज अहमद फैज को अदबी रुझान विरासत में मिला था। आपके वालिद सुल्तान मोहम्मद खान की अदब में गहरी दिलचस्पी थी। जाहिर है, परिवार के अदबी माहौल का फैज पर भी गहरा असर पड़ा। वे बचपन से ही शायरी करने लगे। तालीम पूरी होने के बाद उनने 1935 में एमएओ कॉलेज, अमृतसर में अंग्रेजी के लेक्चरार हो गए। नौकरी के दौरान उनकी मुलाकात महमूदज्जफर, डॉ. रशीद जहां और डॉ. मोहम्मद दीन तासीर से हुई। यह वह दौर था, जब भारत में अंग्रेजी साम्राज्य के खिलाफ आजादी का आंदोलन चरम पर था। ऐसे ही हंगामाखेज माहौल में सज्जाद जहीर और उनके चंद दोस्तों ने 1936 में प्रगतिशील लेखक संघ की स्थापना की। इसके पहले अधिवेशन के अध्यक्ष कथाकार–उपन्यासकार मुंशी प्रेमचंद चुने गए। प्रगतिशील लेखक संघ से जुड़ने के बाद फैज की शायरी की अंतर्वस्तु का कैनवस व्यापक होता चला गया। प्यार–मोहब्बत की रुमानियत से निकल कर फैज हकीकतनिगारी पर जोर देने लगे। इसके बाद ही उनकी मशहूर गजल सामने आई–''और भी दुख हैं, जमाने में मुहब्बत के सिवाध्शहतें और भी हैं, वस्ल की राहत के सिवाध्मुझसे पहली सी मुहब्बत, मेरी महबूब न मांग।' फैज की शायरी में यह प्रगतिशील, जनवादी चेतना आखिर तक कायम रही। मुल्क में आजादी की जद्दोजहद चल रही थी कि दूसरी आलमी जंग शुरू हो गई। जर्मनी ने रूस पर हमला कर दिया। लगा कि अब इंग्लैंड भी नहीं बचेगा। भारत में फासिज्म की हुकूमत हो जाएगी। लिहाजा फासिज्म को हराने के ख्याल से फैज लेक्चरारी छोड़कर फौज में कप्तान हो गए। बाद में तरक्की पाकर कर्नल के ओहदे तक पहुंचे।आखिरकार, लाखों लोगों की कुर्बानियों के बाद साल 1947 में भारत को आजादी हासिल हुई। पर यह आजादी हमें बंटवारे के रूप में मिली। मुल्क दो हिस्सों में बंट गया। बंटवारे से पहले हुई सांप्रदायिक हिंसा ने पूरे मुल्क को झुलसा के रख दिया। रक्तरंजित और जलते हुए शहरों को देखते हुए फैज ने ''सुबहे–आजादी' शीर्षक से एक नज्म लिखी। इसमें बंटवारे का दर्द जिस तरह से नुमायां हुआ है, वैसा उर्दू अदब में दूसरी जगह मिलना बमुश्किल है–''ये दाग दाग उजाला, ये शब गजीदा सहरध्वो इंतिजार था जिसका, ये वो सहर तो नहींध्ये वो सहर तो नहीं, जिसकी आरजू लेकरध्चले थे यार कि मिल जाएगी, कहीं न कहीं।' बहरहाल, बंटवारे के बाद फैज पाकिस्तान चले गए। वहां ''पाकिस्तान टाइम्स', ''इमरोज' और ''लैलो निहार' के संपादक के रूप में काम किया। पाकिस्तान में भी फैज का संघर्ष खत्म नहीं हुआ। वे सरकारों की गलत नीतियों की लगातार मुखालफत करते रहे। इसके चलते उन्हें कई बार जेल भी हुई। कारावास में एक वक्त ऐसा भी आया जब जेल प्रशासन ने उन्हें परिवार–दोस्तों से मिलवाना तो दूर उनसे कागज–कलम तक छीन लिये। फैज ने ऐसे ही हालात में लिखा–''मताए लौहो कलम छिन गई, तो क्या गम हैधिक खूने दिल में डुबो ली हैं उंगलियां मैंनेध्जबां पे मुहर लगी है, तो क्या कि रख दी हैध्हर एक हल्का–ए–जंजीर में जबां मैंने।' तुर्की के महान कवि नाजिम हिकमत की तरह उन्होंने भी कारावास और देश निकाला जैसी यातनाएं भोगी। फैज की जिंदगी उतार–चढ़ाव और संघर्षो की दास्तान है। बावजूद इसके उन्होंने लिखना नहीं छोड़ा। फैज ने रेडियो नाटक भी लिखे। इनमें दो नाटक–''अजब सितमगर है' और ''अमन के फरिश्ते' काफी मकबूल हुए। उन्होंने ''जागो हुआ सबेरा' नाम से एक फिल्म भी बनाई जो लंदन के अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में पुरस्कृत हुई। 1962 में उन्हें ''लेनिन शांति सम्मान' से नवाजा गया। फैज पहले एशियाई शायर बने जिन्हें यह सम्मान बख्शा गया। उन्होंने अवाम के नागरिक अधिकारों के लिए, सैनिक तानाशाही के खिलाफ जमकर लिखा। ''लाजिम है कि हम देखेंगे', ''बोल के लब आजाद हैं तेरे', ''कटने भी चलो बढ़ते भी चलो' उनकी ऐसी ही कुछ इंकलाबी नज्में हैं। अपने जीवनकाल में ही फैज समय और मुल्क की सरहदें लांघकर एक अंतरराष्ट्रीय शायर के तौर पर मकबूल हो चुके थे। अफ्रीका के मुक्ति संघर्ष में उन्होंने जहां ''अफ्रीका कम बैक का' नारा दिया, वहीं बेरूत में नरसंहार के खिलाफ भी एक नज्म ''एक नगमा कर्बला–ए–बेरूत के लिए' शीर्षक से लिखी। फैज की शायरी आज भी दुनिया भर में चल रहे लोकतांत्रिक संघर्ष को आवाज देती है। एक मुकम्मल जिंदगी जीने के बाद फैज ने 20 नवम्बर, 1984 को इस दुनिया से रुखसती ली।

जब हम ''भारत के लोग' अपना नया स्वतंत्रता दिवस मना रहे हैं, बाबा नागार्जुन की एक प्रसिद्ध कविता का वह सवाल पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है, जिसमें पहले वे पूछतैहैं रू किसकी है जनवरी, किसका अगस्त है? बाबा अपने सवाल को कौन त्रस्त, कौन पस्त और कौन मस्त तक भी ले जाते हैं, तो लगता है कि उन्हें आज की तारीख में हमारे सामने उपस्थित विकट हालात का पहले से इल्म था।इन हालात की विडम्बना देखिए रू एक ओर तो अब हमारे नेता देश को समता, स्वतंत्रता और न्याय पर आधारित संपूर्ण प्रभुत्व–संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने का 26 नवम्बर, 1949 को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित संकल्प को संविधान की पोथियों में भी चौन से नहीं रहने देना चाहतेय और दूसरी ओर गैर–बराबरी का भस्मासुर न सिर्फ हमारी बल्कि दुनिया भर की जनतांत्रिक शक्तियों के सिर पर अपना हाथ रखकर उन्हें धमकाने पर आमादा है कि लोकतंत्र की अपनी परिकल्पनाओं को लेकर किसी मुगालते में न रहें। अमीरी का जाया यह असुर उनके सारे के सारे मूल्यों को तहस–नहस करने का मंसूबा लिए उन्मत्त होकर आगे बढ़ा आ रहा है, और आरजू या मिनती कुछ भी सुनने के मूड में नहीं है। अभी जब हम अपना पिछला गणतंत्र दिवस मनाने वाले थे, गरीबी उन्मूलन के लिए काम करने का दावा करने वाले ऑक्सफेम इंटरनेशनल ने एक सर्वेक्षण में बताया गया था कि आर्थिक विषमता की, जो सभी तरह की स्वतंत्रताओं और इंसाफों की साझा दुश्मन है, दुनिया भर में ऐसी पौ–बारह हो गई है कि पिछले साल बढ़ी 762 अरब डॉलर की संपत्ति का 82 फीसदी हिस्सा एक प्रतिशत धनकुबेरों के कब्जे में चला गया है, अधिसंख्य आबादी को जस की तस बदहाल रखते हुए। इस संपत्ति के रूप में धनकुबेरों ने गरीबी को सात बार सारी दुनिया से खत्म कर सकने का सार्मय इस एक साल में ही अपनी मुट्ठी में कर लिया तो क्या आश्चर्य कि गरीबों के लिए ''कर लो दुनिया मुट्ठी में' का अर्थ एक संचार सेवाप्रदाता कंपनी के झांसे का शिकार होना भर हो गया है। तिस पर अनर्थ यह कि 50 प्रतिशत अत्यंत गरीब आबादी को आर्थिक वृद्धि में कतई कोई हिस्सा नहीं मिल पाया है, जबकि अरबपतियों की संख्या बढ़कर 2,043 हो गई है। इनमें 90 फीसदी पुरु ष हैं यानी यह आर्थिक ही नहीं लैंगिक असमानता का भी मामला है, पितृसत्ता के नये सिरे से मजबूत होने का भी। बताने की जरूरत नहीं कि यह अनर्थ भूमंडलीकरण की वर्चस्ववादी नीतियों से पोषित अर्थ नीति का अदना–सा ''करिश्मा' है, और यह गरीबों के ही नहीं, बढ़ते धनकुबेरों के प्रतिद्वंद्वियों के लिए भी हादसे से कम नहीं है क्योंकि इन कुबेरों ने यह बढ़त कठिन परिश्रम और नवाचार से नहीं, बल्कि संरक्षण, एकाधिकार, विरासत और सरकारों के साथ साठगांठ के बूते कर चोरी, श्रमिकों के अधिकारों के हनन और ऑटोमेशन की राह चलकर स्पर्धा का बेहद अनैतिक माहौल बनाकर पाई है। निश्चित ही यह इस अर्थनी ति की निष्फलता का द्योतक है क्योंकि इन कुबेरों द्वारा संपत्ति में ढाल ली गई पूंजी अंततरू अर्थ तंत्र से बाहर होकर पूरी तरह अनुत्पादक हो जानी है, और उसे इस तय से कोई फर्क नहीं पड़ना कि कई अरब गरीब आबादी बेहद खतरनाक परिस्थितियों में भी ज्यादा देर तक काम करने और अधिकारों के बिना गुजर–बसर करने को मजबूर है। अपने देश की बात करें तो यहां 2017 में उत्पन्न कुल संपत्ति का 73 प्रतिशत हिस्सा ही एक प्रतिशत सबसे अमीरों के नाम रहा है। यह विश्वव्यापी औसत 82 से कम है, लेकिन देश की जिस अर्थव्यवस्था के अभी हाल तक ''दुनिया की सबसे तेज बढ़ती अर्थव्यवस्था' होने का दावा किया जाता रहा है, उसमें अमीरों द्वारा सब–कुछ अपने कब्जे में करते जाने की रफ्तार इतनी तेज हो गई है कि 2016 में 58 प्रतिशत संपत्ति के स्वामी एक प्रतिशत अमीरों के कब्जे में अब 73 प्रतिशत संपत्ति है यानी 2017 में उनकी कुल संपत्ति में 20.7 लाख करोड़ की बढ़ोतरी हुई, जो उसके पिछले साल 4.89 लाख करोड़ रु पये ही थी। चूंकि हमने बेरोकटोक भूमंडलीकरण को सिर–माथे लेकर अनेकानेक विदेशी कंपनियों को देश में कमाया मुनाफा देश से बाहर ले जाने की छूट भी दे रखी है, इसलिए विदेशी अरबपतियों को खरबपति बनाने में भी हमारा कुछ कम योगदान नहीं है। ऐसे में यह समझने के लिए अर्थशास्त्र की बारीकियों में बहुत गहरे पैठने की जरूरत नहीं कि यह अमीरी ज्यादा से ज्यादा लोगों को आर्थिक विकास का फायदा देकर यानी ''सबका साथ, सबका विकास' के नारे को सदाशयता से जमीन पर उतारकर संभव ही नहीं थी। इसलिए विकास के सारे लाभों को लगातार कुछ ही लोगों तक सीमित रखकर हासिल की गई है। तथाकथित आर्थिक सुधारों के उस मानवीय चेहरे पर अमानवीयतापूर्वक तेजाब डालकर, जिसकी चर्चा 24 जुलाई, 1991 को देश में भूमंडलीकरण की नीतियों का आगाज करते हुए उसके सबसे बड़े पैरोकार तत्कालीन वित्त मंत्री मनमोहन सिंह ने की थी। गैर–बराबरी के ये आंकड़े हमारे लिए इस लिहाज से ज्यादा चिंतनीय हैं कि ये हमारे दुनिया का सबसे ''महान' जनतंत्र होने के दावे की कनपटी पर किसी करारे थप्पड़ से कम नहीं हैं। इसलिए और भी कि जहां कई अन्य छोटे–बड़े देशों ने भूमंडलीकरण के अनर्थो को पहचानना और उनसे निपटने के प्रतिरक्षात्मक उपाय करना शुरू कर दिया है, हमारे सत्ताधीश कतई किसी पुनर्विचार को राजी नहीं हैं। उन्हें इस सवाल से कतई कोई उलझन नहीं होती कि अगर इस जनतंत्र के सात दशकों का सबसे बड़ा हासिल यह एक प्रतिशत की अमीरी ही है, तो बाकी निन्यानवे प्रतिशत के लिए इसके मायने क्या हैं?बड़े–बड़े परिवर्तनों के दावे करके आई नरेन्द्र मोदी सरकार को भी अपने चार सालों में इस अनर्थ नीति को बदलना गंवारा नहीं है। भले ही यह नीति कम से कम इस अर्थ में तो भारत के संविधान की घोर विरोधी है कि यह किसी भी स्तर पर उसके समता के मूल्य की प्रतिष्ठा नहीं करती और उसके संकल्पों के उलट आर्थिक ही नहीं, प्राकृतिक संसाधनों के भी अंधाधुंध संकेंदण्रपर जोर देती है। यह सरकार इस सीधे सवाल का सामना भी नहीं करती कि किसी एक व्यक्ति के अमीर बनाने के लिए कितनी बड़ी जनसंख्या को गरीबी के हवाले करना पड़ता है, और क्यों हमें ''हृदयहीन' पूंजी को ब्रह्म और ''श्रम के शोषक' मुनाफे को मोक्ष मानकर ''सहृदय' मनुष्य को संसाधन की तरह संचालित करने वाली अर्थव्यवस्था के लिए अनंतकाल तक अपनी सारी लोकतांत्रिक–सामाजिक नैतिकताओं, गुणों और मूल्यों की बलि देते रहना चाहिए? एक ओर इन सवालों के जवाब नहीं आ रहे और दूसरी ओर इन्हें पूछने वाले हकलाने लग गए हैं, तो साफ है कि हमारे लोकतंत्र में जनतांत्रिक विचारों की कमी खतरनाक स्तर तक जा पहुंची है। यह कमी ऐसे वक्त में कोढ़ में खाज से कम नहीं है कि गरीबों को और गरीब और अमीरों को और अमीर बनाने वाली आर्थिक नीति के करिश्मे अब किसी एक देश तक सीमित नहीं हैं। वे सारे लाभों को अमीर देशों के लिए सुरक्षित कर उन्हें और अमीर जबकि गरीब देशों को और गरीब बना रही हैं। एक प्रतिशत लोगों की अमीरी की यह उड़ान हमें कितनी महंगी पड़ने वाली है, जानना हो तो बताइए कि गरीबों के लिए इस गैरबराबरी से उबरने की कल्पना भी दुष्कर हो जाएगी तो वे क्या करेंगे?

रेपो रेट कटौती से आर्थिक गतिविधि में तेजी की संभावना

भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में आयोजित तीन दिवसीय समीक्षा बैठक के बाद 7 फरवरी को नीतिगत ब्याज दरों में कटौती का फैसला किया। ब्याज दरों में कटौती से आर्थिक गतिविधियों में तेजी आयेगी तथा होम लोन भी सस्ता होगा। समिति ने रेपो रेट को 6.50 प्रतिशत से घटाकर 6.25 प्रतिशत, रिवर्स–रेपो रेट को घटाकर 6.00 प्रतिशत तथा बैंक रेट को 6.50 प्रतिशत करने का निर्णय लिया। समिति ने नीतिगत ब्याज दरों में कटौती का निर्णय मुद्रा स्फीति दर तथा खुदरा महंगाई दरों में गिरावट के कारण लिया। इस परिप्रेक्ष्य में समिति ने नीतिगत रुख कोरू नपी–तुली कठोरतारू से बदलकर तटस्थ कर दिया है। समिति के 6 सदस्यों में से रिजर्व बैंक के डिप्टी गर्वनर विरल आचार्य तथा अर्थशास्त्री प्रो. चेतन घाटे नीतिगत ब्याज दरों की कटौती के पक्ष में नहीं थे। समिति ने बैंकों का नकदी आरक्षित निधि अनुपात यथावत रखा है। रिजर्व बैंक से बैंकों को सस्ती फंडिंग होने के कारण इसका अनुकूल असर बैंक लोन पर पड़ेगा।

वैसे तो अर्थव्यवस्था की मजबूती एवं आर्थिक अभिवृद्धि दर जीडीपी में वृद्धि हेतु रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति तथा वित्त विभाग की राजकोषीय नीति में तालमेल होना चाहिए, किन्तु रिजर्व बैंक ने सदैव ही उपभोक्ता के हित में मुद्रा स्फीति को नियंत्रित रखने को प्राथमिकता दी है। रिजर्व बैंक 4. 0 प्रतिशत वार्षिक मुद्रा स्फीति दर से नीचे नहीं गिरने देने पर सदैव निगाह रखता है। चूंकि स्फीति दर नीची बनी हुई है तथा उपभोक्ता मूल्य सूचकांक पर आधारित खुदरा महंगाई दर 2.40 प्रतिशत से नीची

बनी हुई है जो दिसंबर 2018 में पिछले 18 महीनों के निम्नतम स्तर 2.19 प्रतिशत तक गिर गई थी इसलिए मौद्रिक नीति समिति ने रेपो रेट में कटौती का निर्णय लिया। जनवरी–मार्च तिमाही में स्फीति दर 2.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मौद्रिक नीति समिति का आकलन है कि वित्तीय वर्ष 2019–20 की अप्रैल–सितंबर छरू माही में मुद्रा स्फीति दर 3.2 से 3. 4 प्रतिशत रहेगी किन्तु अक्टूबर–दिसंबर तिमाही में बढ़कर 3.9 प्रतिशत हो सकती है। इस प्रकार 2019–20 वित्तीय वर्ष में मुद्रा स्फीति के नियंत्रण में रहने की संभावना है। ब्याज दरों में कटौती से औद्योगिक और व्यवसायिक गतिविधियों में तेजी आएगी और आर्थिक अभिवृद्धि दर में बढ़ोतरी होगी, इसके साथ–साथ ही होम लोन भी सस्ता होगा। होम लोन सस्ता होने से ईएमआई या होम लोन के भुगतान की अवधि में कटौती का फायदा मिलेगा। ब्याज दरों मे कटौती के निर्णय का भारतीय उद्योग परिसंघ सीआईआई, फिक्की, ऐसोचौम एवं अन्य सभी व्यापारिक संगठनों ने स्वागत किया है। प्रभारी वित्तमंत्री पीयूष गोयल और वित्त सचिव ने भी इस कदम का स्वागत किया है। रिजर्व बैंक के अनुसार अनुमानित आर्थिक अभिवृद्धि दर अर्थात जीडीपी ग्रोथ रेट जो वित्तीय वर्ष 2018–19 में 7.2 प्रतिशत रही थी उसके वर्ष 2019–20 में बढ़कर 7.4 प्रतिशत हो जाने की संभावना है। रिजर्व बेंक के अनुसार वर्ष 2019–20 की अप्रैल–सितंबर छरूमाही में आर्थिक अभिवृद्धि दर 7.2 से 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है जिसके अक्टूबर–दिसंबर 2019 तिमाही में बढ़कर 7.5 प्रतिशत हो जाने का अनुमान है। रिजर्व बैंक के अनुसार केन्द्रीय आम बजट विकासोन्मुखी है इससे आम जनता की खर्च योग्य आमदनी बढ़ेगी जिससे मांग को बढ़ावा मिलेगा फलस्वरूप व्यवसायिक और औद्योगिक गतिविधियों में तेजी आएगी। मौद्रिक नीति समिति ने एक बार में थोक जमा को 1 करोड़ रुपए से संशोधित करके 2.0 करोड़ रुपए कर दिया है। रिजर्व बैंक ने कंपनी बांड बाजार में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों पर लगी हुई पाबंदी को हटा दिया है। किसानों के हित में एक महत्वपूर्ण फैसला बिना गारंटी कृषि कर्ज की सीमा एक लाख रुपए से बढ़ाकर 1 लाख, 60 हजार रुपए करने का किया गया। इससे छोटे एवं सीमांत किसानों को मदद मिलेगी। इसके अतिरिक्त कृषि कर्ज की समीक्षा के लिए कार्यकारी समूह गठन करने का निर्णय लिया गया। बड़ी श्रेणी की गैर–बैंकिंग कंपनियों में तालमेल को लेकर दिशानिर्देश जारी करने का भी निर्णय समिति की बैठक में लिया गया। विदेशी मुद्रा बाजार में रुपए के मूल्य में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए विदेश रुपया बाजार के लिए कार्यबल गठित करने का प्रस्ताव है। भुगतान के लिए मंच उपलब्ध कराने की सेवा देने वाले तथा भुगतान संग्राहक के लिए विमर्शपत्र लाया जाएगा। भारत के बड़े उद्योग एवं व्यवसायिक संगठनों का मानना है कि वित्त मंत्रालय की सोच सकारात्मक है। उर्जित पटेल के स्थान पर नियुक्त नए गवर्नर शक्तिकांत दास जो पूर्व में वित्त मंत्रालय में आर्थिक मामलों के सचिव थे उनसे उद्योग व्यवसाय को बहुत उम्मीदें थी, संभवतरू उनकी सकारात्मक सोच से रेपो रेट में कमी हो पाई है। इसलिए उद्योग व्यवसाय में वर्तमान चुनावी माहौल में भी आर्थिक अभिवृद्धि तेज होने की संभावना से उत्साह है। मौद्रिक नीति समिति ने अपनी मौद्रिक नीति समीक्षा तथा ब्याज दरों के बारे में निर्णय लेने के लिए जिन आर्थिक सर्वेक्षणों के परिणामों पर विचार किया, उनका मैं पूर्व के पैराग्राफों में जिक्र कर चुका हूं। रिजर्व बैंक ने 7 फरवरी को इसके द्वारा करवाए गए इन पांच सर्वेक्षणों के परिणामों को अपने अंग्रेजी एवं हिन्दी वेबसाइट पर सार्वजनिक कर दिया है। ये पांच सर्वेक्षण हैंरू उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण सीसीएस दिसंबर 2018, परिवार मुद्रा स्फीति प्रत्याशा सर्वेक्षण 28 दिसंबर 2018, समष्टि आर्थिक सूचकांकों पर व्यवसायिक सर्वेक्षण 56 वां दौर, विनिर्माण क्षेत्र के लिए औद्योगिक संभावना सर्वेक्षण 2018–19 की अक्टूबर–दिसंबर तथा विनिर्माणी क्षेत्र पर ओबीईसीयूएस सर्वेक्षण वर्ष 2018–19 की जुलाई–सितंबर–2018 तिमाही। इनका विस्तृत अध्ययन भारतीय रिजर्व बैंक की वेबसाइट देखकर या उसको डाउनलोड कर किया जा सकता है।मैं यहां पर केवल रिजर्व बैंक के उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण के सारांश का जिक्र करना चाहूंगा। रिजर्व बैंक ने दिसंबर 2018 चक्र में भारत के 13 महानगरों में उपभोक्ता विश्वास सर्वेक्षण करवाया था। इस सर्वेक्षण में देश की सामान्य आर्थिक स्थिति, रोजगार परिदृश्य, समय मूल्य स्थिति और पारिवारिक इकाइयों की धारणाओं और अपेक्षाओं की प्रतिक्रिया 5347 परिवारों से प्राप्त की गई थी। इस सर्वेक्षण में यद्यपि उपभोक्ता का विश्वास रुख सकारात्मक की ओर बढ़ता दिखाई दिया किन्तु उनका निराशावादी रुख अभी भी कायम है। सामान्य आर्थिक स्थिति और रोजगार परिदृश्य में आशावादी भावनाओं के चलते भावी अपेक्षाओं के सूचकांक में भी उछाल दिखाई दिया। रिजर्व बैंक ने जो खुदरा महंगाई से संबंधित आंकड़ों का ब्याज दर तय करने के लिए निर्णय लिया है, वह पारिवारिक मुद्रा स्फीति के परिणामों पर आधारित है।

सीबीआई को सबक

सीबीआई के लिए वह बेहद शर्मनाक पल था। तमाम विवादों में फंसी सीबीआई को एक और धक्का लगा। सुप्रीम कोर्ट ने उसके अंतरिम निदेशक रहे नागेश्वर राव और कानूनी सलाहकार को कोर्ट की अवमानना का दोषी पाया। उन पर एक लाख रुपये का जुर्माना ही नहीं किया गया, बल्कि दिन भर कोर्ट में बैठे रहने की सजा भी सुनाई गई। असल में, अंतरिम निदेशक के पद पर रहते हुए नागेश्वर राव ने मुजफ्फरपुर बालिका गृह की जांच से जुड़े अहम अधिकारी अरुण कुमार शर्मा का तबादला कर दिया था। पिछले अक्तूबर में कोर्ट ने आदेश दिया था कि जब तक जांच चल रही है, उससे जुड़े किसी अधिकारी का तबादला न किया जाए। कोर्ट का कहना था कि उनके आदेश के बावजूद नागेश्वर राव ने तबादला करने में जल्दबाजी दिखाई। मुजफ्फरपुर मामला बेहद नाजुक मोड़ पर है। कोर्ट का मानना था कि जान–बूझकर उसके आदेश की अवहेलना की गई।

एक अधिकारी के तौर पर नागेश्वर राव की छवि कोई बहुत बेहतर नहीं रही है। उनका करियर विवादों से घिरा रहा है। उन्हें जब केंद्र सरकार ने अंतरिम निदेशक बनाया था, तब भी कई कोनों से फुसफुसाहट हो रही थी। सीबीआई की ही तरह उनके कामकाज पर ढेरों सवाल उछलते रहे हैं। वैसे भी सीबीआई लगातार विवादों में बनी रही है। उसे लेकर तमाम सवाल जब–तब उठते ही रहे हैं। वह एक तटस्थ जांच एजेंसी है। यह भरोसा तो उस पर कभी नहीं जमा। एक आरोप उस पर लगातार लगता रहा कि वह सरकार के तोते की तरह है। सरकार जैसा चाहती है, उसे इस्तेमाल कर लेती है। इन सबके बावजूद सीबीआई की अपनी अहमियत है। देश में कहीं भी किसी के साथ कुछ अन्याय जैसा होता है, तो सबसे पहले सीबीआई जांच की मांग उठती है। यानी तमाम विवादों के बावजूद राज्य की जांच एजेंसियों से बेहतर उसे माना जाता है। इससे समझ में आता है कि राज्यों की जांच एजेंसियां किस हाल में हैं? .

यह एक सबक है। तमाम सरकारी अधिकारियों को इससे सीख लेनी चाहिए। चाहे राजनीति हो या कुछ और, किसी भी दबाव के तहत कोई काम नहीं होना चाहिए। कानून के हिसाब से ही काम करना जरूरी होता है। उसके मुताबिक काम होता रहे, तभी उसकी साख बनी रहेगी। एक बेहतर लोकतंत्र में इस तरह की एक तटस्थ जांच एजेंसी का होना बेहद जरूरी है। देश की लोकतांत्रिक संस्थाएं एक अलग तरह का खतरा महसूस कर रही हैं। ये संस्थाएं लोकतंत्र के खंभे की तरह होती हैं। उनका कमजोर होना देश को ही नुकसान पहुंचाता है। इन संस्थाओं को एक खास मकसद से खड़ा किया गया था। उनके कुछ जरूरी मूल्य थे।

लखनऊ में जिला बार एसोसिएशन के प्रतिनिधि मंड़ल ने दिखाई सहभागिता

कानपुर देहात, । बार काउंसिल ऑफ इंडिया के आह्वान पर जिला बार एसोसिएशन कानपुर देहात का प्रतिनिधिमंडल महामंत्री मुलायम सिंह यादव के नेतृत्व में उच्च न्यायालय लखनऊ अवध बार एसोसिएशन के अध्यक्ष महामंत्री के साथ हजरत गंज चौराहा गांधी प्रतिमा के पास इकट्ठा होकर राजभवन की तरफ जाने की तैयारी करते दिखाई दिए। महामंत्री श्री यादव के साथ वरिश्ठ अधिवक्ता रमेश चंद्र सिंह गौर, अरविंद सिंह यादव, एस के मिश्रा, अनूप सिंह यादव सहित सैकड़ों अधिवक्ता रहे। भारी संख्या में धरना पर बैठे प्रदेश के कोने-कोने से आए अधिवक्ताजन संघर्ष का एलान करते रहे।

किसान सम्मान निधि के सत्यापन में लेखपाल दिन रात कर रहे हैं मेहनत

मैथा कानपुर देहात, । किसान सम्मान निधि में पंजीकृत किसानों का सत्यापन होने के बाद अब गैर पंजीकृत किसानों का सत्यापन होना शुरू हुआ है जो 12 फरवरी से 14 फरवरी तक चलेगा कम समय होने की वजह से लेखपालों के सामने बहुत बड़ी समस्या खड़ी हो गई है। औसतन एक लेखपाल के पास तीन से चार गांवों का चार्ज है इन गांवों में एक हजार से लेकर डेढ़ हजार तक किसानों का सत्यापन होना है जो 3 दिन में करना बहुत ही टेढ़ी खीर है परंतु शासन के आदेशों को मानकर लेखपाल दिन रात एक करके सत्यापन कार्य में जुटे हैं। मैथा क्षेत्र के लेखपाल राजनारायन, शिवम यादव, सन्तराम पटेल सहित अन्य राजस्व कर्मियों की लगन देखकर प्रबुद्ध जनों ने उनके कार्यों की सराहना की है।

ग्राम सभा की भूमि पर कब्जा करना पड़ा महंगा

मैथा कानपुर देहात, । ग्राम समाज की भूमि पर कब्जा करना एक व्यक्ति को महंगा पड़ गया, क्योंकि अवैध कब्जे दार के खिलाफ क्षेत्रीय लेखपाल ने लोक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत रिपोर्ट दर्ज करवाई है। शिवली कोतवाली क्षेत्र के गांव सुनवर्षा में रामसेवक ने ग्राम सभा की जमीन पर कब्जा कर लिया है जिसके खिलाफ क्षेत्रीय लेखपाल संत राम पटेल ने थाना शिवली में अवैध कब्जा किए जाने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मैथा चौकी प्रभारी अनिलेश कुमार यादव ने बताया मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है।

लायर्स एसोसियेशन मैथा ने उपजिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री को भेजा 10 सूत्रीय ज्ञापन

मैंथा कानपुर देहात, । सदर तहसील के अधिवक्ताओं ने लायर्स एसोसिएशन अध्यक्ष सुधीर सिंह भदौरिया के नेतृत्व में उप जिलाधिकारी मैथा राम शिरोमणि को अधिवक्ता हितों से सम्बन्धित प्रधानमंत्री भारत सरकार नई दिल्ली के नाम संबोधित 10 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। जिसमें मुख्य रूप से सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के जजों को रिटायरमेंट के बाद केंद्रीय अथवा राज्य सरकार के किसी भी उपक्रम, आयोग अथवा कमीशन अधिकरण में नियुक्त ना किया जाए, बल्कि योग्य अधिवक्ताओं की नियुक्ति की जाए। अधिवक्ताओं व उनके आश्रितों के लिए 20 लाख रुपये का बीमा कवरेज किया जाए। अच्छे अस्पतालों में मुफ्त चिकित्सीय सेवाएं दी जाएं। कनिष्ठ अधिवक्ताओं को स्टाय फंड प्रदान किया जाए। वृद्ध निर्धन अधिवक्ताओं की असामयिक मृत्यु होने पर प्रतिमाह पचास हजार रुपया पारिवारिक पेंशन प्रदान की जाए। केंद्रीय अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम अधिनियमित किया जाए। अधिवक्ताओं को बैठक भवन, लाइब्रेरी उपलब्ध कराई जाए। महिला अधिवक्ताओं के लिए अलग भवन बैठक की सुविधाएं दी जाएं। अधिवक्ताओं को ब्याज मुक्त होम लोन दिया जाए, दुर्घटना, हत्या अथवा बीमारी से 65 वर्ष से कम उम्र के अधिवक्ताओं की मृत्यु पर पचास लाख रुपये की राहत राशि प्रदान की जाए। इस मौके पर अधिवक्ता प्रेमचंद वर्मा, अशोक कुमार गौतम, देवेंद्र कुमार त्रिपाठी, विजय दीक्षित, प्रमोद कुमार, राम प्रताप सिंह ,अंकित सिंह चंदेल, अजीत कुमार, विनोद कुमार अवस्थी, आशुतोष तिवारी, अरविंद कुमार, सुशील कुमार दीक्षित सहित काफी संख्या में अधिवक्ता गण मौजूद रहे।

बाइक सवार बदमाश युवती का झुमका ले भागे

जौनपुर, । नगर के इंदिरा चौक पर सोमवार की रात बाइक सवार दो बदमाश युवती के कान से सोने का झुमका झपट्टा मारकर ले भागे। घनश्यामपुर रोड निवासी देवी प्रसाद हलवाई की पुत्री वंदना बाजार से खरीददारी कर घर लौट रही थी। इंदिरा चौक के पास सामने से बिना नंबर की बाइक से आए दो बदमाशों ने झपट्टा मारकर उसके कान से सोने का झुमका नोच लिया और महराजगंज की तरफ भाग गए। वंदना ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने घंटों भागदौड़ की लेकिन बदमाशों का कोई सुराग नहीं पा सकी। पीड़िता के अनुसार झुमके की कीमत लगभग 15 हजार रुपये थी। शनिवार की शाम सुल्तानपुर रोड पर बदमाशों ने पुरानी बाजार निवासी मुन्ना शर्मा की पुत्री रागिनी के कान का झुमका छीनकर लिया था। छिनैती की बढ़ती घटनाओं से खौफजदा महिलाएं घर से निकलने में डरने लगी हैं।

खतौनी लेने के लिए उमड़ी किसानों की भीड़

जौनपुर, । प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ पाने के लिए तहसील में पंजीकरण शुरू हो गया है। हफ्तों से पोर्टल खराब होने के कारण खतौनी नहीं मिल पा रही थी। मंगलवार को पोर्टल खुला तो किसानों की भीड़ उमड़ पड़ी। नायब तहसीलदार सन्तोष कुमार शुक्ला स्वयं कंप्यूटर कक्ष में बैठकर भीड़ को नियंत्रित करने में दिन भर जुटे रहे। तहसीलदार कौशलेस कुमार मिश्रा ने बताया कि लगभग 6 हजार किसानों का पंजीकरण पहले चरण में हो चुका है। तहसील क्षेत्र में कुल एक लाख से ऊपर किसान हैं। दूसरे चरण की पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। कई पटल पर कार्य चल रहा है। उपजिलाधिकारी जे एन सचान ने कहा कि पंजीकरण पंजीकरण निःशुल्क हो रहा है। यदि कोई लेखपाल या ग्राम प्रधान या बिचौलिया द्वारा कोई अतिरिक्त धन उगाही की जाती है तो इसकी जानकारी तहसील अधिकारियों को अवश्य दें, उसके विरुद्ध दंडात्मक कार्यवाही की जाएगी।

ताला तोड़कर दो दुकानों से जेनरेटर चोरी

जौनपुर, । चोरसंड गांव से सोमवार की रात चोर दो दुकानों के ताले तोड़कर जेनरेटर उठा ले गए। चोरी का पता मंगलवार की सुबह चला। चोरसंड गांव निवासी इरफान की फर्नीचर और बगल में स्थित शाहनवाज की वेल्डग की दुकान जौनपुर-आजमगढ़ राजमार्ग पर है। सोमवार की शाम दोनों दुकानें बंद कर घर चले गये। सुबह दुकान खोलने आए तो देखा कि दुकानों के शटर के ताले टूटे व जेनरेटर गायब मिले। आस-पास के लोगों ने बताया कि आधी रात के समय दुकान के पास पिकअप लेकर कतिपय व्यक्ति खड़े थे। अनुमान लगाया जा रहा है कि चोर पिकअप से आए थे और ताले चटकाकर दोनों दुकानों के जेनरेटर उसी पर लादकर उठा ले गए।

एकीकृत बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सिसोदिया ने डीएम को पीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

कानपुर देहात, । बार काउंसिल ऑफ इंडिया के आह्वान पर एकीकृत बार एशोसिएशन के अध्यक्ष रणधीर सिंह सिसोदिया के नेतृतत्व में अधिवक्ताओं की प्रमुख समस्याओं व प्रमुख मांगों, वकीलों को 10 हजार प्रतिमाह तनख्वाह मिले, 65 साल से अधिक उम्र के अधिवक्ताओं को पेंशन अधिवक्ताओं की अकाल मृत्यु होने पर परिजनों को 50 लाख का मुआवजा सभी वकीलों को चेंबर देने की मांग को लेकर बार कौंसिल ऑफ इण्डिया के आव्हान पर जनपद न्ययालय कानपुर देहात सहित पूरे देश मे अधिवक्ता आज न्यायिक कार्य से विरत रहे यह बात सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने बताते कहा कि इस अवसर पर एकीकृत बार एसोसिएशन के तत्वावधान में अध्यक्ष रणधीर सिंह सिसोदिया के नेतृत्व में प्रधानमंत्री को सम्बोधित मांगो का ज्ञापन जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह को सौंपा गया। अध्यक्ष रणधीर सिंह सिसोदिया व महामंत्री प्रदीप कुमार पाण्डेय ने बताया कि ज्ञापन के माध्यम से प्रधानमंत्री भारत सरकार से उन्होंने बार कौंसिल ऑफ इण्डिया के आज के आन्दोल में क्रम में मांगे रखी गई। जिनमें न्यायालय परिसर में अधिवक्ता संघ भवन, अधिवक्ताओं के बैठने का समुचित स्थान, पुस्तकालय, वाचनालय, ई लाइब्रेरी, मुफ्त इंटरनेट सुविधा, खानपान हेतु कैन्टीन, महिलाओं व पुरुषों हेतु अलग। पर्याप्त शौचालय,अधिवक्ताओ के प्रारम्भिक पांच वर्षो की प्रैक्टिस के दौरान 10000 रूपये मासिक दर से अधिवक्ता बृत्ति भत्ता, देश भर के सभी अधिवक्ताओ व उनके परिवार वालो का मुफ्त जीवन बीमा एवम चिकित्सा बीमा कराए जाने, किसी भी अधिवक्ता की असामयिक मृत्यु पर 50 लाख रुपये अनुग्रह राशि उसके परिवार के निर्वहन हेतु प्रदान की जावे,देश के सभी बृद्ध व अक्षम अधिवक्ताओ हेतु ब्यक्तिगत व पारिवारिक पेंशन दिए जाने, देश की सभी लोक अदालतों, अधिकरणों, आयोगों आदि के कार्य न्यायिक अधिकारियों के स्थान पर अधिवक्ताओ को नियुक्ति से कराए जाने,जरूरतमन्द अधिवक्ताओ को गृह निर्माण हेतु उचित मूल्य पर भूखण्ड उपलब्ध कराने व ऋण दिया जावे,तथा उपरोक्त मांगो की पूर्ति हेतु प्रति वर्ष केन्द्रीय बजट में कम से कम पांच हजार करोड़ प्राविधानित किये जाने की ब्यवस्था आदि की मांग के साथ ही जनपद न्यायालय परिसर के समीप अधिवक्तापुरम बसाए जाने की मांग की है।इस अवसर पर प्रमुख रूप से सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान, संजय सिंह सिसोदिया, अरविन्द यादव, हरिशंकर चतुर्वेदी, अदीप गौतम, महेन्द मोहन श्रीवास्तव, महेंद्र राजपूत, पूर्व अध्यक्ष गण विश्वनाथ कटियार व राधेश्याम कटियार, अनूप दुबे, जितेन्द्र निगम, ब्रजेश त्रिपाठी, विकाश सचान, सुमन कश्यप, जयदेवी व मंजुलता गुप्ता आदि प्रमुख रहे। वही जनपद न्यायालय परिसर में सुन्दर काण्ड का आयोजन बड़ी धूमधाम से किया गया।

उपजिलाधिकारी को अधिवक्ताओं ने सौंपा ज्ञापन

रसूलाबाद कानपुर देहात, । लायर्स एशोसियन आफ इंडिया के आवाहन पर तहसील रसूलाबाद के वकीलों नें अपनी सात सूत्रीय मांगों को लेकर प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन उप जिलाधिकारी जेपी पांडेय को सौंपा। दिए गये ज्ञापन में प्रमुख रूप से समस्त अधिवक्तागणों को भवन सहित बैठनें के लिए चेंबर दिए जाने, नए अधिवक्ताओं को प्रति पांच वर्ष तक दस हजार रुपये दिए जाने, महिला अधिवक्ताओं के लिए अलग से शौचालय बनाये जाने, लीगल सर्विस अथॉरिटी एक्ट कें तहत अधिवक्ताओं को ट्रिब्यूनल कमीशन व् फोरम आदि में रिटायर्ड जजो की तरह सेवाएं उपलब्ध करायी जाएँ, अधिवक्ताओं के विकास के लिये केंद्रीय बजट में पांच हजार करोड़ रुपये का प्राविधान किया जाये, किसी भी तरह से अधिवक्ता की मौत होने पर उनके परिजनों को अधिका अधिक सहायता उपलब्ध कराई जाये, अधिवक्ताओं तथा उनके परिजनों को बीमा कवर प्रदान किया जाने की मांग प्रमुखता से रखी गई। ज्ञापन देने के दौरान अध्यक्ष संतोष सिंह गौर, महामंत्री भीष्म प्रताप पाल, उपाध्यक्ष सुमित कुमार गौतम, संयुक्त मंत्री सर्वेश पाल, कोषाध्यक्ष सत्येंद्र प्रकाश यादव, सुशील शुक्ला, कमलेश संखवार, संतोष यादव, वीरेंद्र सिंह गौर, विजय प्रकाश, विनोद तिवारी आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, सीएम व डीजीपी के साथ डीएम से की पीड़ित ने शिकायत

कानपुर देहात, । अपर पुलिस अधीक्षक कार्यालय मुख्यालय में शिकायत लेकर पहुंची पीड़िता व उसके परिजनों के द्वारा सामने पड़ी कुर्सी पर मात्र बैठ जाने से ही अपर पुलिस अधीक्षक के नाराज होने व उनके अधीनस्थों द्वारा हाथा-पाई, धक्का-मुक्की कर अपमानित करते हुए कार्यालय से भगाये जाने का आरोप थाना सट्टी क्षेत्र के गांव रूरगांव निवासी श्री कृष्ण बालमीक पुत्र स्वर्गीय मुरली धर द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग मानवाधिकार भवन, ब्लॉक सी, जीपीओ परिसर आईएनए नई दिल्ली के साथ सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, अपर पुलिस महानिदेशक कानपुर जोन व जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह को शिकायती पत्र भेजते हुए बताया गया कि वह सट्टी थाना क्षेत्र के गांव रूरगांव निवासी बाल्मीक समाज से है जोकि अपनी भतीजी रीना देवी को लेकर थाना रूरा में प्रार्थना पत्र व मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर रिपोर्ट न लिखने की शिकायत लेकर पुलिस अधीक्षक कार्यालय गया था मौके पर पुलिस अधीक्षक के मौजूद ना होने पर अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार के कार्यालय में पेश हो सामने पड़ी कुर्सियों में बैठते हुए प्रार्थना पत्र दिया गया। उपरोक्त प्रार्थना पत्र को जैसे ही अपर पुलिस अधीक्षक अनूप कुमार द्वारा जानकारी हासिल की गई कि वह सभी लोग बाल्मिक समाज से हैं अपने आप ही उनका पारा गरम हो गया और उनके अधीनस्थ द्वारा कार्यालय में बेइज्जत कर धक्का-मुक्की करते हुए जाति सूचक शब्दों का प्रयोग कर बाहर निकाल दिया गया। वही पीड़ित श्री कृष्ण बालमीक द्वारा इस बात का भी आरोप लगाया गया कि धक्का-मुक्की के दौरान कार्यालय अपर पुलिस अधीक्षक व उनके सहयोगियों द्वारा उनकी भतीजी के नाजुक अंगों को पकड़कर धक्का मारकर गेट के बाहर निकाल दिया गया, साथ ही शिकायत करने पर वर्दी का रौब दिखाकर अन्य तमाम फर्जी मुकदमों में थाना पुलिस व अन्य स्थानों से मुकदमे लिखवा ने की धमकी भी अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा दी गई। इस दौरान घटित हुई घटना को उनके साथ मौजूद सोनू, जितेंद्र, अंजू शुक्ला सहित अनेक लोगों ने देखा पीड़ित द्वारा सरकार व राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के साथ जिलाधिकारी से न्याय की गुहार लगाई गई है।

तालाब निर्माण एवं निवेश, मिनी मत्स्य हैचरी निर्माण, लघु फीड मील की स्थापना हेतु करें आवेदन

कानपुर देहात, । नीली क्रान्ति योजना का कोई भौतिक लक्ष्य नहीं है इसमें अधिक से अधिक योजनाएं सम्मिलित की जा सकती है। परियोजनाअंश व लाभार्थी सहित देय कुल रू0 2.00 करोड के प्रस्ताव मय सीडी सहित प्रेशित करने हेतु निर्देशित किया गया। योजना के इच्छुक लाभार्थियों से निजी भूमि पर तालाब निर्माण एवं निवेश, मिनी मत्स्य हैचरी निर्माण, लघु फीड मील की स्थापना, 0.10 हेक्टेयर की नर्सरी निर्माण व मत्स्य बीज रियरिंग यूनिट निर्माण आदि सहित दिनांक 22 फरवरी 2019 तक आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। दिनांक 22 फरवरी के बाद प्राप्त फोटोग्राफ्स, आवेदन पत्र, आधार कार्ड व बैंक पासबुक की छायाप्रति मय आईएफएस सीकोड सहित व भूमि स्वामित्व का खसरा खतौनी जो तत्काल कम्प्यूटर द्वारा निर्गत हो तथा सम्बन्धित द्वारा मूलरूप से हस्ताक्षरित हो। उक्त जानकारी देते हुए मुख्यकार्यकारी अधिकारी मत्स्य पालक विकास अभिकरण डा0 रणजीत सिंह ने बताया कि सम्पूर्ण प्रस्ताव स्वीकृत हेतु भारत सरकार को उच्चाधिकारियों के माध्यम से प्रेशित किये जायेंगे। धनराशि प्राप्त होने पर डीबीटी के माध्यम से सम्बन्धित लाभार्थियों के खातों में धनराशि अन्तरित की जायेगी। इस नीली क्रान्ति योजना में ग्रामसभा के पट्टे के तालाबों को सम्मिलित नही किया जायेगा। उन्होंने पट्टेदारों से अपील की है कि वे परियोजना में सम्मिलित कराने हेतु अपने पट्टे के तालाबों का आवेदन कार्यालय में न दे। निजी भूमि के लाभार्थियों से अनुरोध है कि 0.20 हेक्टेयर से कम भूमि पर तालाब निर्माण हेतु आवेदन न करें। आवेदन करने की व्यवस्था न्यूनतम 0.20 हे0 से अधिकतम 2.00 हे0 के मध्य रहेगी। तालाब निर्माण स्थल वाली भूमि विवाद रहित होनी चाहिए अर्थात गिरवी/रोहन आदि न रखी गयी हो। तालाब निर्माण के पहले भूमि/स्थल का फोटोग्राफस (कार्य प्रारंभ की, कार्य मध्य की व कार्यपूर्ण का) फोटोग्राफस उपलब्ध कराना होगा। किसी प्रकार की जानकारी हेतु कार्य दिवस में कार्यालय मत्स्य पालक विकास अभिकरण कानपुर देहात के विकास भवन में स्थित कमरा नम्बर 303 व 306 में सम्पर्क करते हुए नोटिस बोर्ड पर भी देखा जा सकता है।

.....आखिर कब सुधरेगी बैंकों की ब्यवस्थाएं और कार्य में लगे अधिकारियों व कर्मचारियों की कार्यशैली

कानपुर देहात, । बैंकों में लगने वाली लंबी कतारें अखिल कब खत्म होगी इसका तो कोई अंदाजा ही नहीं लगा सकता है जब कार्य करने वाले ही अपनी नैतिक जिम्मेदारियों से मुंह मोड़ लें तो ऐसे में उपभोक्ता को भगवान की उपाधि देना उनका मखोल उड़ाना नहीं है तो क्या है। सदर कस्बा अकबरपुर में संचालित विभिन्न बैंकों में सुबह से लेकर शाम तक धीरे-धीरे सरवर का होना व ना होना बताते हुए लचर कार्यशैली के साथ कार्य को जिम्मेदार अंजाम देने में लगे हुए हैं। इसी क्रम में अकबरपुर रेड संचालित बैंक ऑफ बड़ौदा में सुबह से ही उपभोक्ताओं की लंबी कतार लगी रही, वहीं देर शाम तक सरवर के ना होने की जानकारी बैंक मैनेजर व उनके अधीनस्थ कर्मचारियों वा सिपेसलारों द्वारा दिए जाने का कार्य किया जाता रहा। शाम 4:00 बजते ही बैंक के मुख्य द्वार पर लगे चौनल में अलीगढ़ का ताला लगा दिया जाता है इसके बाद उपभोक्ता की सुनने वाला कोई भी कर्मचारी दिखाई नहीं देता है यहां तक की बैंक के बाहर खड़े होकर अपने पास बुक पर एंट्री कराने की बात कहने के बाद भी कार्य न किया जाना तथा अंदर कुछ चितपरिचित लोगों को रोकते हुए उनके कार्य को पूरी तल्लीनता के साथ किया जाना यह किसी दूसरी ओर इशारा करता दिखाई देता है। यहां तक की जब उपभोक्ता द्वारा जिला बैंक प्रबंधक से बैंक पासबुक इंट्री किए जाने की बात कहीं गई तो उन्होंने बैंक ऑफ बड़ौदा के मैनेजर से फोन पर संपर्क करना चाहा लेकिन उपभोक्ताओं का कार्य करने के लिए मौजूद मैनेजर का फोन ही नहीं मिला। जिस पर एलडीएम द्वारा मजबूरी जाहिर की गई।

बोर्ड परीक्षा में हाई रूकूल में 3467 व इण्टर में छै ने छोड़ी सख्ती के चलते परीक्षा

कानपुर देहात, । आज जनपद में बेहतरीन व्यवस्था व नकल विहीन परीक्षा संपन्न कराने के लिए कटिबद्ध जिला प्रशासन एवं जिला विद्यालय निरीक्षक द्वारा जनपद के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर पहुंच आवश्यक जांच-पड़ताल करते हुए केंद्राध्यक्षों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार प्रातः पाली में हाई स्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षा में हाई स्कूल में हिंदी प्रारंभिक में कुल पंजीकृत है 28890 के सापेक्ष 25423 परीक्षार्थियों ने प्रतिभाग किया तथा अपरिहार्य कारणों के चलते 3467 पंजीकृत छात्र-छात्राओं द्वारा परीक्षा छोड़ दी गई। इसी क्रम में इंटरमीडिएट की सामान्य आधारित विषय परीक्षा में पंजीकृत कुल 180 छात्र-छात्राओं में 174 परीक्षार्थियों द्वारा परीक्षा में सम्मिलित हुआ गया वहीं 6 छात्र-छात्राओं द्वारा परीक्षा छोड़ी गई। शांत पूर्ण ढंग से परीक्षा संपन्न हो इसके लिए जिला अधिकारी के नेतृत्व में व दिशा निर्देशन में बनाई गई टीमों द्वारा दिए गए परीक्षा केंद्रों पर पहुंच नकल विहीन शांतिपूर्ण ढंग से परीक्षा को संपन्न कराया गया। जिला विद्यालय निरीक्षक अरविंद कुमार द्विवेदी द्वारा दर्जनों विद्यालयों में पहुंचे आवश्यक के निगरानी रखी गई। वहीं हाई स्कूल की परीक्षा के दौरान सुपर जोनल मजिस्ट्रेट राजीव उपाध्याय द्वारा विवेकानंद इ. का. पुखरायां में एक परीक्षार्थी के पास से कक्ष के अंदर मोबाईल पाया गया। सुपर जोनल मजिस्ट्रेट की आख्या के अनुसार केंद्र व्यवस्थापक अमर सिंह सचान को तत्काल प्रभाव से कार्यमुक्त करते हुए उनके स्थान पर केंद्र व्यवस्थापक के रूप में उसी विद्यालय के शिक्षक अशोक कुमार को तैनात किया गया है। संपन्न हुई परीक्षा में नकलची की सूचना शून्य रही।

खाद्य पदार्थों की दुकान पर छापा, लिया सैंपल

आजमगढ, । नगर पालिका परिषद मुबारकपुर के विभिन्न मोहल्ला में एक माह से फैली पीलिया की बीमारी रुकने का नाम नहीं ले रही है। पीलिया के नियंत्रण के बाद फिर नए मरीज मिलने पर डीएम शिवाकांत द्विवेदी के निर्देश पर जागा स्वास्थ्य विभाग एवं खाद्य विभाग द्वारा मंगलवार को मुबारकपुर में खाद्य पदार्थों की दुकान पर छापेमारी की गई। पिछले सप्ताह छह व सात फरवरी को कस्बे में उर्स मेला का आयोजन किया गया था। इस दौरान खुले में खाद्य सामग्री की धड़ल्ले से बिक्री की गई। दूषित खान-पान की वजह से पीलिया का प्रकोप फिर से फैलने लगा। खाद्य विभाग की टीम के आरबी चौहान, अंकितसिंह एवं स्वास्थ्य विभाग से अपर मुख्य चिकित्साधिकारी डा. संजय गुप्ता, अमूल श्रीवास्तव व नगर पालिका प्रशासन व पुलिस बल के साथ कस्बे में खुले में बेची जा रही पकौड़ी, पूड़ी, हलुआ व पराठा की दुकानों पर छापा मारा गया। प्रशासन की इस कार्यवाई से कस्बे में हड़कंप मच गया। टीम ने मुबारकपुर-सठियांव मार्ग पर लगे हलुआ, पराठा की दुकान से सैंपल लिया और खुले में सामान की बिक्री न करने की हिदायत दी गई। अपर मुख्य चिकित्साधिकारी संजय गुप्ता ने बताया कि कस्बे में फैली पीलिया की बीमारी को नियंत्रण कर लिया गया था, लेकिन पिछले सप्ताह छह, सात फरवरी को उर्स मेला में लोगों ने खूब जमकर खुले खान-पान का प्रयोग किया।

अभी भी सड़क किनारे खुले में हलुआ, पराठा, पकौड़ी सहित अन्य सामग्री बेची जा रही है। मंगलवार को सीएचसी में अलीनगर निवासी 17 वर्षीय मुहम्मद शाहिद व नेवादा निवासी 17 वर्षीय मुहम्मद शाहनवाज, पुरानी बस्ती निवासी मुसर्रत जहां पत्नी शमीम अख्तर को पीलिया की पुष्टि होने पर भर्ती कराया गया। अन्य मरीजों का इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है।

इस मौके पर नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि हाजी अब्दुल मजीद अंसारी, ईओ राजपति अविचल, अरशद जमाल, मुहम्मद जावेद, शराफत अली मौजूद थे। छापेमारी के दौरान दुकान बंद कर भागे दुकानदार रू मुबारकपुर कस्बे में मंगलवार को खाद्य विभाग द्वारा की गई छापेमारी की कार्रवाई से क्षेत्र के सभी खान पान के दुकानदार अपने प्रतिष्ठान बंद कर फरार हो गए। वहीं कुछ दुकानदार ऐसे भी मिले जब टीम पहुंची तो भय के कारण कड़ाही में पूड़ी छोड़कर ही फरार हो गए। प्रशासन की अचानक हुई कार्रवाई से चाय, पकौड़ी की दुकान भी बंद रही।

जनपदीय पुलिस द्वारा विभिन्न थानों में की गयी कार्यवाही

कानपुर देहात, । जिला पुलिस के निर्देश पर थाना रसूलाबाद पुलिस ने अभियुक्ता कपूरी पत्नी रूप सिंह निवासी सिठऊ पुरवा थाना रसूलाबाद के कब्जे से 20 लीटर कच्ची शराब नाजायज बरामद कर उ.नि. राजीव कुमार द्वारा गिरफ्तार किये जाने की सूचना पर थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 55/19 धारा 60 आबकारी अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान किया गया। इसीक्रम में थाना भोगनीपुर पुलिस द्वारा अभियुक्तगण ओकेन्द्र शाह उर्फ दिलीप पुत्र बाला प्रसाद निवासी कुढैद बुजुर्ग जनपद जालौन, आरिफ पुत्र वहरी निवासी खटकान मोहल्ला कस्बा व जनपद जालौन के कब्जे से 05 राशि भैंस लोडर में लादकर क्रूरतापूर्वक ले जाते हुये उपनिरीक्षक शिशुपाल सिंह की सूचना पर थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 48/9 धारा 11घ पशु क्रूरता अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया विवेचना प्रचलित है। थाना पुलिस द्वारा अभियुक्तगण अंजनी पत्नी रवि कबूतरा, सरवती पत्नी पंकज निवासीगण करियापुर थाना भोगनीपुर के कब्जे से 360 लीटर मिलावटी कच्ची शराब नाजायज बरामद कर प्र.नि. शिव कुमार सिंह राठौर द्वारा गिरफ्तार किये जाने की सूचना पर थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 49/19 धारा 60ए आबकारी अधिनियम व 272/273 भा0द0वि0 का अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान किया गया। वहीं थाना पुलिस द्वारा मु. अ.सं. 41/19 धारा 354क/323 भा.द.वि. व 7/8 पाक्सो एक्ट के अभियोग में वांछित अभियुक्त जयसिंह पुत्र बैजनाथ सिंह निवासी चौकी थाना भोगनीपुर को उ.नि. आदेश कुमार यादव व उनके हमराही पुलिसबल द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। इसीक्रम में थाना अकबरपुर पुलिस द्वारा अभियुक्तगण सूरज पुत्र अमर निवासी खजुरी थाना बिल्हौर जनपद कानपुर नगर (गिर.), तिलक चन्द निवासी काशीराम कालोनी थाना अकबरपुर (भागा हुआ) के कब्जे से 10 लीटर कच्ची शराब व शराब बनाने के उपकरण, लहन नाजायज बरामद कर उ.नि. धर्मेन्द्र यादव की सूचना पर थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 54/19 धारा 60/63 आबकारी अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया।

अभियुक्त को गिरफ्तार कर चालान किया गया। वही थाना पुलिस द्वारा मु.अ.सं. 54/19 धारा 60/63 आबकारी अधिनियम के अभियोग में वांछित अभियुक्त सूरज कंजड पुत्र अमर निवासी खजुरी थाना बिल्हौर जनपद कानपुर नगर को उ.नि. गिरीश कुमार मिश्रा व उनके हमराही पुलिसबल द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। इसीक्रम में थाना मंगलपुर पुलिस द्वारा अभियुक्त श्याम पुत्र बलवीर निवासी कंजड डेरा थाना मंगलपुर के कब्जे से 30 लीटर कच्ची शराब व शराब बनाने के उपकरण, 30 लीटर लहन नाजायज बरामद कर प्र.नि. तुलसी राम पाण्डेय की सूचना पर थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 41/19 धारा 60क(2) आबकारी अधिनियम व 272 भा.द.वि. का अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार कर चालान किया गया। वहीं थाना पुलिस द्वारा अभियुक्त डोली पुत्री पप्पू निवासी कंजड डेरा थाना मंगलपुर के कब्जे से 90 लीटर कच्ची शराब व शराब बनाने के उपकरण, 400 लीटर लहन नाजायज बरामद कर प्र.नि. तुलसी राम पाण्डेय की सूचना पर थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 42/19 धारा 60क(2) आबकारी अधिनियम व 272 भा.द.वि. का अभियोग पंजीकृत किया गया।

अभियुक्त को गिरफ्तार कर चालान किया गया। वहीं थाना पुलिस द्वारा अभियुक्त सुनील पुत्र संतराम निवासी कंजड डेरा थाना मंगलपुर के कब्जे से 30 लीटर कच्ची शराब व शराब बनाने के उपकरण, 500 लीटर लहन नाजायज बरामद कर प्र0नि0 श्री तुलसी राम पाण्डेय की सूचना पर थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 43/19 धारा 60क(2) आबकारी अधिनियम व 272 भा.द.वि. का अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार कर चालान किया गया। एक अन्य मामले में थाना पुलिस द्वारा अभियुक्त चन्द्रा पत्नी संतराम निवासी कंजड डेरा थाना मंगलपुर के कब्जे से 50 लीटर कच्ची शराब नाजायज बरामद कर प्र.नि. तुलसी राम पाण्डेय की सूचना पर थाना स्थानीय पर मु.अ. सं. 46/19 धारा 60क आबकारी अधिनियम व 272 भा.द.वि. का अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार कर चालान किया गया। एक अन्य मामले में थाना पुलिस द्वारा अभियुक्त मुन्नी देवी पत्नी अतर सिंह निवासी कंजड डेरा थाना मंगलपुर के कब्जे से 90 लीटर कच्ची शराब नाजायज बरामद कर प्र.नि. तुलसी राम पाण्डेय की सूचना पर थाना स्थानीय पर मु.अ. सं. 47/19 धारा 60क आबकारी अधिनियम व 272 भा.द.वि0. का अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार कर चालान किया गया।

धारा 151 के तहत तीन पर हुई कार्यवाही

कानपुर देहात, । जनपदीय पुलिस के कुशल दिशा निर्देशन में थाना शिवली पुलिस ने दो व अमराहट पुलिस ने एक अभियुक्त को धारा 151 दं.प्र.स. के अन्तर्गत गिरफ्तार कर चालान किया गया।

कार ने ट्रैक्टर में पीछे से मारी टक्कर, एक की मौत

रसूलाबाद कानपुर देहात, । सदर कोतवाली क्षेत्र के झींझक रोड पर मयंक ढाबा के सामने रविवार रात अनियंत्रित होकर कार ने ट्रैक्टर में पीछे से टक्कर मार दी, टक्कर लगने ट्रैक्टर सवार एक युवक की मौके पर मौत हो गई। सूचना पर पहुँची पुलिस ने शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। रसूलाबाद से झींझक की ओर ट्रैक्टर ट्राली में पुआल लादकर कर जा रहा था। तभी ट्रैक्टर के पीछे से आ रही एक कार ने ट्रैक्टर की ट्राली में जोरदार टक्कर मार दी टक्कर लगने से ट्रैक्टर पर बैठा युवक हिमांशु पाल(17) पुत्र राजेश पाल निवासी निभू रसूलाबाद कानपुर देहात उछलकर रोड पर गिर गया और ट्रॉली के नीचे आ गया जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई है। युवक की मौत की सूचना परिजनों को सोमवार सुबह मिलते ही घर मे कोहराम मच गया है। युवक के मौत के बाद परिजनों का रो रो कर बुरा हाल था। ग्रामीणों की माने तो मयंक ढाबा के पास भारी वाहनों का रोड पर अतिक्रमण ज्यादा रहता है जिससे आय दिन दुर्घटनाये होती रहती है।

जिला आबकारी विभाग की टीम ने छापेमारी कर बरामद की कच्ची शराब

रसूलाबाद कानपुर देहात, । आज रसूलाबाद कोतवाली क्षेत्र में जिला आबकारी विभाग की टीम ने विभिन्न ठिकानों पर छापेमारी कर अवैध रूप से हो रहे कच्ची शराब के निर्माण को बंद कराया। साथ ही हजारों लीटर लहन नष्ट किया और कच्ची शराब बरामद की। आबकारी विभाग टीम ने रसूलाबाद, शहबाजपुर, सिठऊपुरवा सहित जगहों पर छापेमारी की।

जान से मारने की कोशिश, रिपोर्ट दर्ज

भरथना/इटावा, । कस्बा क्षेत्र के यादव नगर निवासी देवेन्द्र यादव पुत्र मानसिंह का किसी बात पर क्षेत्र के सूजीपुर निवासी सोनू पुत्र देवेन्द्र के साथ कुछ दिनों पहले विवाद हो गया था। अतः विवाद की रंजिश को लेकर सोनू ने अपने साथियों के साथ मिलकर पाली बंबा मोड की ओर जा रहे देवेन्द्र यादव को घेर लिया और उसके साथ गाली गलौज करने लगे। तभी देवेन्द्र यादव द्वारा विरोध पर सोनू व उसके साथियों ने एकराय होकर देवेन्द्र यादव को जान से मारने की नियत से लाठी डंडों से हमला कर दिया। जिसमें देवेन्द्र यादव लहुलुहान हो गया इसके साथ ही अभियुक्त गणों ने हवाई फायर भी किया। तभी गोली की आवाज सुनकर लोग वहां पहुंचे। तभी लोगों को आता देख अभियुक्तगण वहां से भाग निकले। इस घटना के सम्बन्ध में पीड़ित देवेन्द्र यादव ने थाने में सोनू सहित 05 नामजद लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। अतः पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली।

अधीक्षक से मारपीट में वार्ड ब्वाय का पुत्र गिरफ्तार

सोनभद्र, । कोतवाली क्षेत्र के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डा. गुरु प्रसाद मौर्य के साथ रविवार की रात में अस्पताल परिसर में ही उसी अस्पताल के वार्ड ब्वाय के पुत्र ने मारपीट कर ली। इस मामले में अधीक्षक की तहरीर पर पुलिस ने वार्ड ब्वाय व उसके पुत्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। सोमवार की सुबह आरोपित पुत्र को गिरफ्तार कर चालान कर दिया गया। पुलिस के मुताबिक रात करीब नौ बजे अस्पताल परिसर में ही अधीक्षक डा. गुरु प्रसाद के साथ वार्ड ब्वाय चंद्र प्रकाश श्रीवास्तव के पुत्र शिवम का विवाद हो गया। देखते ही देखते दोनों में मारपीट होने लगी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शिवम को पकड़कर कोतवाली ले गई। इसके बाद अधीक्षक की तहरीर पर चंद्रप्रकाश श्रीवास्तव व उसके पुत्र शिवम श्रीवास्तव पर लोक सेवक पर जानलेवा हमला करने समेत अन्य मुकदमा रविवार की रात्रि को दर्ज कर लिया। उक्त मामले में शिवम को गिरफ्तार कर पुलिस ने सोमवार को चालान कर दिया। इस मामले में दूसरे पक्ष से भी तहरीर दी गई है। अधीक्षक डा. गुरु प्रसाद का कहना है कि मामला आपसी है। एक कर्मचारी से जुड़ा हुआ है और आगे शांति बनी रहे इसके लिए मिलकर कोई रास्ता निकाला जाएगा।

भारतीय किसान यूनियन(टिकैत) ब्लॉक अध्यक्ष ने मासिक बैठक कर दिया ज्ञापन

मैथा कानपुर देहात, । भारतीय किसान यूनियन ब्लॉक अध्यक्ष मैथा रणधीर सिंह यादव ने विकास खंड परिसर में दर्जनों किसानों के साथ मासिक बैठक कर किसानों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए उनके निराकरण के लिए खंड विकास अधिकारी की गैर मौजूदगी में प्रभारी सहायक विकास अधिकारी पंचायत पुनीत त्रिपाठी को ज्ञापन सौंपा। तथा अतिशीघ्र समस्याओं के निराकरण हेतु अपील की तथा आगे कहा कि यदि समस्याओं का समय रहते समाधान नहीं हुआ तो ब्लॉक परिसर में बड़ा आंदोलन होगा जिसकी सारी जिम्मेदारी खंड विकास अधिकारी की होगी। समस्याओं में प्रमुख रूप से ककरमऊ के मजरा हरिकिशनपुर में बृजेंद्र के दरवाजे से तालाब तक पक्की नाली का निर्माण ग्राम सभा आंट में सूरज प्रसाद त्रिवेदी के दरवाजे लगे इंडिया मार्का नल की मरम्मत विकासखंड परिसर में स्थित पशु चिकित्सालय में संचालित योजनाओं की जानकारी किसानों तक पहुंचाई जाए तथा विकास खंड के विभिन्न गांव में झोपड़ियों व कच्चे टूटे फूटे मकानों में निवास कर रहे अति निर्धन पात्र व्यक्तियों को आवास की पात्रता सूची में शामिल कर आवास दिलवाया जाए। इस मौके पर प्रमुख रूप से मंगली कुशवाहा, बेटे लाल, रामजी शुक्ला, सजीवन ,बाबूराम सहित काफी संख्या में किसान मौजूद रहे।

नाबालिका को भगा ले जाने वाले हिस्ट्रीशीटर अपराधी को पुलिस ने पकड़ा

मैथा कानपुर देहात, । शिवली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से नाबालिग किशोरी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले में एक हिस्ट्रीशीटर अपराधी को शिवली पुलिस ने पकड़ कर नाबालिक लड़की को बरामद कर उसे जेल भेज दिया है। शिवलीकोतवाली क्षेत्र के औनांहा गांव का निवासी रंजीत उर्फ डिंपी शातिर अपराधी प्रवृत्ति का व्यक्ति है। जिसके विरुद्ध शिवली कोतवाली सहित अन्य थानों में मुकदमे दर्ज हैं। वह पिछली21 दिसंबर को कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी 15 वर्षीय बालिका को उसी गांव के एक दंपति की मदद से भगा ले गया था तथा उसके साथ लगातार दुराचार करता रहा जिस पर पुत्री के पिता ने हिस्ट्रीशीटर के विरुद्ध शिवली कोतवाली में पुत्री को अपहरण कर ले जाने का मुकदमा दर्ज कराया था।

शिविर के माध्यम से युवाओं को मतदान रूपी अधिकार के लिए किया गया प्रेरित

पुखरायां कानपुर देहात, । मताधिकार के बारे में जानकारी होने के बावजूद भी कई मतदाता उसका उपयोग नहीं करते हैं, यह स्थिति स्वस्थ एवं मजबूत लोकतंत्र के लिए उचित नहीं है,यह बात सिविल बार एसोसिएशन अध्यक्ष जितेन्द्र प्रताप सिंह चौहान ने सिविल बार एसोसिएशन व रेशुका जनसेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम कुंवरपुर शाहजहांपुर, तहसील भोगनीपुर में मतदाता जागरूकता शिविर में कही।जितेन्द्र चौहान ने कहाकि यह अत्यधिक दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमारे देश में वोट देने के दिन लोगों को जरूरी काम याद आने लग जाते हैं,कई लोग तो वोट देने के दिन अवकाश का फायदा उठाकर परिवार के साथ पिकनिक मनाने चले जाते हैं,तो कुछ लोग ऐसे भी है जो घर पर होने के बावजूद भी अपना वोट देने के लिए वोटिंग बूथ तक जाने में आलस करते हैं, इस तरह अजागरूक, उदासीन व आलसी मतदाताओं के भरोसे हमारे देश के चुनावों में कैसे सबकी भागीदारी सुनिश्चित हो सकेंगी, युवाओ से कहाकि इस समस्या के निदान की सबसे बड़ी जिम्मेदारी युवाओं की है भोगनीपुर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उपजिलाधिकारी राजीव राज ने ऐसे युवाओं जिनकी आयु 1 जनवरी 2019 को 18 वर्ष पूर्ण हो गयी है से आव्हान करते हुए कहा कि वह अपना नाम भारत निर्वाचन नामावली में मतदाता के रुप मे दर्ज कर मताधिकार का अधिकार प्राप्त कर लें, उन्होंने कहा कि हम तब तक अच्छी व्यवस्था खड़ी नहीं कर पाएंगे। जब तक हम वोट का महत्व और अपने मतदाता होने के फर्ज को पूरी जिम्मेदारी के साथ निभा नहीं देते हैं।

रेशुका जनसेवा समिति की सचिव रेणुका सचान ने कहा कि भारत जैसा युवा देश जिसकी 65 प्रतिशत आबादी 35 वर्ष से कम है। उस देश के युवाओं की जिम्मेदारी बनती है कि वो अशिक्षित लोगों को वोट का महत्व बताकर उनको वोट देने के लिए बाध्य करे। शिक्षा मित्र संघ जिलाध्यक्ष महेन्द्र पाल व सन्दपुर साधन सहकारी अध्यक्ष विनोद कटियार ने कहा कि हमे यह शपथ लेनी चाहिए कि हम किसी भी प्रलोभन में नहीं फंसते हुए अपने वोट का प्रयोग स्वविवेक के आधार पर पूर्ण निष्पक्षता एवं निष्ठा के साथ करेंगे।अंत मे उपजिलाधिकारी राजीव राज ने सभी को शपथ दिलाई कि वह आगामी चुनावों में अन्य मतदाताओं को प्रेरित करते स्वयं मताधिकार का प्रयोग जाति धर्म सम्प्रदाय क्षेत्रीयतावाद,निजी स्वार्थ से ऊपर उठकर स्वक्ष साफ छवि के प्रत्याशी के प्रति मतदान करेंगे। संचालन सिविल बार सिकन्दरा सामाजिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष जनमेजय सिंह गौर ने किया। प्रमुख रूप से सुदीप कटियार, कुलदीप कटियार, पण्डित दीनदयाल उपाध्याय कौशल विकास योजना मकबलाईजेशन हेड अमित शर्मा, पंकज मिश्रा, आदर्श शुक्ला उपस्थित रहे।

जिला बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने डीएम के माध्यम से देश के पीएम को भेजा ज्ञापन

कानपुर देहात, । बार काउंसिल ऑफ इंडिया के आवाहन पर आज 11 फरवरी को प्रधानमंत्री संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी को देते हुए जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष रविंद्र नाथ मिश्र, महामंत्री मुलायम सिंह यादव द्वारा मांग की गई न्यायालय परिसर में अधिवक्ता संघों का भवन हो बैठने की समुचित व्यवस्था हो, पुस्तकालय, लाइब्रेरी, मुफ्त इंटरनेट, वादकारियों के बैठने की समुचित व्यवस्था हो, उचित मूल्य पर खाने पीने की कैंटीन की व्यवस्था हो, नए जरूरतमंद अधिवक्ताओं को रूपया 10हजार प्रति माह 5 वर्ष तक देने की व्यवस्था हो, समस्त अधिवक्ता एवं उनके परिवारजनों का जीवन बीमा असामयिक मृत्यु पर रूपया 5 लाख की व्यवस्था हो, अधिवक्ता एवं उसके परिजनों के किसी भी बीमारी में बेहतर मुफ्त चिकित्सा व्यवस्था हो, अक्षम एवं वृद्ध अधिवक्ताओं हेतु पेंशन तथा परिवारिक पेंशन की व्यवस्था हो, लोक अदालतों का कार्य अधिवक्ताओं को सौंपा जाए। गृह निर्माण हेतु उचित मूल्य पर भूखंड की व्यवस्था की जाए, सभी ट्रिब्यूनल कमीशन आदि में अधिवक्ताओं की नियुक्ति हो, अधिवक्ता प्रोटक्शन एक्ट लागू हो, ज्ञापन देने में दिलीप सिंह यादव अध्यक्ष अधिवक्ता समित, अकबरपुर अशोक संखवार, अशोक श्रीवास्तव, जयप्रकाश, सुशील कुमार कटियार, जय सिंह, सुभाष चंद्र, अनूप यादव, पंकज यादव, सुरेंद्र कटियार आदि लोग रहे। आज मंगलवार को बार काउंसिल ऑफ इंडिया के आवाहन पर न्यायिक कार्य से विरत रहकर राज्य मुख्यालय लखनऊ में इकट्ठा होकर 12:30 बजे राजभवन के लिए प्रस्थान करेंगे।

इनामियां अभियुक्त चढ़ा रूरा पुलिस के हत्थे

कानपुर देहात, । पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में थाना रूरा पुलिस द्वारा मु.अ.सं. 462/18 धारा 302/201 आईपीसी थाना रुरा में वाँछित 20 हजार रुपये के इनामिया अभियुक्त सरमन को गिरफ्तार किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार एसपी द्वारा 20 हजार का नगद पुरुस्कार घोषित अपराधी सरमन पुत्र रामप्रकाश निवासी चम्पतपुर भोला निवादा थाना शिवली जनपद कानपुर देहात संम्वन्धित मु.अ.सं. 462/18 धारा 302/201 आईपीसी थाना रुरा क्षेत्र के अंन्तर्गत बब्बन पुत्र प्रेमचंन्द्र निवासी भौनतपुर थाना शिवराजपुर जनपद कानपुर नगर को मृतक की पत्नी प्रीती पाल, महेश व सुरेश के साथ मिलकर हत्या कर उसकी लाश को छुपाने की नियत से ओपीएस स्कूल के पास खेत में फेक दिया था और घटना को अंजाम देने के बाद से लगातार फरार चल रहा था आज अपर पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में रुरा पुलिस द्वारा मुकदमा उपरोक्त के वाछित अभियुक्त सरमन उपरोक्त को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। जिसकी गिरफ्तारी पर नगद पुरुस्कार 20000 रुपये का पुरुस्कार घोषित था गिरफ्तार करने वाली पुलिस पार्टी को देकर सफलता पर की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई। गिरफ्तार करने वाले अधिकारी/कर्म. में उ.नि. धर्मेन्द्र मलिक, उ.नि. विकल्प चतुर्वेदी, उ.नि. विनय कुमार व कां. 1058 कृपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

अज्ञात द्वारा गाटर व सरिया चोरी कर ले जाना

इटावा, । शातिर चोर निमार्णाधीन गौशाला में रखे गाटर व सरिया चोरी कर ले गये। जानकारी होने पर महेन्द्र पाल सिंह ने थाना फ्रेण्डस कालोनी में अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। ग्राम पंचायत संतोषपुर इटगांव विकासखण्ड बसरेहर इटावा निवासी महेन्द्रपाल सिंह ने ग्राम संतोषपुर इटगांव में गौवश के लिए गौशाला का निर्माण करवाया था। अतः उनके निर्माणाधीन गौशाला में गाटर व सरिया रखा हुआ था। अतः रात्रि के समय शातिर चोर गौशाला से रखे गाटर व सरिया चोरी कर ले गये। जानकारी होने पर महेन्द्रपाल सिंह ने काफी खोजबीन की लेकिन कुछ पता नहीं चला। तभी महेन्द्रपाल सिंह ने थाना फ्रेण्डस कालोनी में अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। अतः थाना पुलिस ने महेन्द्रपाल सिंह की तहरीर पर अज्ञात चोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली।

जनपदीय पुलिस द्वारा विभिन्न थानों में की गयी कार्यवाही

कानपुर देहात, । जिला पुलिस के निर्देश पर थाना भोगनीपुर पुलिस द्वारा अभियुक्तगण नौक सिंह कबूतरा पुत्र प्रेम सिंह, बबिता पत्नी नौक सिंह, संगीता पत्नी कोमल कबूतरा निवासीगण परेरापुर कबूतरा थाना भोगनीपुर के कब्जे से 520 लीटर कच्ची शराब व 2500 लीटर लहन व 5 किलो यूरिया खाद नाजायज बरामद कर प्र.नि. शिव कुमार सिंह राठौर द्वारा गिरफ्तार किये जाने की सूचना पर थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 47/19 धारा 60 आबकारी अधिनियम व 272/273 भा.द.वि. का अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान किया गया। इसीक्रम में थाना डेरापुर पुलिस द्वारा अभियुक्तगण रामशंकर पुत्र अंगद, कन्हैया लाल पुत्र रामधार, वती देवी पत्नी रामशंकर, देवमन्ती पत्नी अजब सिंह व सुमन देवी पत्नी भूपेन्द्र सिंह निवासीगण अन्तापुर का पुरवा थाना डेरापुर के कब्जे से 200 लीटर कच्ची शराब व 3200 लीटर लहन तथा शराब बनाने के उपकरण नाजायज बरामद कर प्र.नि. रामबहादुर पाल द्वारा गिरफ्तार किये जाने की सूचना पर थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 39/19 धारा 60(2) आबकारी अधिनियम व 272 भा.द.वि. का अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान किया गया।

इसीक्रम में थाना रूरा पुलिस द्वारा अभियुक्तगण स्वामी सिंह सेंगर पुत्र स्व. कल्याण सिंह सेंगर, सुधा सिंह पत्नी स्वामी सिंह निवासीगण मुरलीपुर थाना रूरा के कब्जे से 247 ग्राम चरस नाजायज बरामद कर उ.नि. विनय कुमार सिंह की सूचना पर थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 31/19 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्तों को गिरफ्तार कर चालान किया गया। इसीक्रम में थाना शिवली पुलिस द्वारा अभियुक्त राहुल पुत्र मुलायम सिंह निवासी रमईपुर थाना विधनू जनपद कानपुर नगर के कब्जे से 05 लीटर देशी कच्ची शराब नाजायज बरामद कर उ.नि. अरूण कुमार द्वारा गिरफ्तार किये जाने की सूचना पर थाना स्थानीय पर मु.अ.सं. 42/19 धारा 60 आबकारी अधिनियम का अभियोग पंजीकृत किया गया। अभियुक्त को गिरफ्तार कर चालान किया गया। इसीक्रम में थाना रूरा पुलिस द्वारा मु.अ.सं. 462/18 धारा 302/201 भा.द.वि. के अभियोग में वांछित अभियुक्त सरवन पाल पुत्र रामप्रकाश पाल निवासी चम्पतपुर भोलानिवादा थाना शिवली को उ.नि. धर्मेन्द्र मलिक व उनके हमराही पुलिसबल द्वारा गिरफ्तार कर जेल भेजा गया।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को आईसीडीएस एप के बारे में दिया गया प्रशिक्षण वितरण किए गए निशुल्क मोबाइल

सीतापुर, । विकास खंड कसमंडा में बाल विकास परियोजना सीतापुर से आई मुख्य सेविका दीपाली बाजपेई ने आई हुई आंगनवाड़ी कार्यकत्रियो को मोबाइल से जुड़े आईसीडीएस एप के बारे में प्रशिक्षण दिया प्राप्त सूचना के अनुसार कसमंडा आंगनबाड़ी कर्मचारियों को मोबाइल वितरण के बाद 6 फरवरी 2019 से 8 फरवरी 2019 तक मोबाइल प्रशिक्षण की शुरुआत की गई जिसमें प्रशिक्षण दाता मुख्य सेविका दीपाली वाजपेई मोबाइल से जुड़े आईसीडीएस के ऐप के बारे में विशेष जानकारियां उपलब्ध कराएं और आंगनबाड़ियों को किस तरीके से काम करना है यह काम की शुरुआत की गई बताते चलें कि आंगनबाड़ियों ने बड़े जोर-शोर के साथ प्रशिक्षण में भाग लिया बताया कि हमें जो बताया गया है उसके अनुसार काम करना है और आगे की कार्यवाही अगले दिन बताई जाएगी जिससे कि समझ में आए और यह भी बताया गया है किस तरीके से मोबाइल में डाटा अपलोड करके सीन करना है जिससे मोबाइल की लोकेशन के बारे में भी बताया गया कि आपको लोकेशन पर जाकर अर्थात अपने आंगनबाड़ी केंद्र पर जाकर परिवार से मिलकर उसके सदस्यों की जानकारी जुटानी और हर स्टेप पर परिवार की पूरी जानकारी इकट्ठा करने के बाद सीन कर देना जिससे आंगनबाड़ियों में काफी खासा उत्साह दिखाई दिया मोबाइल प्राप्त होने से आंगनबाड़ी महिलाओं ने काफी खासा खुशी जाहिर की इस अवसर पर मुख्य सेविका दीपाली बाजपेई के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करने पर आंगनबाड़ी कर्मचारियों ने बताया कि उन्होंने काफी समझाया है और उसी तरीके से कार्य करने से हमको सही दिशा मिलेगी इस प्रशिक्षण के मध्य चाय और नाश्ता खाना भी आंगनबाड़ी वर्करों को दिया गया, बताते चलें की मुख्य सेविका दीपाली बाजपेई ने बताया की आंगनबाड़ी कर्मचारियों को मोबाइल के द्वारा काफी जानकारियां दी गई हैं जिससे कि उनको आगे कोई परेशानी ना आए इसके बारे में आगे भी बताया जाएगा क्योंकि तीन दिवसीय प्रशिक्षण है और सभी को इस प्रशिक्षण में उपस्थित रहना अनिवार्य है जिससे कि उनको कोई भी समस्या ना आए इसलिए यह प्रशिक्षण उनके लिए बेहद जरूरी है और आंगनबाड़ियों इस पर काफी खुश है और उनको मोबाइल मिला है लेकिन इससे जुड़ी जानकारियां उनको नहीं थी इसलिए प्रशिक्षण लेना अनिवार्य इसलिए आज से प्रशिक्षण की शुरुआत है और यह प्रशिक्षण 3 दिन चलेगा बाल विकास परियोजना अधिकारी खलीलुल्लाह ने बताया यह सरकार की नई योजना और इससे बेहद मदद मिलेगी आंगनबाड़ी कर्मचारियों को रिपोर्ट देने में और सभी को यह बताया जा चुका है कार्य को किस तरीके से करना और उसके लिए प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है और कार्य में किसी भी प्रकार की कोई कोताही बरती ना जाए इस बात की भी विशेष ध्यान और निगरानी की जाएगी।

सदन में उठा शाहगंज बाईपास का मुद्दा

जौनपुर, । विधायक बदलापुर रमेश चंद्र मिश्र ने सोमवार को सदन में शाहगंज बाईपास का मुद्दा उठाया। इसके साथ ही शाहगंज वासियों की दशकों पुरानी मांग एक बार फिर चर्चाओं में आ गई है। इस मुद्दे पर सदन में नियम 301 के तहत चर्चा हुई। गौरतलब है कि शाहगंज आजमगढ़, सुल्तानपुर तथा अंबेडकर नगर की सीमाओं पर बसा एक महत्वपूर्ण कस्बा है। यह न सिर्फ जिले की सबसे पुरानी एवं महत्वपूर्ण तहसील है। बल्कि कहा तो यहां तक जाता है कि कानपुर के बाद पूर्वांचल में सबसे बड़ी गल्ला-मंडी कलक्टरगंज भी यहीं हैं। लगभग तीनों जिलों के अलावा बड़े पैमाने पर लोगों का आना-जाना इस कस्बे में होता है। इतना ही नहीं अंबेडकरनगर, सुल्तानपुर तथा आजमगढ़ के सीमावर्ती सैकड़ों गांवों के हजारों लोग रोजाना यहीं से होकर वाराणसी, जौनपुर, मिर्जापुर, सोनभद्र आदि जिलों का सफर तय करते हैं। जाम की समस्या यहां दशकों पुरानी है और इतनी ही पुरानी है सुल्तानपुर-जौनपुर बाईपास की मांग भी। हालांकि इतनी पुरानी यह समस्या अब समय बीतने के साथ ही श्कोढ़ में खाजश्बन चुकी है। रोजाना घंटों जाम अब यहां की नियति बन चुकी है। वजह तीनों ही जिलों की तरफ से आने वाले हजारों वाहनों तथा राहगीरों को जौनपुर की तरफ निकलने के लिए एकमात्र रास्ता कस्बे के बीच मुख्य बाजार से होकर गुजरता है। जहां चौड़ीकरण के बावजूद सड़क इतनी चौड़ी नहीं हो सकती कि इस समस्या का हल बन सके। हांलाकि समय-समय पर लोगों ने बाईपास की मांग को जोरदार ढंग से उठाया। वर्ष 2002 के विधानसभा चुनाव में तो तत्कालीन मुख्यमंत्री राजनाथ सिंह ने रामलीला मैदान में मंच से इसकी बाकायदा घोषणा भी की। शाहगंज से दो बार विधायक व मंत्री रह चुके शैलेंद्र यादव श्ललईश्ने भी कई बार इस मांग को हवा दी।

कारागार में खेलकूद प्रतियोगिताओं से बंदी उत्साहित

जौनपुर, । बसंत पंचमी के शुभ अवसर पर जिला कारागार में नौ से 11 फरवरी तक जेल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर बंदियों के बीच पेंटिग, चित्रकला, निबंध-लेखन, खेल-कूद आदि विभिन्न प्रतियोगिताओं तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का अयोजन किया गया। जिससे बंदी काफी उत्साहित दिखाई पड़े। इस त्रिदिवसीय कार्यक्रम को बंदियों द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। विजेताओं में पुरस्कार वितरण किया गया। मुख्य अतिथि खंड शिक्षाधिकारी शाहगंज राजीव कुमार यादव ने बंदियों का उत्साहवर्धन किया।

संचारी रोग नियंत्रण अभियान कार्यक्रम के तहत डीएम ने अधिकारियों को सफल बनाने के दिये निर्देश

कानपुर देहात, । कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में 10 फरवरी से 28 फरवरी तक शुरू हो रहे संचारी रोग नियंत्रण अभियान को सफल बनाने के उद्देश्य से सभी संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में सीएमओ ने बताया कि संचारी रोग तथा दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण तथा इनका त्वरित एवं सहयोग सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में से एक है। संचारी रोग नियंत्रण प्रदेश के 75 जनपदों में आयोजित हो चुका है। इस अभियान के कारण दिमागी रोग से होने वाली मृत्यु में भारी कमी आई है। मुख्यमंत्री जी द्वारा दिमागी बुखार संचारी रोगों पर नियंत्रण तथा इनके त्वरित एवं सुचारू उपचार हेतु प्रभावी उपाय अपनाते हुए अनवरत व्यापक अभियान चलाए जाने के निर्देश दिये गये है। जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में बैठक के दौरान समस्त संबंधित अधिकारियों, ईओ, डीपीआरओ, बीएसए, डीआईओएस, कृषि अधिकारी, समाजकल्याण अधिकारी, जिला दिव्यांगजन अधिकारी आदि को निर्देश दिये कि नगरीय व ग्रामीण क्षेत्रों में वातावरणीय तथा व्यक्तिगत स्वच्छता के उपायों खुले में शौच न करने, शुद्ध पेयजल के प्रयोग तथा मच्छरों के रोकथाम हेतु विशेष रूप से जागरूकता अभियान चलाने के साथ साथ खुली नालियों को ढकने की व्यवस्था एवं नालियों की साफ सफाई कराने के निर्देश दिये साथ ही उथले हैण्डपंपों के प्रयोग को रोकने के लिए उन्हें लाल रंग से चिन्हित करें व लोगों को चिहिन्त हैण्डपंप का पानी न प्रयोग करने के लिए भी जागरूक करें। उन्होंने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिये कि इस अभियान में अपने ग्राम के संबंधित ग्राम प्रधान नोडल होगे जिनका प्रशिक्षण दिनांक 13 फरवरी को प्रातः 11 बजे से प्रत्येक विकास खण्ड में आयोजित कराना सुनिश्चित करें साथ ही वहां एमओआईसी भी उपस्थित रहे व एसडीएम अथवा तहसीलदार की भी भागेदारी सुनिश्चित करायी जाये। जिलाधिकारी द्वारा महिला एवं विकास कल्याण विभाग को निदेर्शित किया गया कि आंगनबाडी कार्यकत्रियों द्वारा उनके क्षेत्र के समस्त कुपोषित तथा अतिकुपोषित बच्चों की सूची बनाकर उनको पुष्टाहार उपलब्ध कराये साथ ही संचारी रोग तथा दिमागी बुखार हेतु जन जागरण अभियान यथा दस्तक अभियान में स्थानीय एएनएम तथा आशा कार्यकत्रियों को सहयोग करते हुए कार्यक्रम में सक्रिय योगदान प्रदान करें। उन्होंने शिक्षा विभाग के जिलाविद्यालय निरीक्षक व बीएसए को निर्देशित किया कि इस कार्यक्रम हेतु प्रत्येक माध्यमिक/बेसिक शिक्षा के विद्यालयों द्वारा स्वास्थ्य शिक्षा हेतु विद्यालय से एक शिक्षक नोडल अध्यापक के तौर पर प्रशिक्षण प्राप्त करें। इसके लिए शैड्यूल बनाकर एमओआईसी को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे ताकि संबंधित नोडल अध्यापक का प्रशिक्षण दिनांक 13 व 14 को होना सुनिश्चित हो साथ ही उन्होंने निर्देश दिये कि प्रतिदिन सभा स्थल पर बच्चों को दिमागी बुखार तथा अन्य संचारी रोगों से बचाव, पर्यावरण, व्यक्तिगत स्वच्छता आदि के सम्बन्ध में परिचर्चा करें व सप्ताह में एक दिन विशेष सत्र का आयोजन कर उन्हें जागरूक करें। इसके अतिरिक्त बच्चों के साथ दिनांक 15 फरवरी को प्रभात फेरी का आयोजन किया जाये। स्कूल प्रबन्ध समिति के सदस्यों का उनके मासिक बैठक में दिमागी बुखार व संचारी रोग पर जागरूक करें। जिलाधिकारी ने विशेष तौर पर बीएसए को निर्देशित किया कि अपने अधीन सभी खण्ड शिक्षाधिकारियों से प्राप्त प्रचार प्रसार सामग्री के सद्उपयोग का प्रमाण पत्रउ लेते हुए वह स्वयं भी उपयोगिता प्रमाण पत्र सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण व समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि दिमागी बुखार व संचारी रोग के उपरांत दिव्यांग बच्चों का सर्वे कराये तथा प्राथमिकता के आधार पर उन्हें सहायक उपकरण उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। उन्होंने इसके साथ साथ जनपद में स्थापित डिसट्रक्ट डिस्एबिलिटी रिहैबिलिटेशन सेन्टर को सुदृढ करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करना सुनिश्चित करें। उन्होंने जिला कृषि अधिकारी व अधिशाषी अभियंता सिचाई को निर्देशित किया कि खेतों में कान्तक नियंत्रण के प्रभावी के सुरक्षित उपाय अपनाने के लिए प्रोत्साहित करें साथ ही नहरों व तालाबों के किनारे उगी हुई खर पतवार को प्रत्येक पखवाडे में हटवाना सुनिश्चित करे। जिलाधिकारी ने समस्त अधिकारियों को निर्देशित किया कि वह अपने अपने विभागों से सम्बन्धित क्रियाकलापों का गहनता से समीक्षा करते हुए प्रतिदिन निर्धारित प्रारूप में क्रियाकलापों व फोटोग्राप के साथ चिकित्सा विभाग को सूचित करना सुनिश्चित करें साथ ही उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिया कि पखवाडे के वास्तविक स्थिति से अवेगत होने हेतु सभी संबंधित अधिकारियों को समलित करते हुए एक वाट्एप ग्रुप बनाना सुनिश्चित करें जिससे सभी संबंधित विभाग पखवाडे का कराये जा रहे कार्यो की सूचना तत्पर्यता से प्रेषित कर सके।

बैठक में सीएमओ डा0 हीरा सिंह, डीडीओ अभिराम त्रिवेदी, जिला समाज कल्याण अधिकारी अशोक कुमार, डीएमओ मारूती दीक्षित, डीपीआरओ अजय कुमार श्रीवास्तव, डीआईओएस अरविन्द कुमार द्विवेदी, डीपीओ राकेश यादव, जिला दिव्यांगजन अधिकारी गिरिजा शंकर सरोज, नोडल अधिकारी वीबीडी डा0 एपी वर्मा, सभी ईओ, एमओआईसी आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

दीपिका–प्रियंका के बाद कैटरीना भी करना चाहती हैं शादी, कहा– मेरा इंतजार करो...

बीता साल बॉलीवुड में शादियों के नाम रहा है। साल 2018 में सोनम कपूर,दीपिका पादुकोण और प्रियंका चोपड़ा शादी के बंधन में बंधी। अब फैंस आलिया भट्ट और कैटरीना कैफ की शादी के लिए काफी एक्साइटिड हैं।

जहां आलिया ने अभी शादी करने से मना कर दिया है। वहीं कैटरीना शादी करने के लिए काफी उत्सुक हैं।दरअसल,फिल्मफेयर ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में कैटरीन कह रही हैं कि हर कोई शादी कर रहा है। शादी के मामले में मैं अब बहुत पीछे रह गई हैं और कहती हैं– 'मेरा इंतजार करो मुझे पीछे मत छोड़ो।'

वर्कफ्रंट की बात करें तो कैटरीना इन दिनों सलमान की फिल्म भारत की शूटिंग में बिजी हैं। फिल्म सलमान–कटरीना के अलावा तब्बू, सुनील ग्रोवर, दिशा पटानी और जैकी श्रॉफ मुख्य किरदार में हैं। फिल्म का निर्देशन अली अब्बास जफर कर रहे हैं। फिल्म इसी साल ईद के मौके पर रिलीज होगी।

बूढ़ी कहने पर जब नूरजहाँ ने दिया था प्राण साहब को ऐसा तगड़ा जवाब

मुंबई. प्राण साहब आज होते तो अपना 99 वां जन्मदिन मना रहे होते. प्राण साहब हमेशा अपनी बातों में इस बात का जिक्र किया करते थे कि मैं 100 से पहले नॉट आउट नहीं होऊंगा. लेकिन वर्ष 2013, 12 जुलाई को उन्होंने प्राण छोड़ दिए थे. प्राण जब तक जीवित रहे, वह लोगों के स्टार बन कर रहे. जब तक वह स्वस्थ थे, उनके दरवाजे उनके फैन्स के लिए खुले रहते थे.

सीनियर जर्नलिस्ट ज्योति वेंकटेश बताते हैं "अगर आप प्राण के न्यौता पर उनके घर भोजन पर जा रहे हैं तो वक्त का खास ख्याल रखें. चूंकि वह दिन में तीन बार खाना खाते थे. उसके कुछ कायदे और कानून थे. प्राण सुबह का नाश्ता सबसे अधिक करते थे. चूंकि उनका मानना था कि दिन का पहला भोजन हमेशा भरपेट होना चाहिए. वहीं दूसरी तरफ वह दोपहर का खाना सुबह के भोजन से कम मात्रा में करते थे. वहीं रात का भोजन उन्हें हमेशा हल्का करने की आदत थी."

प्राण के बारे में एक किस्सा यह भी लोकप्रिय है कि जब वह उपकार फिल्म की शूटिंग कर रहे थे, उस वक्त उन्हें अपनी बहन जो कि कोलकाता में रहती थीं, उनका देहांत हो गया था लेकिन उन्होंने फिल्म की शूटिंग बीच से इसलिए नहीं छोड़ी थी, क्योंकि वह नहीं चाहते थे कि उनकी वजह से शूटिंग रुके और बाकी मजदूरों का नुकसान हो.प्राण फिल्मों में जितनी दिलचस्पी रखते थे. उतनी ही दिलचस्पी उन्हें क्रिकेट में भी थी. उन्हें क्रिकेट के लिए अपने दौर में सबसे अधिक सेलेब्रिटी क्रिकेट करवाए और चौरिटी मैचेज भी किये. एक दिलचस्प किस्सा जो कई सालों बाद सामने आया था कि कपिल देव को आगे बढ़ने का मौका प्राण ने दिया था. कपिल ने कुछ दिनों पहले यह राज खोला था कि जब उन्हें इंग्लैंड जाने की जरूरत थी, चूंकि उनके घुटनों में चोट लग गई थी, उस वक्त प्राण ने कपिल से कहा था कि समझौता करने की जरूरत नहीं है, अपनी सेहत के साथ. तुम्हें अगर कोई भी जरूरत हो तो मुझे कहना . कपिल कहते हैं कि वह मेरे लिए एक्टर से अधिक एक अच्छे इंसान और पिता के रूप में थे. प्राण ने जब अपनी पहली फिल्म खानदान की थी और वह फिल्म कामयाब हुई थी तो ट्रिब्यून अखबार में उनकी पहली तस्वीर प्रकाशित हुई थी. प्राण ने उस तस्वीर को संभाल कर रखा था और आज भी पंजाब के संग्रहालय में वह तस्वीर सुरक्षित है, जो आप यहां देख भी सकते हैं. मीडिया में आयी उनकी पहली तस्वीर यही थी. प्राण के फिल्मों से अलग उनसे जुड़ी कहानियाँ बेहद दिलचस्प हैं. मंटो उन्हें मुंबई की फिल्मों में लाये थे. अपने दोस्त श्याम चड्ढा की मदद से प्राण का मेल–जोल मुंबई में बढ़ा. इन सबके बीच नूरजहां से उनकी नोंक–झोंक वाली रिश्ते की खबरें भी हमेशा सामने आती रही हैं. हुआ यह था कि एक इंटरव्यू के दौरान प्राण ने नूरजहाँ के बारे में कह दिया था कि वह तो अब बुजुर्ग हो चली हैं. नूरजहां को जब यह पता चला. उन्होंने फौरन फोन लगाया और प्राण को कहा कि अच्छा तो मैं बूढ़ी हो गई हूं तो तुम कौन सा जवान दिखते हो. दिलचस्प बात है कि दोनों की दोस्ती ताउम्र कायम रहीं.

गुड न्यूज के सेट से सामने आया अक्षय-करीना का फर्स्ट लुक, ग्लैमरस अंदाज में दिखी बेबो

बॉलीवुड एक्ट्रेस करीना कपूर खान इन दिनों फिल्म गुड न्यूज की शूटिंग में बिजी हैं। फिल्म में उनके ऑपोजिट अक्षय कुमार हैं। हाल ही में फिल्म के सेट से दोनों का लुक सामने आया है। इस लुक की तस्वीर को अक्षय कुमार ने अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है। तस्वीर में करीना ब्लू ड्रेस में सनग्लासेस पहने हुए हैं। इसके साथ उनका हेयरस्टाइल भी काफी अलग है। तस्वीर में करीना जहां पाउट बनाते हुए दिख रही है। वहीं अक्षय हंसते हुए दिख रहे हैं। तस्वीर को शेयर करते हुए अक्षय ने कैप्शन में लिखा– माई मंडे मोटिवेशन बेबो, अपने सुपर ग्लैमरस को–स्टार के साथ तालमेल बैठाते हुए। फिल्म की बात करें तो इसमें करीना–अक्षय के अलावा दिलजीत दोसांझ और कियारा आडवाणी मुख्य किरदार में हैं। फिल्म की कहानी दो अलग–अलग जनरेशन्स के प्यार को दर्शकों के सामने पेश करेगी। जहां करीना और अक्षय पति–पत्नी के रुप में दिखाई देंगे, वहीं दिलजीत और किआरा न्यू–एज कपल के रूप में नजर आएंगे। फिल्म 19 जुलाई, 2019 को रिलीज होगी।

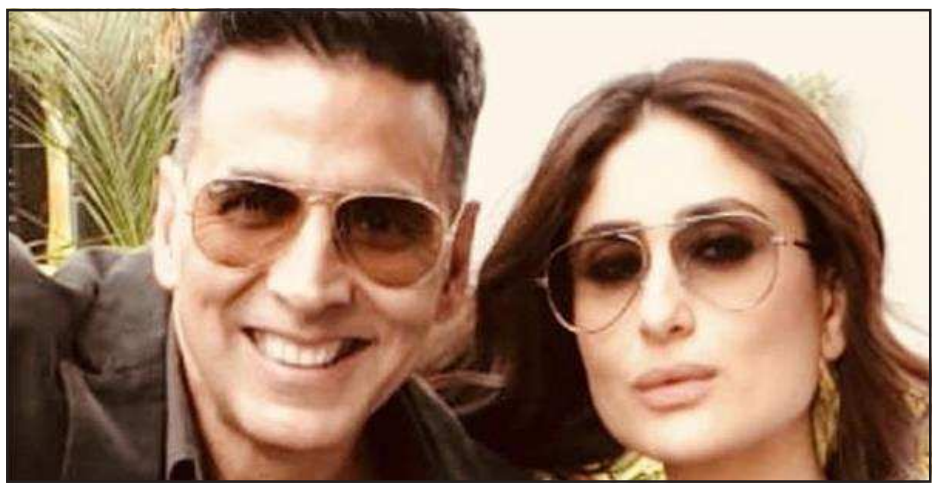

सनी लियोन ने यूं सैलिब्रेट किया जुड़वा बेटों का बर्थ–डे, वीडियो में दिखा क्यूट अंदाज

बॉलीवुड एक्ट्रेस सनी लियोन अक्सर अपने बच्चों संग स्पॉट होती रहती है। बीते सोमवार उनके जुड़वां बेटों एशर और नोहा का बर्थ–डे था। इस खास मौके पर सनी ने इंस्टा पर एक वीडियो शेयर की है। इसमें एशर और नोहा मम्मी सनी और पापा डेनियल संग काफी मस्ती करते नजर आ रहे है। वीडियो में इनकी बड़ी बहन निशा भी है। एशर और नोहा केक संग काफी मस्ती कर रहे है। इस दौरान दोनों ही बेहद क्यूट लग रहे है। वीडियो संग सनी ने कैप्शन दिया है–परिवार वालों के लिए मेरे मन में जो भाव हैं उन्हें चंद शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। पर मैं कोशिश कर रही हूं। नोहा और एशर संग बिताया गया मेरा पिछला साल मेरे अब तक के जीवन के सबसे शानदार सालों में से एक रहा। निशा, नोहा और एशर की सबसे प्यारी बहन हैं। आप मेरे जीवन की रोशनी हैं साथ ही वह वजह भी जिस कारण मैं रोज सुबह उठती हूं। आपकी मुस्कान, आलिंगन, किसेस, यहां तक की आपका क्यूट रोना भी मुझे खुश कर देता है। मेरे दो छोटी–छोटी खुशियों की पिटारी को जन्मदिन की शुभकामनाएं। मेरे लिए परिवार वालों के साथ वक्त बिताना ही जीवन में खुश रहने का मूलमंत्र है। बता दें कि सनी ने पिछले साल ही एशर और नोहा को गोद लिया था। काम की बात करें तो सनी जल्द ही कॉमेडी फिल्म टोटल धमाल में नजर आएंगी।

फोटोशूट के लिए यूं तैयार होती हैं एक्ट्रेसेस, कृति खरबंदा ने शेयर की वीडियो

बॉलीवुड एक्ट्रेस कृति खरबंदा अक्सर अपनी तस्वीरों की वजह से सुर्खियों में रहती हैं। हाल ही में कृति ने हेलो मैगजीन के लिए फोटोशूट करवाया। इस फोटोशूट का वीडियो और कुछ तस्वीरें उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर भी शेयर की हैं। तस्वीरों में कृति पिंक कलर के वन पीस में नजर आ रही हैं। वहीं वीडियो में वह बिस्तर पर खड़े होकर अपने बाल सेट करवा रही हैं। कुछ तस्वीरों में वह क्रीम कलर की ड्रेस में नजर आ रही हैं। बता दें कृति सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वह अक्सर अपने इंस्टा अकाउंट पर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं

वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही हॉउसफुल 4 में नजर आने वाली हैं। फिल्म में उनके अलावा अक्षय कुमार, बॉबी देओल, रितेश देशमुख मुख्य किरदार में हैं। फिल्म 25 अक्टूबर को रिलीज होगी।

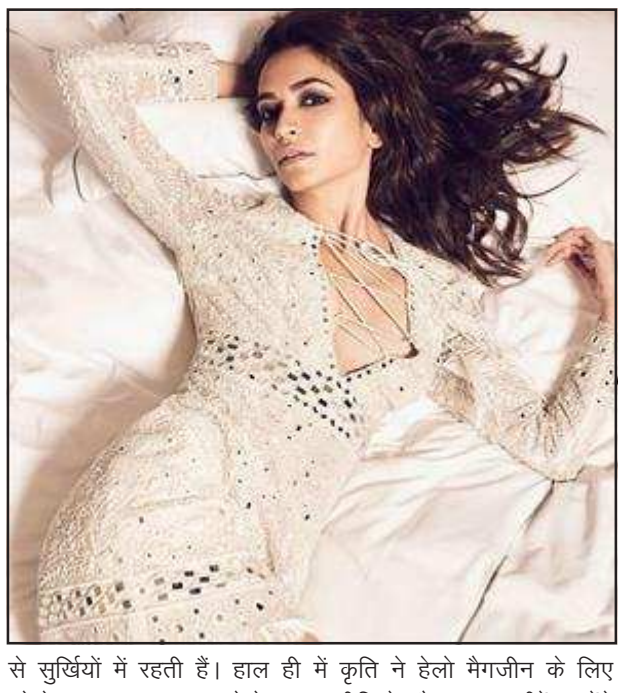

विक्की कौशल ने किया कंफर्म, इस टीवी एक्ट्रेस को कर रहे है डेट

बॉलीवुड एक्टर विक्की कौशल की सफलता इन दिनों सातवें आसमान पर है। हाल ही में विक्की की आई फिल्म उरी ने 200 करोड़ का आकड़ा पार कर लिया है। इस बात में कोई भी दो राय नहीं है कि विक्की आज हर एक लड़की के ड्रीमबॉय बन गए है। हाल ही में विक्की एक्टर आयुष्मान खुराना के साथ करण जौहर के शो श्कॉफी विद करणश में पहुंचे। यहां उन्होंने अपनी पर्सनल लाइफ के बारे में कई बातें की। दरअसल बीते कई महीनों से सुनने में आ रहा था कि विक्की वेब सीरीज ब्रोकेन की लीड एक्ट्रेस हरलीन सेठी को डेट कर रहे है। करण ने जब विक्की से उनकी लवलाइफ के बारे में सवाल किया तो विक्की ने खुलासा किया था कि वह पिछले एक साल से किसी को डेट कर रहे है।इससे पहले भी विक्की अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर बात कर चुके है। फिल्मफेयर को दिए गए इंटरव्यू के दौरान विक्की ने ये माना था कि वह इस रिश्ते में काफी खुश है। विक्की ने इस इंटरव्यू के दौरान कहा है कि, शुरुआत से ही मुझे सब सही लग रहा था। एक दूसरे को जानना काफी खूबसूरत है। ये सब एक साल से चल रहा है और हम कॉमन फ्रेंड्स के जरिए मिले है। जो भी हुआ है वह अपने आप ही होता चला गया। हमें एक दूसरे की कंपनी पसंद आती है और हम एक दूसरे के काफी अच्छे दोस्त है। वर्क फ्रंट की बात करें तो विक्की जल्द ही करण जौहर की मल्टीस्टारर फिल्म श्तख्तश में नजर आने वाले है। इस फिल्म रणवीर सिंह, करीना कपूर खान, आलिया भट्ट, भूमि पेडनेकर, अनिल और जाह्नवी कपूर जैसे सितारे है।

ऐश्वर्या का शोकिंग खुलासा, ठुकरा दी थी हॉलीवुड की यह बड़ी फिल्म, क्योंकि एक सीन में...

मुंबई। प्रियंका चोपड़ा से कई साल पहले ऐश्वर्या राय बच्चन ने अपने हॉलीवुड करियर को पंख दिये थे और कई अहम फिल्मों में काम कर चुकी हैं। अब ऐश्वर्या ने डेब्यू हॉलीवुड फिल्म को लेकर ऐसा राज खोला है, जिसे जानकर आप भी सन्न रह जाएंगे।

एक मैगजीन को दिये गये इंटरव्यू में ऐश्वर्या ने खुलासा किया कि उनका हॉलीवुड डेब्यू श्ट्रॉयश से होने वाला था। उन्हें इस फिल्म में ब्रीसीस का किरदार ऑफर किया गया था, जो सुपर स्टार ब्रैड पिट के अपोजिट था। ब्रैड ने एकेलिस का रोल निभाया था। मगर, ऐश ने फिल्म ठुकरा दी थी, क्योंकि इसमें काफी इंटिमेट दृश्य फिल्माये जाने थे, जिसके लिए ऐश उस वक्त तैयार नहीं थीं। बाद में यह रोल हॉलीवुड अदाकारा रोज बायर्न ने निभाया था।

ऐश ने बाद में ब्राइड एंड प्रीज्यूडाइस से ओवरसीज में डेब्यू किया, जिसे गुरिंदर चड्ढा ने डायरेक्ट किया था। यह फिल्म जेन ऑस्टन के प्राइड एंड प्रीज्यूडाइस पर आधारित थी। ऐश के अपोजिट मार्टिन हेंडरसन ने लीड रोल निभाया था। फिल्म में अनुपम खेर, इंदिरा वर्मा, नम्रता शिरोडकर और सोनाली कुलकर्णी अहम भूमिकाओं में थे।इसके बाद ऐश्वर्या मिस्ट्रेस ऑफ स्पाइसेज, प्रोवोक्ड, द लास्ट लीजन और द पिंक पैंथर2 में फीमेल लीड रोल्स में नजर आयीं। ऐश्वर्या पिछले साल फन्ने खघन में एक सिंगर की भूमिका में दिखायी थीं। 2016 में उनकी सरबजीत और ऐ दिल है मुश्किल आयी थीं। 2015 में ऐश्वर्या ने जज़्बा से 5 साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी की थी। इससे पहले 2010 में वो संजय लीला भंसाली की फिल्म गुजारिश में रितिक रोशन के साथ उन्होंने स्क्रीन स्पेस शेयर किया था।फिल्मों के चुनाव को लेकर ऐश काफी टूजी हो गयी हैं और सिर्फ दमदार किरदार ही निभा रही हैं। पिछले साल जनवरी में खघबर आयी थी कि ऐश्वर्या सरोगेसी पर बन रही फिल्म जैस्मीन में लीड रोल निभाएंगी। इस फिल्म को टॉयलेट एक प्रेम कथा बनाने वाले श्रीनारायण सिंह और प्रेरणा अरोरा प्रोड्यूस करने वाले थे।

पोस्टर भी रिलीज किया गया था, मगर इससे आगे कोई जानकारी सामने नहीं आयी थी। बताया जाता है कि फिल्म रियल लाइफ में हुई एक घटना से प्रेरित है जो गुजरात में हुई थी। फिल्म को सिद्धार्थ और गरिमा निर्देशित करने वाले थे, जिन्होंने टॉयलेट एक प्रेम कथा लिखी थी।इसके अलावा गुलाब जामुन शीर्षक से एक और फिल्म की चर्चा पिछले साल चली थी, जिसमें ऐश अपने हबी अभिषेक बच्चन के साथ रीयूनाइट होने वाली थीं, मगर इस फिल्म का भी कोई जिक्र नहीं है।

ये लो ! फरहान की शिबानी ने तो बता ही दिया कब करने वाली हैं शादी

मुंबईस फिल्म अभिनेत्री शिबानी दांडेकर जल्द फरहान अख्तर के साथ शादी कर सकती हैंस इस बात की घोषणा उन्होंने सोशल मीडिया पर अनजाने में ही कर दी है या ये सही है ये पता नहींस गौरतलब है कि शिबानी डांडेकर उनकी बहन अपेक्षा डांडेकर की शादी में दुल्हन की तरह सज कर पहुंची थीस इस पर गायक मियांग चौंग ने टिप्पणी करते हुए पूछा कि कब 'वरिष्ठ दांडेकर' शादी कर रही हैंस इस पर शिबानी ने प्रत्युत्तर देते हुए कहा है कि इस गर्मी में कर सकती हैंस अब इस बात का खुलासा नहीं हो पाया है कि शिवानी दांडेकर मियांग के कमेंट पर मजाक में जवाब दे रही थीं स उन्होंने मस्ती में उन्होंने ऐसा कहा या वह वाकई इस बात को लेकर गंभीर हैंस गौरतलब है कि फरहान अख्तर शिबानी दांडेकर का रिश्ता बिना कहे ही मान लिया गया हैस दोनों सोशल मीडिया पर कई बार उनके फोटो और पोस्ट के माध्यम से उनके प्यार का खुलेआम प्रदर्शन करते रहे हैंसअब ऐसे में इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि दोनों जल्द वैवाहिक बंधन में बंध जाएस गौरतलब है कि दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह की शादी के रिसेप्शन में भी फरहान अख्तर और शिबानी दांडेकर हाथों में हाथ डाले पहुंचे थेस तभी से लोग इनकी शादी के कयास लगाने लगे थे। फरहान अख्तर का अधूना अख्तर से अभी हाल ही में तलाक हुआ है और उनके दो बच्चे हैं।

झलक केसरीः अक्षय कुमार की इस अविश्वसनीय कहानी पर गर्व करेंगे आप

मुंबई। अक्षय कुमार की बहुचर्चित फिल्म केसरी की एक छोटी सी झलक आज मंगलवार को दोपहर में जारी कर दी गई स उससे पहले फिल्म के कई नए पोस्टर जारी किये गए हैं जिसमें उस गर्व की कहानी का अक्स उभरता है, जो दशकों पहले इतिहास में दर्ज हो गई थी।

राज कंवर के असिस्टेट रह चुके अनुराग सिंह निर्देशित ये फिल्म भारतीय जांबाजों के वीरता और साहस की कहानी है। अक्षय कुमार को उनकी पलटन के साथ देखा जा सकता है, जो कि सिख अवतार में नजर आ रही है। इस फिल्म में परिणीति चोपड़ा भी एक अहम भूमिका में नजर आएंगी। फिल्म की एक टैग लाइन है दृ श्आज मेरी पगड़ी भी केसरी । जो बहेगा वो लहू भी केसरी और मेरा जवाब ही केसरीश। केसरी की छोटी सी झलक से फिल्म को लेकर कुछ पता तो नहीं चलता लेकिन इसी के साथ अक्षय कुमार ने अपनी इस फिल्म के शंखनाद कर दिया है

बैटल ऑफ सारागढ़ी यानि सारागढ़ी का युध्द 12 सितम्बर 1897 को अंग्रेजों और अफगान ओराक्जई जनजातियों के बीच लड़ा गया था। यह अब के पाकिस्तान में स्थित उत्तर–पश्चिम फ्रण्टियर प्रान्त (खैबर–पखतुन्खवा) में हुआ। तब सिख ब्रिटिश फौज में सिख रेजिमेंट की चौथी बटालियन थी जिसमें 21 सिख थे, जिन पर 10000 अफगानों ने हमला किया था । सिखों का नेतृत्व कर रहे हवालदार ईशर सिंह ने मरते दम तक लड़ने का फैसला किया । इसे सैन्य इतिहास में इतिहास के सबसे महान अन्त वाले युद्धों में से एक माना जाता है। जंग के दो दिन बाद दूसरी ब्रिटिश भारतीय सेना द्वारा ने उस जगह पर फिर कब्जा कर लिया था ।सिख सैनिक इस युद्ध की याद में 12 सितम्बर को सारगढ़ी दिवस मनाते हैं स केसरी, सारागढ़ी के युद्ध की कहानी है। फिल्म में अक्षय कुमार हवलदार सिंह का किरदार निभा रहे हैं, जिन्होंने उस समय की इंडो–ब्रिटिश आर्मी का नेतृत्व किया था।

ये वही फिल्म है जिसके लिए सलमान ने भी प्रोड्यूस करने की दिलचस्पी दिखाई थी लेकिन वो बाद में हट गए। फिल्म केसरी 21 मार्च 2019 को रिलीज होगी। गौरतलब है कि हाल ही में केसरी के सेट पर आग लग गई थी। जिसमें 8 करोड रुपए का नुकसान हुआ था। हालांकि सेट का बीमा होने के चलते बीमा कंपनियों द्वारा मिल गया था। पिछले दिनों अक्षय कुमार इसी फिल्म की शूटिंग के लिए स्पीति शीत मरुस्थल की वादियों में पहुंचे थे।

घाटी में 10 दिन तक चली शूटिंग के दौरान कई अक्षय कुमार ने विभिन्न बुद्धिष्ठ गोंपाओं में माथा टेककर सुख–समृद्धि का आशीर्वाद लिया। अक्षय कुमार काजा से मीलों साइकिल चलाकर स्पीति के पलदर मैदान में पहुंचते थे। अक्षय कुमार स्पीति की वादियों से खासे प्रभावित हुए और शीत मरुस्थल को बालीवुड की नजर से विकसित करने की बात कर मुबई लौटे। रांगरकि के ग्रामीण पलजोर बौद्ध ने बताया कि अक्षय कुमार मिलनसार व्यक्ति हैं।

यौन शोषण के आरोपों से घिरे अमेरिका के साउदर्न बैपटिस्ट चर्च

शिकागो। अमेरिका का सबसे बड़ा प्रोटेस्टेंट संप्रदाय साउदर्न बैपटिस्ट कन्वेंशन यौन शोषण के आरोपों का सामना कर रहा है। एक रिपोर्ट में साल 1998 से लेकर अब तक सैकड़ों दोषियों और 700 से अधिक पीड़िताओं का खुलासा किया गया है।टेक्सास के दो समाचार पत्रों की रिपोर्ट के अनुसार, करीब 380 चर्च नेताओं और स्वयंसेवकों ने यौन शोषण के आरोपों का सामना किया। इनमें से ज्यादातर अपराध तीन साल तक के बच्चों के साथ हुआ। अखबार ने कहा कि कुछ आरोपी अब भी साउदर्न बैपटिस्ट चर्चों में काम कर रहे हैं। रिपोर्ट के जवाब में चर्च के अधिकारियों ने माना कि पीड़ितों की संख्या ज्यादा हो सकती है और उन्होंने पीड़ितों से आगे आने का अनुरोध किया। इन खुलासों से संप्रदाय की छवि को काफी खतरा है। इस संप्रदाय के करीब 47,000 चर्च हैं और 1.5 करोड़ सदस्य हैं । कैथोलिक चर्च भी इसी तरह के खुलासों का सामना कर रहा है। कन्वेंशन की कार्यकारी समिति के प्रवक्ता रोजर ओल्डहैम ने कहा कि साउदर्न बैपटिस्ट संगठन की ओर से व्यापक प्रतिक्रिया अगले सप्ताह आ सकती है जब अध्यक्ष जे डी ग्रीअर यौन शोषण अध्ययन पर जानकारी देंगे जो उन्होंने पिछली र्गिमयों में किया था। वेटिकन के विपरीत साउदर्न बैप्टिस्ट कन्वेंशन चर्चों को स्वायत्तता से चलाने की अनुमति देता है और अपने मंत्रियों को नियुक्त करता है जिन्हें ब्रह्मचारी होने और कर्मचारियों की नियुक्ति करने की जरुरत नहीं होती। मूरे ने कहा, "संप्रदाय में प्रत्येक धर्मसंघ अपना कामकाज खुद चलाता है। कोई बिशप नहीं होता। कोई निरीक्षक नहीं होता। लेकिन कोई भी चर्च की स्वायत्तता को आड़ नहीं बना सकता।" रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले दो दशकों में कम से कम 35 मामलों में आरोपी एक चर्च छोड़कर दूसरे में काम करने लग गया। कुछ मामलों में धर्मसंघ को यौन शोषण के बारे में पता था। गौरतलब है कि पोप फ्रांसिस ने पिछले सप्ताह स्वीकार किया था कि पादरियों और बिशप ने नन्स का भी यौन शोषण किया।

पेंटागन का दावा- अमेरिका के लिए सबसे बड़ा सामरिक खतरा है चीन

वॉशिंगटन/बजिंग। चीन अपनी "अभूतपूर्व सैन्य निर्माण और दूसरों को नुकसान पहुंचाने वाली अर्थव्यवस्था" के साथ अमेरिका के समक्ष सबसे प्रमुख और दीर्घकालिक खतरा बनता जा रहा है। यह चेतावनी अमेरिका के सीनेटरों और कमांडर ने सीनेट के एक पैनल को दी। चीन से पैदा हो रही चुनौती का सामना करने के लिए एक तंत्र बनाए जाने की मांग करते हुए अमेरिका हिंद–प्रशांत कमान के प्रमुख एडमिरल फिलिप्स डेविडसन ने सीनेट की सशस्त्र सेवा समिति के समक्ष कांग्रेस की सुनवाई के दौरान कहा, "चीन खुले हिंद प्रशांत और अमेरिका के लिए सबसे बड़ा दीर्घकालिक खतरा पैदा करता है।"

उन्होंने कहा, "बीजिंग नियम आधारित मौजूदा अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था को बदलने, तोडने या झुकाने के लिए डर और आथक दबाव का इस्तेमाल करके अपनी साम्यवादी समाजवादी विचारधारा

का विस्तार करने के लिए काम कर रहा है।" सीनेटरों ने भी डेविडसन के सुर में सुर मिलाया और अमेरिका सरकार से इस संबंध में मजबूत रुख अपनाने की अपील की। सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के रैंकिंग सदस्य सीनेटर जैक रीड ने कहा, "चीन सबसे प्रमुख, दीर्घकालीन खतरा पैदा करता है जिसका अमेरिका कई वर्षों से सामना कर रहा है। चीन की बेल्ट एंड रोड पहल ने कई देशों, खासकर श्रीलंका और मलेशिया को चीन का ऋणी बना दिया है।"उन्होंने कहा कि बीजिंग सरकार अकसर उन भ्रष्ट स्थानीय सरकारों को निशाना बनाती है जो बढ़े ऋण से स्वयं लाभ कमाते हैं, लेकिन सरकारी कोष दिवालिया हो जाता है। वैश्विक स्तर पर चीन की आक्रामकता का मुकाबला करने के लिए अमेरिका को अपने सहयोगियों पर आने वाले दशकों में भरोसा करना होगा । डेविडसन ने सीनेटरों को बताया कि अमेरिका चीन के साथ आचार संहिता पर चर्चा करने में आसियान देशों की मदद कर रहा है। सीनेटर टिम कैने ने कहा कि चीन सामने से भले ही मित्रवत प्रतीत होता हो, वह सामने से भले ही संपत्तियां एवं संसाधन मुहैया कराने का प्रस्ताव रखे लेकिन उसकी शर्तें अत्यधिक ऋण के बोझ तले दबाने वाली होती हैं और श्रीलंका एवं अन्य देश तनाव में नजर आने लगे हैं।

चीन पर आयात शुल्क बढ़ाने की समय सीमा 1 मार्च से आगे बढ़ा सकता है अमेरिका

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को चीन के प्रति नरम रुख दिखाया। उन्होंने कहा कि अमेरिका–चीन के बीच व्यापार विवाद सुलझाने के लिए चल रही बातचीत में कुछ प्रगति होती है तो वो चीन पर नए टैरिफ लागू करने के लिए 1 मार्च की डेडलाइन को आगे बढ़ाने पर विचार करेंगे। ट्रंप ने कहा कि चीन डील चाहता है। वहां अमेरिकी डेलीगेशन इन दिनों वार्ता के लिए मौजूद है।

ट्रंप ने इस बात से इनकार किया है कि वो मार्च के आखिर तक चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से मुलाकात करेंगे। उधर, जिनपिंग बीजिंग में मौजूद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल से शुक्रवार को मुलाकात कर सकते हैं। अमेरिका–चीन के बीच पिछले साल अप्रैल से ट्रेड वॉर चल रहा था। दोनों देशों ने एक–दूसरे पर आयात शुल्क बढ़ाया और नए शुल्क लागू किए। अमेरिका ने आखिरी बार कहा था कि वह 200 अरब डॉलर के चाइनीज इंपोर्ट पर टैरिफ 10: से बढ़ाकर 25: करेगा। इस बीच दोनों देशों के बीच विवाद सुलझाने के लिए वार्ता शुरू हो गई। इसे देखते हुए अमेरिका ने दिसंबर में 90 दिन के लिए ट्रेड वॉर टाल दिया था। यह समयसीमा 1 मार्च को खत्म हो जाएगी। व्हाइट हाउस की आर्थिक सलाहकार लैरी कुडलो ने पिछले गुरुवार को कहा था कि चीन और अमेरिकी के बीच डील अभी आसान नजर नहीं आ रही। साथ ही कहा कि ट्रंप इस मामले में आशावादी हैं।

अब दुबई से भागी महिला, मैसिडोनिया में मांगी शरण

दुबई। सऊदी अरब से भागी युवती द्वारा कनाडा में शरण लेने के बाद अब दुबई से भागी एक महिला ने मैसिडोनिया से शरण मांगी है। बाल्कन देश ने उसे शरण देने से मना कर दिया जिसके बाद उसने भावुक अनुरोध किया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, ऑनलाइन पोस्ट और एक वीडियो में हिंद मोहम्मद अलबलूकी (42) ने कहा है कि पति से तलाक मांगने पर परिवार ने उसे धमकी दी, जिसके बाद वह दुबई से भागकर मैसिडोनिया पहुंची है। मैसिडोनिया में शरण के लिए उसके अनुरोध को 4 फरवरी को देश के आंतरिक मामलों के मंत्रालय ने यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि 'नस्ल, धर्म, राष्ट्रीयता या राजनीतिक संबद्धता के आधार पर उसका उत्पीड़न होने का कोई सबूत नहीं है।' मंत्रालय ने कहा कि उसने अलबलूकी को स्वेच्छा से देश छोड़ने के लिए 15 दिनों की अवधि दी है। निर्णय की प्रतीक्षा करते हुए अलबलूकी को आव्रजन हिरासत में रखा जा रहा है जहां वह 7 दिसंबर से है। मैसिडोनिया में रहने वाले अलबलूकी के मित्र नेनाद दमित्रोव उनको (अलबलूकी) हिरासत में लिए जाने के बाद से उनके ट्विटर अकाउंट को देख रहे हैं। उन्होंने बताया कि वह उनसे एक क्रूज शिप पर मिले थे और तबसे उनके संपर्क में हैं। उन्होंने बताया कि अलबलूकी 2 अक्तूबर को परिवार द्वारा शौचालय जाने की अनुमति दिए जाने के बाद भाग निकली थी।

हैती में सरकार विरोधी हिंसक प्रदर्शनों में 6 की मौत, 80 कैदी जेल से फरार

पोर्ट ऑ प्रिंस। हैती में राष्ट्रपति जोवेनेल मोइसे के इस्तीफे की मांग को लेकर करीब एक हफ्ते से जारी प्रदर्शनों में कम से कम 6 लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच मंगलवार को प्रदर्शनों के दौरान एक्विन शहर की एक जेल से सभी 70 कैदी फरार हो गए। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि किन परिस्थितियों में कैदी जेल तोड़कर भागे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक घटना उस वक्त हुई जब एक कैदखाने से लगे पुलिस थाने के सामने राष्ट्रपति मोइसे के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे थे। इस बीच मंगलवार को राजधानी पोर्ट ऑ प्रिंस में पुलिस और सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के बीच संघर्ष देखने को मिला। मंगलवार को हजारों लोग सड़कों पर उतर आए, जिन्हें पुलिस ने तितर बितर किया। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने कुछ कारों को आग के हवाले कर दिया और दुकानों को लूट लिया। प्रदर्शनकारी भ्रष्टाचार की वजह से बढ़ती सामाजिक असामानता को लेकर नाराज हैं।

आतंकी संगठन में भर्ती होने पाकिस्तान जा रहा अमेरिकी युवक गिरफ्तार

न्यूयार्क। पाकिस्तान में फल–फूल रहे आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा धीरे–धीरे अमेरिका में भी जड़ें जमा रहा है। न्यूयॉर्क पुलिस ने लश्कर में शामिल होने पाकिस्तान जा रहे एक अमेरिकी युवक को गिरफ्तार किया है। वहीं, एफबीआई ने टेक्सास में एक किशोर द्वारा सोशल मीडिया के जरिए अमेरिकी युवाओं को गुमराह कर उन्हें आतंकी बनाने की बड़ी साजिश का खुलासा किया है। जीजस विल्फ्रेडो एन्कार्नेशियन (29) को गुरुवार रात जॉन एफ केनेडी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से उस समय गिरफ्तार कर लिया गया जब वह पाकिस्तान जाने वाले एक विमान में सवार होने वाला था। सहायक अटॉर्नी जनरल जॉन डेमेर्स ने कहा, विल्फ्रेडो विदेशी आतंकी संगठन में शामिल होने के लिए कथित तौर पर पाकिस्तान जाने की कोशिश कर रहा था। आतंकी संगठन को मदद मुहैया कराने के लिए उसने एक अन्य व्यक्ति के साथ साजिश भी की। उधर, दक्षिणी टेक्सास राज्य में 18 वर्षीय माइकल कायले सीवेल पर लश्कर–ए–तैयबा की ओर से लोगों की भर्ती करने और उन्हें प्रशिक्षण के लिए पाकिस्तान भेजने के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने पर गिरफ्तार किया गया है। एफबीआई के सहायक प्रभारी निदेशक विलियम स्वीने जूनियर ने कहा, यह आतंकी संगठन लोगों में हिंसक भावनाएं भड़काने के लिए इंटरनेट और सोशल मीडिया का सहारा ले रहा है। दूसरी ओर, इन गिरफ्तारियों से अमेरिका में सुरक्षा एजेंसियों के बीच खतरे की घंटी बज गई है। इससे देश में आतंकवाद के पनप रहा है और अमेरिकी युवा कट्टरपंथ की ओर आकर्षित हो रहे हैं। आतंकी संगठन लश्कर–ए–तैयबा संयुक्त राष्ट्र और अमेरिका की वैश्विक आतंकवादी संगठन की सूची में शामिल है। उसने मुंबई में वर्ष 2008 में आतंकी हमले समेत भारत में कई हमले किए हैं। मुंबई हमलों में 160 से अधिक लोगों की मौत हुई थी। इनमें कई अमेरिकी नागरिक भी शामिल थे।

2020 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले ही जेल जा सकते हैं ट्रंप

लॉस एंजलिस। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपना वर्तमान कार्यकाल पूरा करने और वर्ष 2020 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले ही जेल जा सकते हैं। ऐसा मानना है अमेरिका की रिपब्लिक सासंद सेन ऐलिजाबेथ वारेन (69) का । वारेन ने पिछले सप्ताह ही आगामी राष्ट्रपति चुनाव लड़ने की घोषणा की है। ब्रॉडकास्ट के अनुसार रविवार को वारेन ने अमेरिकी प्रांत लोवा में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा, "जिस समय हम वर्ष 2020 में प्रवेश करेंगे ट्रंप राष्ट्रपति के पद पर नहीं रहेंगे। हो सकता है कि वे उस समय तक जेल में हों।"वारेन ने लोगों को कहा कि ट्रंप के श्जातिवादीश और श्घृणास्पदश ट्वीट पर मंत्र मुग्ध न हो। उन्होंने कहा, "हर रोज एक जातिवादी और घृणा फैलाने वाला ट्वीट किया जाता है जो बहुत ही भद्दा और बदनुमा होता है।उम्मीदवार, कार्यकर्ता और मीडिया के रूप में हम क्या करें? हम विभाजन करने वालों को ऐसा नहीं करने देंगे।" गौरतलब है ट्रंप और वारेन के संबंध लंबे समय तनावपूर्ण रहे हैं। अमेरिका में नवंबर 2020 में राष्ट्रपति चुनाव होने की संभावना है। ट्रंप राष्ट्रपति पुनर्निवाचित होने के लिए चुनाव लड़ सकते हैं।

वेनेजुएला संकटः विपक्षी नेता गुइदो की आय के संबंध में जांच शुरू

कराकस। वेनेजुएला के वित्तीय जवाबदेही प्राधिकरण ने विपक्षी नेता जुआन गुइदो की आय के संबंध में जांच शुरू कर दी है। एजेंसी के प्रमुख एल्विस अमोरोसो ने सोमवार को बताया कि गुइदो ने "अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय निकायों से बिना किसी औचित्य के कथित तौर पर धन हासिल किए।" गुइदो को करीब 50 देशों ने वेनेजुएला के अंतरिम राष्ट्रपति के तौर पर मान्यता दी है। राष्ट्रपति निकोलस मादुरो के करीबी माने जाने वाले अमोरोसो ने कहा कि संसद अध्यक्ष पर अपनी संपत्ति की घोषणा करते समय गलत जानकारी देने या तथ्य छुपाने का संदेह है। गौरतलब है कि गुइदो काफी समय से मादुरो को सत्ता से बाहर करने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। राज्य नियंत्रक द्वारा दोषी पाए जाने पर गुइदो पर जुर्माना लगाया जा सकता है या उन्हें पद के लिएअयोग्य भी ठहराया जा सकता है। एक वकील ने बताया कि अगर यह तय हो जाए कि गुइदो के खिलाफ कोई भी आरोप अपराध की श्रेणी में आता है तो सरकारी अभियोजक उनके खिलाफ एक आपराधिक मामला चला सकते हैं। अमोरोसो ने बताया कि नेशनल असेंबली के अध्यक्ष गुइदो के खिलाफ कई शिकायत मिलने के बाद यह जांच शुरू की गई है। हालांकि, ये शिकायतें किसने की इस पर उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी।

कार हादसे के बाद ब्रिटेन के प्रिंस फिलिप ने ड्राइविंग लाइसेंस किया सरेंडर

लंदन। ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के पति और ड्यूक ऑफ एडिनबर्ग प्रिंस फिलिप (97) ने कार एक्सीडेंट के 22 दिन बाद अपना ड्राइविंग लाइसेंस सरेंडर कर दिया। बकिंघम पैलेस ने अपने बयान में बताया कि फिलिप ने शनिवार को यह निर्णय खुद लिया। ब्रिटेन में ड्राइविंग की उम्र तय करने के लिए कानून नहीं है, लेकिन 70 की उम्र के बाद हर तीन साल में लाइसेंस रीन्यू कराना पड़ता है। कार हादसे के बाद से ही प्रिंस की उम्र और ड्राइविंग को लेकर मीडिया में आलोचना हो रही थी। पुलिस ने बताया कि हादसे की जांच से जुड़ी फाइल क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस (ब्वै) को भेज दी गई है। सीपीएस के प्रवक्ता ने बताया कि लाइसेंस लौटाने को केस में शामिल कर लिया है। अब जांच की जा रही है कि इस लाइसेंस पर कहीं कोई जुर्माना तो नहीं। ईस्टर्न इंग्लैंड के सैंड्रिंघम एस्टेट में फिलिप की लैंड रोवर कार, एक अन्य वाहन से टकराकर पलट गई थी। इस दौरान फिलिप को कोई चोट नहीं आई जबकि दूसरी कार में सवार दो लोगों को मामूली रूप से जख्मी हो गए। इस दौरान प्रिंस सैंड्रिंघम स्थित प्राइवेट कंट्री रेसीडेंस में ही ठहरे हुए थे। प्रिंस फिलिप अक्सर अपनी कार खुद ड्राइव करते हैं। 2016 में अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा और उनकी पत्नी मिशेल के ब्रिटेन आए थे। दोनों को लंच कराने ले जाने के लिए गाड़ी फिलिप ने ही ड्राइव की थी। फिलिप मौखिक रूप से कई गलतियां कर चुके हैं लेकिन ब्रिटेन के लोगों के मन में काफी सम्मान है। फिलिप की एलिजाबेथ से 1947 में शादी हुई थी। एलिजाबेथ के लंबे शासनकाल में वह अपनी पत्नी के पक्ष में रहे। प्रिंस 2017 में ड्यूटी से रिटायर हो गए थे। फिलहाल वे एलिजाबेथ और राजपरिवार के अन्य सदस्यों के साथ कार्यक्रमों और चर्च में शामिल होते हैं।

थाईलैंड-अमेरिका का कोबरा गोल्ड सैन्य अभ्यास शुरू

बैंकाक। थाईलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका का वार्षिक कोबरा गोल्ड सैन्य अभ्यास आज थाईलैंड की मेजबानी में शुरू हो गया। इसे एशिया–पसिफिक क्षेत्र का सबसे बड़ा सैन्य युद्धाभ्यास माना जाता है जिस पर 29 देशों की नजर रहती है। थाईलैंड और संयुक्त राज्य अमेरिका के अलावा 7 अन्य राष्ट्र सक्रिय सिंगापुर, जापान, चीन, भारत, इंडोनेशिया, मलेशिया और दक्षिण कोरिया इसके सक्रिय भागीदार हैं। इस सैन्य अभ्यास में अमेरिका के सबसे अधिक सैनिक भाग लेते हैं। कोबरा गोल्ड में तीन प्रमुख प्रशिक्षण सैन्य क्षेत्र प्रशिक्षण, मानवीय सहायता और आपदा राहत प्रशिक्षण शामिल हैं। मिशन के कार्यवाहक प्रमुख अमेरिकी राजनयिक पीटर हैमंड ने मंगलवार को सैन्य अभ्यास के उद्घाटन समारोह में कहा कि 1982 में पहली बार आयोजित किए गए इस अभ्यास का उद्देश्य सहयोग और अंतर–संचालन को मजबूत करना है। इस अभ्यास का समापन 22 फरवरी को होगा। चीन ने पहली बार वर्ष 2015 में इस सैन्य अभ्यास में भाग लिया था जबकि भारत द्वारा 2016 में भाग लिया गया।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड, ठाकुरगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित
संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा।
इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजे अन्यथा समाचार "सत्य" माना जायेगा।
संपादक
crimereview2012@gmail.com
मो: 9454552222